1000

# HRA AN USIUS The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

₩o 23]

मई विल्ली, शनिवार, जून 7, 1975 (ज्येष्ट 17, 1897)

No. 231

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 7, 1975 (JYAISTHA 17, 1897)

इस माग में मिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग III--खण्ड 1

#### PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक रेवा क्षायोग, रेल धिश्वार और म रत सरकार वे संसाम और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 श्रप्रैल 1975

सं० पी० 282-प्रणा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी तथा स्थानापन्न उप सिचव श्री आर० के० जी० राव की मंत्रिमंडल कार्य विभाग में आंतरिक वित्तीय सलाहकार (उप सिचव) के पद पर नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप उन्हें 15 अप्रैल, 1975 के अपराह्म से कार्यभार से मक्त किया गया है।

सं० पी० 767-प्रणा० 1—सघ लोक सेवा श्रायोग में श्रवर सचिव श्री जे० वी० राव की जहाजरानी श्रीर परिवहन मंत्रालय नई दिल्ली में उप सचिव के पद पर नियुक्ति हो जाने के कारण उन्हें 15 श्रप्रैल, 1975 के श्रपराह्म से कार्यभार से मुवत कर दिया गया है।

#### दिनांक 16 भ्रप्रैल 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रणा०-1—संघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड के स्थायी श्रधिकारी श्री श्रार० ग्रार० श्रहीर ने, जिन्हें इस कार्यालय की श्रधिसूचना सं० ए० 32013/1/75-प्रणासन-1 दिनाक 19 मार्च, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 27 मार्च, 1975 के श्रपराह्म से संघ लोक सेवा श्रायोग में श्रवर सिवव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री भार० आर् अहीर ने 27 मार्च, 1975 के प्रपराह्म से श्रनुभाग अधिकारी, संघ लोक सेवा श्रायोग के पद का कार्यभार संभाल लिया।

#### दिनांक 12 मई 1975

सं० पी०/1854-प्रणा०-I---भारतीय डाक सेवा के प्रधि-कारी श्री एस० एन० बाजपे को 3 मई, 1975 के पूर्वाह्म से स्नागामी ब्रादेण तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

> पी०एन० मु**खर्जी**, अवर समिव.

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 श्रप्रैल 1975

सं० ए० 12022/2/74-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रंड के स्थायी प्रधिकारी तथा स्थानापन्न परीक्षा नियंत्रक श्री डी० आर० कोहली को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्म से 31 दिसम्बर, 1975 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए डा० डी० एस० कोठारी की अध्यक्षता में स्थापित भर्ती नीति एंव चयन पद्धति समिति के सचिव के पद पर कार्य करते रहने की अनुमित महर्ष प्रदान की जाती है।

पी० एन० मुखर्जी, चनर सचिव कृते अध्यक्ष नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 ग्रप्रैल 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रणासन-III-डम कार्यालय की ग्रिध-सूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रणा०-III दिनांक 5-3-75 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वा के स्थाबी सहायक श्री जी० नटराजन को राष्ट्रपति द्वारा 16-2-75 से 28-2-75 तक की ग्रातिरिक्त ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड में स्थानापक ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशासन---III--इस कार्यालय की मिश्रम्चना स० ए० 32014/1/74-प्रशासन-III विनांक 5-3-75 के अनुक्रम में सघ लोक सेवा भ्रायोग में केन्द्रीय मिनवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० डी० श्रीवास्तव को राष्ट्रपति द्वारा 1-2-75 से 28-2-75 तक की ग्रातिरिक्त भ्रवधि के लिए भ्रथवा भ्रागमी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग भ्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं०ए० 32014/1/75-प्रशा०-III----इस कार्यालय की श्रधि-सूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रशा० III-दिनांकः 13-12-75 के श्रनुक्रम में संघ लोक सेवा ग्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा ,1-3-75 से 30-4-75 तक की ग्रतिरिक्त श्रवधि के लिए श्रथवा श्रामामी श्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग ग्रधि-कारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा०-III-इस कार्यालय की प्रधि-सूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III दिनांक 5-3-75 के प्रनुकम में संघ लोक सेवा भ्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्त को राष्ट्रपति द्वारा 1-3-75 से 30-4-75 तक की श्रतिरिक्त भ्रवधि के लिए भ्रयवा भ्रागामी भ्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जातां है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशासन-III-संय लोक सेवा ग्रायोम में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० श्रार० बसरा को राष्ट्रपति द्वारा 3-3-75 से 27-3-75 तक की 25 दिन की ग्रवधि के लिए श्रथना श्रागामी भादेशों तक, जो भी पहले हो उक्त सेवा के श्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

स० ए० 32014/1/75-प्रशा०-III-संघ लोक सेवा भ्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 17-3-75 से 31-5-75 तक की भ्रवधि के लिए भ्रथवा ध्रागामी भ्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग भ्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

स० ए० 32014/1/75-प्रशा०-III-संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिचवानय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० श्रार० बसरा को राष्ट्रपति द्वारा 29-3-75 से 17-5-75 तक की श्रवधि के लिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उबत सेवा कि अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रणा-III—संघ लोक सेवा भ्रायोग में केन्द्रीय सिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 24-3-75 से 14-6-75 तक की भ्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी भ्रादेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

स० ए० 32014/1/75-प्रणासन-III—इस कार्यालय की अधिस्चना सं० ए० 32014/1/74-प्रणा० III दिनांक 5-3-75 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय मिचवालय सेवा मंवर्ग के स्थायी सहायक श्री योगिन्दर नाथ को राष्ट्रपति द्वारा 1-3-75 में 31-5-75 तक की श्रतिरिक्त श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं०ए० 32014/1/74-प्रणा०-111—इस कार्यालय की श्रिधि-सूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रणा०-III दिनांक 5-3-75 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय मेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को राष्ट्रपति द्वारा 1-3-75 से 15-3-75 तक की श्रातिरिक्त श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रावेणों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/74-प्रणा०-111—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रणा०-111 दिनांक 5-3-75 के प्रमुक्तम में संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० गुष्त को राष्ट्रपति द्वारा 1-3-75 से 9-5-75 तक की प्रतिरिक्त ग्रवधि के लिए प्रथवा श्रागमी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रमा०-111--संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगमेश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 3-3-75 से 2-6-75 तक 92 दिन की ग्रवधि के लिए अथवा श्रागामी श्रादेश तक, जो पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

#### विनांक 12 मई 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रणा०-1-संघ लोक मेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रंड के स्थायी श्रधिकारी श्री बी० एन० एड्डी को, राष्ट्रपति द्वारा 14-3-75 से 13-6-1975 तक तीन मास की श्रवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के श्राने तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रंड में स्थानापश्च रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-1—सघ लोक सेवा श्रायोग क्रिकेन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड के स्थायी श्रधिकारी श्री टी० एन० चन्ना को राष्ट्रपति द्वारा 14-3-75 से 9-5-75 तक के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—सघ लोक सेवा स्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग ग्रधिकारी ग्रेड के स्थायी ग्रधिकारी श्री ग्रार० पी० सतकर्तारिया को, राष्ट्रपति द्वारा 1-3-75 से 30-4-75 तक 2 मास की भ्रवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०I — संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड की स्थायी ग्रधिकारी कुमारी एस० टी० केसवानी को, राष्ट्रपति द्वारा 3-3-1975 से 9-3-1975 तक 7 दिन की श्रवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए ग्नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी, ग्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी)

# मंत्रिमंड़ल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 ग्रप्रैल 1975

सं० ए०-20014/13/75-प्रशा०-I—पुलिस उप-महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा सर्व श्री राजेन्द्र प्रसाद तथा जी० एस० चौहान पुलिस उप-निरीक्षक (बम्बई शाखा) की उनकी प्रोन्नति होने पर, दिनाक 18-3-1975 (ग्रपराह्न) से ग्रगले ग्रादेश तक के लिथे केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, बम्बई शाखा मे ग्रस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

> गुलजारी लाल अग्रवाल, प्रशासन अधिकारी (स्था०) कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना

# नई दिल्ली दिनांक 28 अप्रैल 1975

सं० पी० एफ०/एच०-56/70-प्रशा-I---निवर्तन की स्रायु प्राप्त कर लेने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रति नियुक्त पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के ऋधिकारी श्री एच० एन० पाल को दिनाक 16-2-1975 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता में श्रयने पद के कार्य भार से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें दिनांक 16-2-1975 से 107 दिन की अस्वीकृत छुट्टी प्राप्य होगी।

सं० ग्रार० 12/72-प्रशासन-5—राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना मे प्रतिनियुक्त श्री ग्रार० शेखर, भारतीय पुलिस सेवा (राजस्थान) को दिनाक 7-4-1975 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेश तक के लिए ग्रस्थायी रूवें से स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय ग्रम्वेषण ब्येष्टी! विशेष पुलिस स्थापना, नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 1 मई 1975

सं० ए०-20023/2/75-प्रशासन-5—पुलिस उप-महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा श्री जयदेव प्रसाद को दिनांक 29 मार्च, 1975 के पूर्वाह्व से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अम्बाला शाखा, के रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनाक 3 मई 1975

सं० ए० 19036/7/75-प्रशासन-5--निदेशक, केन्द्रीय अण्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक वि० पु० स्थापमा, एत्स्र्र्य द्वारा, श्री वी० ग्रार० नवाठे, स्थायी पुलिस निरीक्षक, के॰ अन्वेशण ब्यूरो/ग्राधिक ग्रपराध सकंध बम्बई को दिनाक 19-4-75 (पूर्वाह्म)। से अगले ग्रादेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेशण ब्यूरो/विशेष मुलिस स्थापना मे स्थानापन्न पुलिस उप-ग्रधीक्षक के रूप मे नियुक्त करते; हैं।

# दिनांक 6 मई 1975

सं० ए० 19021/5/75-प्रशासन-5--राष्ट्रपति अनि प्रसाद से केरल संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्रीग्राम्ड० पद्मनाभन को प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 10-4-19 के के पूर्विक से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना मे पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनाक 15 मई 1975

सं० ए०-9/65-प्रशासन-5—स्थानान्तरण हो जानें पूर, श्री'ए० सी० दास, पुलिस उप-ग्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, रांची ने दिनांक 28-2-1975 के ग्रपराह्म में ग्रपने पद का कार्य-भार त्याग दिया।

श्री ए० सी० दास, पुलिस उप-ग्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषक ब्यूरो ने दिनांक 13-3-1975 के पूर्वाह्न में पुलिस उप-ग्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यरो, सी० ग्राई० ए० (II), नई दिल्ली के पद का कार्य-भार सम्भाला।

> गुलजारी साजग्रामयात प्रशासन म्रधिकारी (स्था०)

# प्रवर्तन निदेशालय नियुक्ति

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1975

फा०सं० ए०-11/3/75—श्री स्रार० एस० पाठक, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क स्रहमदाबाद को प्रवर्तन निरेशालय के स्रागरा उप-क्षेत्रीय कार्यालय मे दिनाक 25-3-1975 (पूर्वाह्न) से स्राले स्रादेशों तक के लिए प्रवर्तन स्रधिकारी के पद पर स्थानायन रूप से नियुक्त किया जाता है।

# दिनांक 19 ग्रप्रैल 1975

फा॰ सं॰ ए॰-11/4/75—श्री जयन्ती प्रसाद, पुलिस निरीक्षक, दिल्ली को प्रवर्तन निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में प्रति-निप्रूक्ति पर दिनाक, 4-4-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में निग्रुक्त किया जाता है।

न्पेन बक्षी, उप-निदेंशक

# (गृह मंत्रालय)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा वल नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 ग्रप्रैल 1975

सं० ई॰-17017/6/74-प्रशा॰ I-राष्ट्रपति, केन्द्रीय मौद्योगिक सुरक्षा वल अधिनियम, 1968 की धारा 4 की उपधारा (1) के अनुसार श्री एस॰ श्री॰ वाग, श्रीम्शमन अधिकारी, मिश्रधातु इस्पात संयम्त्र, दुर्गापुर, को दिनांक 23 मार्च, 1975 से आनासी आदिश जारी होने तक के॰ श्रौ॰ सु॰ व॰ मिश्रधातु इस्पात संयम्त्र, दुर्गापुर का पदन-सहायक कमाँडेंट नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक अप्रैल 1975

सं० ई०16014(1)/2/74 प्रशा०—बिहार राज्य पुलिस से स्थानांतरित होने पर, श्री बिजय सिन्हा ने दिनांक 15 प्रप्रैला 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रीकोगिक सुरक्षा बल, भारत क्षेत्रिंग कोल लिमिटेड, झरिया, के कमांडेंट पर का कार्यभार सम्भाव लिया।

#### दिनांक 5 मई 1975

सं० ई०-38013(3)/1/75-प्रशा०I—बी० सी० सी० एल०, झरिया को स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० चड्ढा ने, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1975 के ग्रपराह्न से, केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई, के सहायक कर्माडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

#### दिनांक 7 मई 1975

सं० ई० 38013(3)/1/75-प्रशा० I—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० चड्ढा ने दिनांक 18 अप्रैल 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत कोर्किंग कोल लिमिटेड, झरिया, के सहायक कमाडेंट पद का कार्य-भार सम्भाल लिया।

एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

# सरदार वल्लबभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस स्रकादमी

हैदराबाद, दिनाक 1975

सं० 41/12/70-स्थापना—सीमा सुरक्षा दल में उप महा-निरीक्षक के पद के चयन के फलस्वरूप मध्य प्रदेश कैंडर के भारतीय पुलिस सेवा ग्रधिकारी श्री ए० ए० ग्रली ने, सरदार वल्लबभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस ग्रकादमी, हैदराबाद के सहायक निदेशक के पद का कार्यभार 19-4-1975 के ग्रमराह्न को सौंपा।

> हरपाल सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)

# महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनांक अप्रैल 1975

सं एफ 3/22/74-ईस्ट (सी० ग्रार० पी० एफ०)—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक कमान्डेंटों को उनकी तदर्थ पदोन्नित के फलस्वरूप ग्रामामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस फोर्स में कमान्डेंट के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।
2. इन ग्रिक्षिकारियों के पद स्थापन स्थान ग्रीर उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई है:—

सं० नं० / ≒नाम •			पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार छोड़ा	पद छोड़ने की तिथि	पद तथा बटालियन जिसका कार्यभार सम्भाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1 2			3	4	5	6
1. श्री एत० एस० ठाकरे		•	सहायक कमान्डेंट ग्रुप सेन्टर पूना	5-2-1975 (ग्रपराह्न)	कमान्डेंट 42 बटालियन	15-2-1975 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० के० मुकर्जी	•	•	सहायक कमान्डेट 27 बटालियन	ो 2-3-1975 (पूर्वाह्म)	कमान्डेंट 26 बटा <del>लि</del> यन	14-3-1975 (ग्रपराह्न)
3. श्री एम० एम० खान	; ·	•	सहायक कमान्डेंट जे० ए०डी० (पी०) महानिदेशालय		कमान्डेंट 15 बटालियन	1-3-1975 (पूर्वाह्न)
4. श्री ग्रार० एस० गील	*	•	सहायेक् कमान्डेट 11 बटालियन	15-3-1975 (ग्रपराह्न)	कमान्डेंट 14 बटालियन	16-3-1975 (ग्रपराह्न)
5 <sub>म श्र</sub> भी समर्ण सिह् .		٠	सहायक कमान्डेट/वाईस प्रिन- सिपल ग्रार० टी०सी० I	24-3-1975 (पूर्वाह्म)	कमान्डेंट 22 बटा <b>लियन</b>	5-4-1975 (पूर्वाह्म)
6. श्री एस० बी० लाल	<b>.</b>	•	सहायक समान्डेंट 3 शिगमल बटालियन	14-3-1975 (भ्रपराह्न)	कमान्डेंट 2 सिगनल बटालिय	21-3-1975

एस० एन० मायुर, सहायक निदेशक (प्रकासन)

#### प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख 21-10-1974

सं० भ्रार० ए० सी० 36/74-75 यतः मुझे एस० बाल सुव्रमण्यम् आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है ) की धारा 269 व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है भौर जिसकी सं० 1-7-10 बकारा है, जो मुशीराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज स्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 30-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

का प्रवासत सन्नात के उपनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रिधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रर्थात्:—

- श्री मीर लियाखन ग्रली खान पुत्र मीर श्रह्यमद अली खान ग्रीर श्रन्य छः ब्यक्ति 10-2-287 शान्तीनगर, हैदाबाद (अन्तरक)
- 2. श्री एन० जयऋग्ना पुत्र एन० टी० रामाराव अन्य सात ब्यिक्त या 4-1-427 है ट्रुप बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति:— "डोन्नी बुक" नमक पूरी मकान श्रौर नौकरों के मकानात श्रौर श्रन्य खुली जमीन जो पूरब की नजीक दिवार से धिरा हुश्रा है जिसका कुल क्षेत्रफल 6829.285 वर्ग मीटर्स है जिसका नगर नं० 1-7-10 जो बकाराम मुशीराबाद हैदराबाद में स्थित है।

> एस० बाल सुक्रमण्यिम् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख:-- 21-10-74

मोहर:---

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

मायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8-10-74

निर्देश सं० भ्रर्जन/180/कानपुर 1864 यतः मुझे बाई० खोखर 1961 ग्रायकर ग्रधिनियम, (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जचित बाजार मूल्य 2.5,000/- रु० से प्रधिक .है श्रौर जिसकी सं० 122-/236 है जो फमलगंज, कानपुर में स्थित है ( स्रौर इससे उपबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 16-8-74 सम्पत्ति के को पूर्वीक्त उचित बाजार मृत्य दृश्यमान प्रतिफल के से कम लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (घन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

- श्री गंगाप्रसाद जायसवाल वल्द बहार्दुर राम साह सािकन 85/40 कीपर गंज, कानपुर (ग्रन्ता)
- 2. श्री यणपाल सिंह जसबीर सिंह, व प्रीतम सिंह (श्रन्तरिती) वल्द स० ज्ञान सिंह व श्रीमती सुमित्ना देवी पत्नी स० ज्ञान सिंह साकिन 105/702 ग्रानन्दबाग, कानपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पक्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, म्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जी उक्त अधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जायदाय नं ० 122/236 ई० जिसका क्षेत्रफल 1260 वर्ग गज है, जोकि फमलगंज कानपुर में स्थित है जिसका हस्तान्तरण 31500/- में हुग्रा।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखः—- 8- 1 0- 7 4 मोहरः— प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्तूबर 1974

निर्देश सं० भ्रर्जन/मु० नगर/74-75/1894/180---यत :, मुझे, बाई० खोखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फर नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 12-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

 ला० हरीराज स्वरूप पुत्र ला० सुखावीर सिन्हा, रामबाग, मुजफ्फ नगर।

(ग्रन्तरक)

 मैससं स्वरूप वेजिटेबिल प्राडक्ट्स इण्ड्स्ट्रीज लि०, मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग सेक्रेट्री।
 (श्रन्तरिती)

#### करायेदार:---

- 3. मुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फर नगर।
  - (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
  - (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
  - (3) श्री श्रोमप्रकाश पुत्र श्री हँसराज,
  - (4) श्री हंस राज बोधराज,
  - (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम
  - (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
  - (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुग्राराम,
  - (8) श्री श्रोमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
  - (9) श्री टेंक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरूदत्तमल.
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री ग्रफजल ग्रहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री ग्राशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री ग्रब्दुल रहमान पुत्र श्री ग्रब्दुल ग्रजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड द्वारा श्री श्रह्म स्वरूप चेयरमैन, मुजफ्फरनगर। (वह व्यक्ति जिनके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

# 4. सह स्वामी:--

मुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजक्फरनगर। श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत), श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत), श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार), श्री ग्रहण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार), श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरी राज स्वरूप, श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत), श्रीमती ज्योत्ज्ना स्वरूप (व्यक्तिगत), श्री गोबिन्द स्वरूप (व्यक्तिगत), श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दु संयुक्त परिवार), श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार), श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भ्रवल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फर नगर, उ० प्र० नाम से प्रचलित है, का विवरण :---

- ए० -- (1) एक मंजिला और कुछ भाग मे दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला भ्रादि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।
  - (2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।
  - (3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें
- बी॰ --- (1) एक मंजिला पक्का कचहरी पोस्ट भाफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।
  - (2) 175 वर्ग गज में कचहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।
  - (3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।
  - (4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है:---

उत्तर ः भोपा रोड ।

ः स्टेशन रोड श्रादि। दक्षिण

पूर्व ः जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैन्ड मादि। कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

- (1) ग्राउन्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट। अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।
- (2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें श्रीर पोस्ट श्राफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला हैं।

जिसका हस्सान्तरण ६० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, कानपूर।

दिनांक: 10-10-1974

मोहरः

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कार्यालय, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्तूबर 1974

निर्देश सं० प्रर्जन/मु० नगर/ ७४-७ 5/ १७८/ १८९६---यतः, मझे, वाई० खोखर, भायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जो सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 12-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरिसियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल उद्देश्य से उम्त अन्तरण लिखित में निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (♥) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणमें, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अ्यिक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती बिद्यावती स्वरुप, पत्नी लाला हरिराम स्वरुप राम बाग, मुजफ्फरनगर।
  - (अन्सरक)
- 2. मैंसर्स स्वरूप वेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रींज लि॰, मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री ध्याम सुन्दर गर्ग सेक्रेट्री। (श्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है ) (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है )

# किरायेदार:---

मुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर-

- (1) श्री खेला राम पुत्र श्री भोगा राम,
- (2) श्री लाल चन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री भ्रोमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुन्नाराम,
- (8) श्री म्रोमप्रकाश पुत्न श्री भोगाराम,
- (9) श्री टेकचन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुस्दत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्न श्री भिव चरन दास,
- (13) श्री गामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री ग्रफजल ग्रहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुक्ष श्री ग्राशाराम,
- (17) श्री राम मोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाय,
- (20) श्री ग्रब्दुल रहमान पुत्र श्री ग्रब्दुल ग्रजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड द्वारा श्री श्रह्म स्वरूप चेयरमैन, मुजफ्फरनगर।

#### सह स्वामी

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर--

श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत)

श्री माधव कूमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री ग्रन्ण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्ष्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोबिन्द स्वरूप (ब्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप, (हिन्दू संयुक्त परिवार)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्न के प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पादीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर उ०प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण:—

- ए॰ (1) एक मंजिला श्रौर कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला श्रादि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।
- (2) 6 बीघा में फलों का बान या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।
  - (3) दूसरी खोतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।
- बी०(1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट श्राफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।
  - (2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट श्राफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।
  - (3) 260 **वर्ग गज में**, रेलवे स्टे**शन रोड पर 16** (सोलह) लकड़ी के स्टाल।
  - (4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कूल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :---

उत्तर : भोषा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड भ्रादि।

पूर्वं : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैण्ड झादि। कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

- (1) ग्राउण्ड प्लोर 15,859 वर्ग फीट। अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।
- (2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें श्रीर पोस्ट ग्राफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला हैं।

जिसका हस्तान्तरण ६० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर।

विनांकः 10 अक्तूबर 1974।

प्रकप आई० टी० एन• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्तूबर 1974

निर्देश सं० ग्रर्जन/मु०नगर/74-75/178/1895—यतः, मुझे, वाई० खोखर, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक हैं जो सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रंनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण ग्रिधकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 12-9-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ऊक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 अरुन कुमार स्थरूप पुत्र लाला हरिराम स्वरूप रामबाग मुजफ्फर नगर

(मन्तरक)

- 2. मैसर्स स्वरूप वेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री क्याम सुन्दर गर्ग सेकेट्री । (ग्रन्तरिती)
  - 3. (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

किरायेवार:---

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9व सिविल लाइन, मुजपफरनगर।

- (1) श्री खेला राम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लाल चन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री भ्रोमप्रकाश पुल श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुमाराम,
- (8) श्री ग्रॉमिप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेकचन्द्र पुन्न श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुक्ष श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री ग्रफजल ग्रहमव नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री ग्राशाराम,
- (17) श्री राम मोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पौस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री ग्रन्दुल रहमान पुत्र श्री ग्रन्दुल ग्रजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्न 'लिमिटेड द्वारा श्रीब्रह्म स्वरूप चेयरमैन, मुज्ज गर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड है)

4. सह स्वामी:

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजपफरनगर। श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री ग्ररूण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयत्त परिवार)

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरी राज स्वरूप,

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्ष्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विश्व की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिमा-वित्व हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर, उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण:—

- ए० (1) एक मंजिला धौर कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला श्रादि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।
  - (2) 6 बीधा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भृमि में 495 पेड़।
  - (3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।
- बी॰ (1) एक मंजिला पक्का कचहरी पोस्ट ग्राफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।
  - (2) 175 वर्ग गज में कचहरी पोस्ट श्राफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।
  - (3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।
  - (4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है:---

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड भ्रादि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पिष्चम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैन्ड भ्रादि। कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

- (1) ग्राउन्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।श्रपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।
- (2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें श्रीर पोस्ट श्राफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण ६० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-10-1974।

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्तूबर 1974

निर्देश स० ग्रर्जन/मु० नगर/74-75/177/1893—यत:, मुझे, वाई० खोखर, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा 269-ख के ग्रद्यीम सक्षम गयाहै) की धारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से अधिक है जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुजपफरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 12 सितम्बर, 1974 सम्पत्ति के उचित को पूर्वीक्त बाजार के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्प्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्वः) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम,

या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

म्रतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की अभ्धारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री माधव कुमार स्वरूप पुत्र लाला हरि राज स्वरूप रामबाग मुजपफरनगर ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स स्थरूप वेजिटेबल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री ग्याम सुन्दर गर्ग सेक्रेट्री। (श्रन्तरिती)

(बह व्यक्ति जिनके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

#### किरायेवार:

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री श्रोमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुग्राराम,
- (8) श्री श्रोमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री टेंक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरूदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री श्रफजल श्रहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री ग्राशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्त्र
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मवनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री ग्रब्दुल रहमान पुत्र श्री ग्रब्दुल ग्रजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्रीब्रह्म स्वरूप चेयरमैन, मुजफ्फरनगर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोह्नस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

### सह स्वामी:

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप.

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योरूना स्बद्ध्य (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (ब्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप, (हिन्दु संयुक्त परिवार)

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध ,बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिकाखित हैं, वही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर उ०प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण:—

- ए॰ (1) एक मंजिला भ्रौर कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला भ्रादि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।
- (2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गर्ज भूमि में 495 पेड़ा।
  - (3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।
- बी०(1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट धाफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।
  - (2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट भ्राफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।
  - (3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।
  - (4) णेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,575 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है:---

उत्तर : भोपा रोड ।

वक्षिण : स्टेशन रोड ग्रादि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पिष्वम : वर्ष रोड, जानसठ बस स्टैण्ड म्नावि। कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

- (1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट। अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।
- (2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें श्रौर पोस्ट ग्राफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-10-1974

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण

श्रर्जन रेंज का कार्यालय

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० 182/ग्रर्जन/कानपुर/74-75/1871---यतः मुझे, वाई० खोखर ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख

के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7/150 ए० है जो स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के 19-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभित वाजार मल्य से कम के दुक्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित **की गई है औ**र मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐके अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से जनत अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बबा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :-

- 1. श्री विनोद कुमार अग्रवाल और ग्रशोक कुमार श्रग्रवाल 7/150 बी० स्वरूप नगर, कानपुर (अन्तरक)
- 2. श्री ग्रानन्द कुमार ग्रग्नवाल दिलीप कुमार ग्रग्नवाल बसंत कुमार श्रग्नवाल व लिलितकुमार ग्रग्नवाल, 58/46 विरहाना रोड़, कानपुर, (अन्तरिती)
- 3. मैंसर्स सीताराम श्री निवास 7/150्ए० स्वरूप नगर कानपुर।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशम की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जी उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति नं० 7/150 ए० स्थित स्वरूप नगर कानपुर जिसका **ह**स्सान्तरण 1,25,000/- में किया गया ।

> वाई० खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-10-74

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० ---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 ग्रप्रैल 1974

निर्देश सं० टी ग्रार-311/ सी०-298/कल०-2/74-75 ग्रतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती शायकर प्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिल, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 30, (सामने की भाग) है तथा जो सर्कस ऐवेन्यू कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्य प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1909 के 16) के ग्रधीन 26-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अपित:— ा. श्रीमती सलमा खातून

(भ्रन्तर🗱)

2. श्रीमती नईमा मोमन

(भ्रन्तरिती)

3. श्री सी० जे० कीट (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

30 नम्बर, सर्वस एवेन्यू कलकत्ता का सामने का भाग जिसका क्षेत्रफल 3 कट्टा है।

> एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रंज 1, कलकत्ता

तारीख: 28-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) बंगलूर, दिनांक 21 श्रप्रैल 1975

निर्देश स० सी० भ्रार० 62/2826/74=75 यतः मुझे श्रार० ऋष्णमूर्ति

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12 पुराना नं० 850 पार्क हीज मिर्जा रोड़, नजरबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3-96GU/75

- श्रीमती तिपुर मुन्दरग्रम्मा व प्रवन्न ट्रस्ट जगन मोहन व्यालस, मैसूर-द्वारा (1) तिपुरसुन्दरग्रम्मल श्रवरू (2) युवराज श्रीकान्त दत्त नरसिन्हराज बिडयार (3) एच० एन० पोलगर (ग्रन्तरक)
- 2. (1) बी० एस० सोमसेखरथ्या (2) एम० बी० राजेश्ररी टेम्पल वय्, 65, II स्टेज, जयलक्ष्मीपुरम मैसूर-2। (श्रन्तरिती)
- प्रैजिडेन्ट, II एर फोर्म मेले क्शन बोर्डसम्मर ब्याकर रोड़, मैसूर ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति 'पार्क हौज' नं० 850 (नथा नं० 12), मिर्जा रोड़, नजरबाद मोहल्ला, मैसूर, क्षेत्रफल 12100 वर्ग गज सीमा:--

उत्तर:-- मिरजा रोड़ दक्षिण:-- लोकरजन महल रोड़ पूर्व:-- महाराजकुमारी विसालाक्षीदेवी श्रवरू ट्रस्ट की जमीन पश्चिमी:-- हेय एन० पालेगार की रिक्त भूमि दस्तावेज नं० 1942/74-75 ता० 14-8-1974

ग्रार० किष्णामूर्ति, सक्षम प्रायधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीखा: 21-4-75

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 भ्रप्रैल, 1975

निर्देश सं० सि० ग्रार 62/2871/74:75—यतः मुझे श्रार० कृष्णामृति ग्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० से अधिक है

स्नौर जिसकी सं० 11 है, जो पुट्टम्न लेन, पोलिस रोड क्रास, 18 डिबीजन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) दस्तावेज नं० 2123 के श्रधीन 12-8-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा वे लिए।

श्रतः अव उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री जी० पुट्टननजप्पा और भी० लीलावतस्मा 31, 36 क्रीन VIII ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11। (भ्रन्तरक)
- श्री एन० गोविन्दराजुलु नायडू पुत्र लेट, नरिसम्हलु नायडु, 889, चिदम्बरम मुदलियार लेन, जाली मोहल्ला
- (1) श्रार० चिन्नस्वामी (2) रतनलाल नरोत्तमदाम (3) जनार्धन नायडु (4) एस० एम०जयराम (5) रनगनाथन (6) टी० रामकृष्ण (7) कपिलस्वामी छेट्टियार (8) एन० एम० लक्ष्मी नारायण नायडु । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 11, पुट्टन्ना लेन, पोलिस रोड क्राम, 18 डिबीजन, बैंगलूर सिटी।

दस्तावेज नं 2123/74-75 ता० 12-8-74।

श्रार० कृष्णामूर्ति सक्षम ग्राधिकारी

तारीखः: 21-4-75 सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: ग्रर्जन रेन्ज, बंगलूर

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बैंगलूर बैंगलुर, दिनांक 21 श्रद्रैल 1975

निर्देश सं० सि० घ्रार० 62/2876/74-75—यतः मुझे ग्रार० कृष्णम्ति

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सैट नं० 16 नया नं० 12 II मेन रोड, सदाशिव-नगर, बैंगलूर-6 डिवीजन नं० 45 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगल्र में भारतीय रजिस्दीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दस्तावेज नं० 2254 दिनांक 21-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार दुश्यमान प्रतिफल मुल्य के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव उक्त ग्रधिनयिम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनयिम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , श्रर्थात्ः- श्री जोशिम प्रालवा
 28, राजेन्द्र प्रसाद मार्ग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
 श्री नारायण बी० शिनडे (ग्रन्तिरती)
 208, त्रपर ब्यालस फ्रारचर्ड, स्थानकी रोड, बैंगलूर-6।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सैंट नं० 12, अभिन रोड, सदासिवनगर, बैंगलूर-6 । डिवीजन नं० 45 ।

क्षेत्रफल पू० प०  $25' \times 30$  द०  $120' \Rightarrow 3000$  वर्ग फीट सीमा

. उत्तर : II मेन रोड, (स्थानकी रोड) सदासिवनगर

दक्षिण: सैंट नं० 49 पूर्व: सैंट नं० 16

पश्चिम : सैट नं० 15

दस्तावेज नं ० 2254/74-75 ता ० दिनांक 21-8-74

आर० कृष्णमूर्ति, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 21-4-75 मोहर: प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्र, दिनाक 21 श्रप्रैल, 1975

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/2881/74-75—यतः मुझे श्रार० कृष्णाम्ति

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है और जिसकी सं० 67 (श्रव 67/1) है, जो के० जी० वैदरहल्ली, बैंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गाधीनगर, बैंगलूर भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधफ है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के धधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

मतः, मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं उक्त म्रधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-

- 1. मैसर्स हजारीमल मुलतानमल भागीदार (1) हच समझूत राज (2) सि० सिरेमल (3) श्रीमती सुनदरबाई, 59, पुलवार काइल स्ट्रीट श्रशोक नगर, मैगलूर-25 (श्रन्तरक)
- श्री ग्रार० नारायनप्पा सन/ग्राफ राजप्पा 24, I क्रास, राजप्पा ब्लाक मुनिरेड्डिपालयम, बैंगलूर-6 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

रिक्त भूमि सर्वे० न० 67 (नया नं० 67/1) के० जी० बैदरहल्ली, बैंगलूर-6, क्षेत्रफल 1 एकड़  $15\frac{1}{2}$  गुन्टे दस्तावेज नं० 2281/74-75 ता० 22-8-74

श्रार० कृष्णामूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज बैंगलुर,

तारीख: 21-4-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

# भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगल्र, दिनांक 21 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० सी० श्रार० 62/2882/74-75—यतः मुझे श्रार० कृष्णमूर्ति

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिधिक है भीर जिसकी सं० 67 (नया नं० 67/1) है, जो के० जी० वैदरहल्ली, बैंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण 'रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 2282 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 22-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- हजारीमल मुलतानमल भागीदार (1) हेय समपतराज
   (2) सि० सिरेमल (3) सुनदर बाई, 59, पुलयार काइस
   स्ट्रीट, ग्रशोकनगर, बैंगलूर-25 (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रार० सोन्नप्पा सन/ग्राफ राजप्पा 24, 1 न्नास, राजप्पा ब्लाक मुनिरेड्डिपालयम, बैंगलूर-6 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनसूची

रिक्त भूमि सर्वे० नं० 67 (नया नं० 67/1) के० जी० वैवरहल्ली, बैंगलूर-6, 1 एकर 15/1/2 गुन्टे । दस्तावेज नं० 2282/74-75 ता० 22-8-74

श्रार० कृष्णमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगलूर,

तारीख: 21-4-1975

प्रस्प आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बैंगलूर बैंगल्र, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश सं० सि० म्रार० 62/2922/74-75— यतः ते. भ्रार० कष्णमति

मुझे, भ्रार० कृष्णमृति ग्रधिनियम, 1961 (1961 ,का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है और जिसकी सं० 24 पूराना नं० 1319/6 ईस्टर्न एक्सटे-नशन , नजरबाद है, जो मोहल्ला , मैसूर सिटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैंसूर दस्तावेज नं० 2130 में भारतीय रजिस्दीकरण ब्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 11-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त धिधिनियम,' की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निखित व्यक्तियों अर्थातु:—-

- (1) एच, एच, महारानी लक्ष्मश्नी भ्रवष्ट एजुकेशनल इस्ट -द्वारा सिरदार एम० चेलुवा भ्रर्स, दी या-लस, मैसूर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एम० बी० रमेश सपुत्र सी० बसवराज श्रर्स स्वामी चामुन्डी मोटार सर्विस, चन्द्रगुप्त रोड, मैसूर (श्रन्तरिती)
- (3) एम० एस० बेदी (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 24 (पृराना नं० 1319/6), इस्टर्न, एक्सटेनणन , नजरबाद मोहल्ला, मैसूर सिटी। क्षेत्रफल 16819 वर्गगज श्रथवा  $3\frac{1}{2}$  एकड़ दस्तावेज नं० 2130/74-75 ता० 11-9-1974

श्रार० क्रुडणमूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बैंगलुर

तारीख : 21-4-75

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बगलूर

बंगलर, दिनांक 21 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० सि० स्त्रार० 62/ 2943/ 74- 75—— यतः, मुझो, श्रार० ऋष्णमूर्ति

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है)

की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है
जिसकी सं० 21 पुराना नं. 281 (281/2) है, जो
IV मैन रोड, केम्पागोडानगर बंगलूर डिविजन नं० 30 मे
स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण ध्य से
बाँणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि
बैंगलूर दस्तावेज नं० 2511/74-75 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,
तारीख 29-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अबधारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनयिम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों , अर्थात् :--

(1) राजम्मा पत्नी लेट एम० भोजराजुलु नायः। 440, मिडल स्कूल रोड, वि० वि० पुरम, तैंग-लूर-4 (श्रन्तरक) (2) श्री के०बी० नारायण सेट्री सपुत्र लेट वेजकटन्ना नं० 7, गुत्रमन्था लेन, श्रक्किपेट क्रास, वैंग-लूर -2 (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 21 पुराना नं० 281 (281/2) IV मैन रोड, केमपेगौडानगर, बैंगलूर, डिविजन नं० 30 क्षेत्रफल  $46'\times50'$ --2300 वर्गफीट दस्तावेज नं० 2511 /74-75 ता० 29-8-74

श्रार० किष्णामूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बैंगलुर

तारीख: 21-4-75

मोहर:

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -V कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 28 श्रप्रैल 1975

निदेण स० ए सी - 1 / एकवी रे० V/कल/ 75-76 --- स्रत: मुझे, एम० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' महा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो मौजा सिजेबेरिया परगना-बिलया थाना-उनबेरिया जिला हावड़ा में स्थित है (ग्रीइ इसरो उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिज-स्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्रैस (नार्थ

कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) मैंसर्स मुफतलाल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड भ्रसरवो रोड, श्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स न्यू गुजरात काटन मिल्स लिमिटेड 16 ए, कोबर्न रोड, कलकत्ता-1 (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, केअध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुधी

करीब 31.35 एकड़ जमीन साथ मकानादि शेडस, बहि: घर म्रादि, गुदामघर श्रीर भ्रन्यान्य स्द्राकचार, जेटि, ग्रीर उस जमीन पर श्रवस्थित समुचा प्लाट, मेशिनारी जो बनाया या लगाया हुआ, जो 'गगनभाई जुट मिल्स' नाम से परिचित है श्रीर जो सब मौजा सिजबेड़िया, पर-

गपा -विष्तिया, थाना भ्रौर सबरिजस्ट्री उलुबेडिया, किला हावड़ा, पश्चिमी बंगाल में भ्रवस्थित निम्निलिखित दाग भ्रौर खितयान सं० द्वारा विणित हुआ :---

खाति सं०	दाग सं०	खाति सं०	दाग सं०
287	1590	588	1642
288	1594		1576
200	1004	11	
292	1.000	11	1578
	1623		1572
585	1673	,, 15	73/1671
	1629	"	1599
318	1598		
586	1567	11	1701
11	1568	326 15	75/1670
"	1569	484 15	67/1667
11	1570	,, 16	29/1668
7.9	1571	,, 15	85/1669
11	1574	11	1628
11	1630	,, 16	67/1700
"	1599/1672	446 16	87/1695
11	1567/1674	11 16	68/1696
11	1630/1675	,,	1566
11	1642/1676	325	1575
3.7	1645/1694	325/6	1577
587	1631	325/2	1600
11	1639	580	1620
33	1641	73	1624
17	1567/1673	327	1638
588	1636	514 15	67/1699
"	1640		-
C	_	-	

इस विकय रजिस्ट्रार भ्राफ एसुरेन्सस कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं 1-5284/1974 का श्रनुसार है।

> एस एस० इनामदार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज V, कलकत्ता

तारीखाः 28- 4- 75

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### ारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज - 11, कलकत्ता तारीख 29- 4- 75

मझे, एस० एस० इनामदार आयकर ग्रधिनियम, 1961 ( 1961 **का 43**) (जिसे पम्चात् इसके 'उक्त श्रधिनियम' गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8/6/7 हे तथा जो भ्रलीपुर रोड में (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रजीस्द्रार श्राफ ऐणुरेसेंस में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 27-8-74 को सम्पत्ति के उचित

पु**र्वोक्**त बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) द इस्टर्न बैंक लिमिटेड, 14, नं० सुभाष रोड, (भ्रन्तरक)
- (2) दम चार्टर्ड बैंक , 4 ने स्भाष रोड, कलकत्ता (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

5.42 प्रतिशत भाग 5 बीघ। 78 कट्टा 4 छटांक 40 स्क्वे फी० सं० 8/6/7, ग्रलीपुर रोड, कलकत्ता, फ्लैंट 6 एवं 20

> एस० एस० इनामदार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) यार्जन रेज 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड. कलकसा-16

तारीख 29·4-75 मोहर:

4--96GI175

प्ररूप आई टी० एन० एस०----

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज

तारीख 26-4-75

निदेश स० ए० सि० 3/ भ्राप्ता / यःल/ ७५-७६--- श्रत मझे, एम० एस० इनामदार आगवर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपये मे अधिक हैं और जिभकी स० 48,48/1 ग्रौरवहन है तथा जो आए-भुलार गार्डस रीच रोड, मलक्ता-23, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता श्रधिभारी के कार्यालय, दि० रेजिस्ट्रार १२४, परगनीस म्रितिपूर में रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16/ के अधीन, तारीख 8- 8- 74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके कृष्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा में बास्तविक रूप से विश्वत गही विया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए गुकर बनाना,

अत. अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात '--

- (1) श्री गणेश चन्द्र साह। श्रीण बहुत 26, स्रम्य सैन न्ट्रीट, कल०-6 (अन्त्रकेत)
- (2) श्रीमती जानकी देवी केशरी-4, 48 ए, सारकुलार गार्डन रीच रोड, कल०-23, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्द्रारा कार्यवाद्दिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन का ताराख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पब्हीकरण - इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसुची

110 बीघा जिमन -सम्पत्ति न० 48, 48/1, श्रौर वर्न, मारकुलार गार्डन रीच रोड, धलकता।

ताराः 26-4-75 मोहर प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 28 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० टी ग्रार-370/सी-297/कल-2/74-75— ग्रत: मुझे, एस० के० चत्रवर्ती ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी संख्या 30 है तथा जो सर्कस एवेन्य, कलकत्ता में स्थित

न्नीर जिसकी संख्य। 30 है तथा जो सर्कस एकेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के ग्रायिलय, सियालदह में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिंघिनियम, के ध्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम याधन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः भ्रब उक्त अधिनयिम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनयिम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों , भ्रश्चीत् :--

1. श्रीमती सलमा छात्न

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती नईमा मोमन

(भ्रन्तरिती)

3. श्री गी० जें० कीट (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिशीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध भें कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

30 नम्बर, सर्कस एवेन्यू, कलकत्ता का एक भाग जिसका क्षेत्रफल 3 कट्ठा 2 छटाक वर्ग फुट है।

> एस० के० चक्रवर्ती, सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज I, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 28-4-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचमा भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर (म्रायुक्त) निरीक्षण म्रर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० 258 |एकरे 111 | 75-76 | कल--श्रतः मुझे, एल० के० बालसुत्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 230 है तथा जो ग्राचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रालपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16), के ग्रिधीन, तारीख 6-8-1974 को

पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपामें में सुविधा के सिए ।

श्रतः श्रबं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्निखिस व्यक्तियों, श्रर्थान् :---

- श्री राजेन्द्र प्रसाद श्रागरवाला (श्रन्तद्रक)
   236 श्राचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता
- 2. श्री राजकुमार रावला 8, जमादार खान लेन कलकत्ता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

करीब 6 कट्ठा 4 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया आंशिक दोतल्ला मकान का 1/4 ग्रंश जो 230 ग्राचार्य जगदीण बोस रोड, कलकत्ता पर ग्रवस्थित दक्षिन-पश्चिमाँश ग्रौर जो डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, ग्रालिपुर द्वारा रजिस्ट्रीकृता दलिल सं० 5622/1934 का ग्रनुसार है।

> एल० के० बालसुग्रमितयन सक्षम ग्रिधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज III 54 रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता 16

तारीख : 1-5-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

कलकत्ता-16, तारीख 1-5-1975

निर्देश म० 257/ एक्र्रेIII/75-76/कल  $\rightarrow$ -श्रत. मुझे, एत० के० बालमुश्रमनियन

आयकर अधिनियम, 43) इसमें इसके (जिसे 1961 (1961 का पम्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण सम्पत्ति. जिसका उचित स्थावर 25,000/-Ŧο से अधिक म्रोर जिसकी मं० 230 है तथा जो याचार्य जगदीण बोस रोड, कल० में स्थित है (अरिज्यमे उपाबद्ध अनुसूची से श्रौर पुर्ण स्प मे वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्का ऋधिकारी के कार्यालय, श्रनिपर में रजिरदीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 6-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाखत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री भवानी प्रसाद श्रागरवाला 230, श्राचार्य जगदीण बोम रोड, कलकत्ता (श्रन्तरक)
- (2) श्री राजकुमार रावला 8, जमादार खान लेन, कलकत्ता (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्णन के संबंध भें कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छटांक जिमन साथ उस पर बनाय। ग्रामिक दो तल्ला मकान 1/5 ग्रम जो 230, ग्राचार्य जगदीम वोस रोड, कलकत्ता पर ग्रब स्थित है दक्षिण पिष्चमाम ग्रीर जो डिस्ट्रकट रेजिस्ट्रार ग्रालिपुरद्वारा रेजिस्ट्रार कृत दिलल सं० 5621/1934 के श्रमुसार है।

एल० के० बालगुब्रमिनयन, सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

नारीख : 1-5-1975

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, तारीख 1/5/1975

निदेश स॰ 256/ एक्टे॰ III/75-76 कल॰--श्रनः मुझे, एल० के० बाल सुक्रमनियन श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है)। सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पति, जिसका उचित बाजार 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिसकी। स० 230 है तथा जो ग्राचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भ्रालिपुर में रजिस्दीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टयमान प्रतिफल के
लिए ध्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य
उसके वृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिष्ठात श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तिरती
(श्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित
में वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिक्षितियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रान्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---

- (!) श्री मिनय कुमार भ्रागरवाला 230 आकृष्णप्रे जगदीण बीस रोड कलकत्ता (श्रन्तरक)
- (2) श्री राजकुमार रावला 8 जमादार लेन, करकत्ता (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतव्दारा कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत'र उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छटांक जिमन साथ उस पर बनाया श्रांणिक दो तल्ला 11 मकान का 1/5 श्रंण जो 230 श्राचार्य जगदीण बोस रोड, कलकत्ता पर श्रब स्थित दक्षिण पिश्चम श्रीर जो जिस्ट्रिक रेजिस्ट्रार श्रालिपुर द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दित्तल सं० 5742 /1974 का श्रनुसार है ।

> एस० के० बालमुद्रमिनयन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रंज III 54 रफीश्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 1/5/1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I,कलकत्ता

नारीख ।/ 5/ 1975

निर्देण स० 255/ ए कुरे III/ 75-76/ कल०-प्रत: मुझे, एल० के० बालमुद्रामनियन
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास वरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित क्षाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है

जिसकी सं० 230 है तथा जा ग्राचाय जगदीण बोस रोड, कलकता में स्थित है (और इसते उपाबद अनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है, रिजस्ट्रीमित ग्रिधिकारी के वार्यालय, ग्रालिपर मे, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 6-8-1974

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिबक्ष रूप से कथित नहीं ज़िया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात —

- (1) शी लिलित मोहन , आगरधाला 236 श्राचार्य जगदीण बोग रोड, कल०। ' (अन्तरक)
  - (2) ती राजक्मार शवला 8 लमादार छान लेन कलकता-1 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्द में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की नागील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मृजना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रगुक्त कव्यों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुमूची

करीब ६ कट्टा 4 छटांकः जिमन साथ उम पर बनाया ग्राणिक दो तल्ला मकान का 1/5 अंश जो 230 श्राचार्य जगदीण बोम रोड, कलकत्ता पर ग्रवस्थित दक्षिण -पश्चिम श्रीर जो डिस्ट्रिकट रेजिस्ट्रार श्रालिपुर द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दिलल सं० 5743/1974 को श्रन्सार है।

> एल० हे० बाल सुब्रमिनयन सक्षम पाधिकारी गहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) प्रजेन रंग 111 ------54, रफीग्रहमद किंदबाई रोड, हलकसा-16

तारीख : 1/5/1975

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. . . . . म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेज, कलकत्ता

नारीख 1/5/1975

निदेश सं० 254/ एक्टे III/75-76 / कल०--- अत: मुझे, एल ० के ० बालसुष्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु० से श्रधिक है

जिसकी सं० 230 है तथा जो भ्राचार्य जगदीण बोस रोड, कल० में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, म्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर श्रन्तरक (श्रन्सरकों) भौर श्रन्तरिती (धन्सरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उपत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अत:, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अन्-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :→-

- (1) धनश्याम दास ग्रागरावाला 230 ग्राचार्य जगदीश बोस रोड, कल० (भ्रग्तं'∗क)
- (2) श्री राजक्मार रावला 8 जमादार खान लेन, (भ्रन्तरिती) कलकत्ता-1

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छटाक जिमन साथ उस पर भ्रांशिक दो तल्ला मकान का 1/5 ग्रंश जो 230 श्राचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता पर अबस्थित दक्षिण-पश्चिमांश ग्रौर जो डिस्ट्रीकृत रेजिस्ट्रार , झालिपुर द्वारा रेजिस्ट्रीकृत सं० 4357/1974 का श्रनुसार है।

> (एल० के० बालसुक्रमनियन) सक्षम श्रिधकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जनरेज III 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख: 1/5/1975

प्ररूप आई० टी• एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, अमृतसर भ्रमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1975

निर्देश सं० बी०टी०डी०/58/75-76---यतः, मुझे, वी०ग्रार० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः श्रब उक्त श्रिघिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रियीत् : 5—96 GI/75

- 1. श्री श्रंग्रेज सिंह, श्रीतम सिंह संपुत्रान श्री कृपाल सिंह वासी भटिंडा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बलदेव सिंह, सुखदेव सिंह, जगदेव सिंह, सुपुत्रान रत्न सिंह वासी बीर बहराम। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रभि-भोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो समपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3733, श्रगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 29-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस•-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ध्रमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 29 भ्रप्रैल 1975

निर्देश संव बीव टीव डीव/59/75-76---यतः, मुझे, बीव भार० सगर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) पायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अग्निक भ्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो भटिंडा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त 1974 को पुर्शोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उस बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- श्री अग्रेज शिह तथा प्रीतम सिंह सपुत्रान श्री छपालु सिंह वासी भटिंडा । (श्रन्तरक)
- रूप मिह मान तथा जगीर सिह सपुत्र उजागर सिह वासी कोटली खुर्द। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसां कि नं ० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई ध्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां, शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3732 श्रगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में है ।

> वीं० श्वार० सगर, सक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 29-4-1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

निर्देश सं० बी०टी०डी०/60/75-76--यतः, मुझे, वी० श्राप्०

श्रमृतसर, दिनांक 29 श्रश्रेल 1975

सगर
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो भटिडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, भटिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बाबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री बलदेव सिंह सपुत्र श्री गुरदयाल सिंह सुपुत्र महिन्द्र सिंह वाही खियाला कलाँ। (श्रन्तरक)
  - 2. श्री राम श्रवतार श्रग्रवाल मार्फत श्ररविंद प्रिटिंग प्रैंस, सामने हास्पिटल, भटिंडा । श्री जगदीश चन्द सपुत टेक चन्द बासी खड़ी कर्ला जिला सँगरूर । बिहारी लाल छोटू राम सपुतान राधा राम सपुत्र माधो मल तापा मँडी जिला सँगरूर । (अन्तरिती)
  - जैसाकि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
    (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
    जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45-दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3579 ग्रगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिष्ठा में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 29-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 29 श्रप्रैल 1975

सं० एफ० डी०के०/61/75-76—यतः मुझे, वी० ध्रार० सगर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ध्रौर जसकी सं० भूमि है तथा जो डोगर वस्ती, फरीदकोट में स्थित
है (ग्रौर इससे उपाबद ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से विणित है),

रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण

श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त

1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, '1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

णतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपघारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- कपूर चन्द, सोहन लाल, मोहन लाल, जोती राम सपुन्नान श्री बधायू मल, गांव श्रराईयां वाला कलौ तहसील प्रितिद-कोट । (श्रन्तरक)
- वृजेन्त्र सिंह, कुलदीप सिंह सपुत्र जगीर सिंह गांव फरीद-कोट, तहसील व जिला फरीदकोट। (भ्रन्तरिती)
- जैसाकि नं० 2 में है ।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्श्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसाकि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2133 श्रगस्त 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फरीदकोट में है।

> वी० घार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, धमृतसर

तारीख : 29-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रम्तसर, दिनांक 29 श्रप्रैल 1975

सं० एफ०डी०के०/62/75-76—स्यतः मुझे, वी० म्रार० सगर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 द० से अधिक है

श्रोर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो हरिन्द्रा नगर फरीदकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- श्री ब्रिजेन्द्र सिंह सपुत्र श्री जँगीर सिंह वासी फरीदकोट। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गुरजिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरबचन सिंह, गुरतेज सिंह, गुरबचन सिंह सपुतान श्री निहाल सिंह वासी फरीदकोट। (श्रन्तरिती)
  - जैसाकि नं० 2 मे है।
     (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त मब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2105 श्रगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में है।

> वी० भ्रार० सगरः सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 29-4-1975

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 29 घर्पेल 1975

निदेश सं० एफ० डी० के०-63/75-76---यतः मुझे बी०

आर० सगर
आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है
ग्रीर जिसकी स० भूगि जो हरिन्द्र नगर फरीदकोट में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध शनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में पर्णित हैं),

रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तिति की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तिती (ग्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया ग्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ध्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाह्निए था छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :---

- श्री बृजेन्द्र सिंह सुपुत्र जंगीर सिंह वासी फरीवकोट। (ग्रन्तरक्रै)
- 2. श्रीमती गुरजिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरबचन सिंह सुपुत्र निहाल सिंह, गुरतेज सिंह, गुरबचन सिंह सुपुतान श्री निहाल सिंह सुपुत्न श्री पोहला सिंह, फरीदकोट। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त भव्दों श्रीर पढ़ों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में विधा गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्री:कृत विलेख नं० 2117 श्रगस्त 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में है।

> वी० स्नार० सगर सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 29 प्रप्रैल 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 2 मई 1975

निदेश नं० बी० टी० डी०/72/75-76- ⊶यत: मुझे बी० श्रार० सगर

म्रायकर म्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तलबंडी साबो में स्थित है (शाँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, तलबंडी साबो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974

उचित को पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतिफल मुल्य से कम के वुश्यमान स्रिए की गई और विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में; मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत:—

- श्री भगत सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह जी० ए० श्रीमती इन्दरजीत कौर विश्वषा स०जगदीप कौर श्री शमशेर सिंह तलवंडी सात्रो ग्रीर सिमरत कौर पत्नी श्री अजीत सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह पहारे तृष्त कौर पत्नी श्री हरचरण सिंह पुत्र श्री बहल सिंह चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्री जसपाल सिंह पुत्र श्री गुरिदत्त सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह श्रात्मा सिंह, प्रताप सिंह श्रीर गुरजत सिंह गु० श्री गुरिदत्त सिंह पुत्र स० इन्दर सिंह हरिमत सिंह पुत्र श्री जगदेव सिंह पुत्र हरपाल सिंह, भगवान पुरा।
- 3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास २०-क में समाग्रास्थितिक जै

के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1521 प्रगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवंडी साबो मे लिखा है।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 2-5-75

मोहरः

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 1 भई 1975

निदेश सं० ए० एम० भ्रार०/70/75-76—-यतः मुझे वी० भ्रार० सगर भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनयिम' कहा गया है) की धारा

269-ख के ब्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ब्राधिक है

भ्रोर जिसकी सं० धरती है तथा जो उरदोरत्न में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्चा ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अन्तरण किखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रथीत् ——

- मंजर कुलदीप मिह सुपुत्न बलवन्त सिंह भ्रटारी तक्कि
   रन तारन (अन्तरक)
- 2 श्री मुखतार मिंह मुगुब श्री चंचल सिंह वासी रत्न कलां तह वरन तारन (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

# उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5395 श्रगस्त 1974 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 1-5-1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/७१/७५-७६---यतः सुक्षे बी० श्रार० सगर

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की श्रारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रुपये से अधिक है

25,000/ रुपये से अधिक हैं
और जिसकी सं अधित हैं तथा जो गांव हल्दोरत्न में स्थित हैं (भीर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अपृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाइ प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उनत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घातः—
6—96GI/75

- मेजर कुलदीय सिंह सुपुत श्री बलवन्त सिंह वासी 
  भटारी (भ्रन्तरक)
- 2. श्री किरपाल सिंह सुपुत श्री लाम सिंह नामी रतन कलां नहसील तरन तारन (ग्रन्तिरिती)
- 3. जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पक्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पक्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुत्र्ची

धरती जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 5394 श्रगस्त 1974 को रिजिस्ट्रीकेसी श्रिधकारी श्रमृतसर में लिखा।

> बी० ग्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी लहाबक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारी**य**: 1 मई 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

शायकर श्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के स्रधीत सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायु<del>न</del>त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनाक 1 मई 1975

सं० जी० बी०डी०/41/75-76—यतः मुझे बी० श्रार० सगर श्रायकर श्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिक्षक है श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति जो लम्बी रोड़ गिद्दुवाहा में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय गिद्दुवाहा रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर,

1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल ते कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि

प्रधाप्त कर पहुंचार पुन पहुंचिरकार करने का पार्व हु कि प्रधाप्त करने पहुंचिर का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, अपाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपभारा (1) के श्रधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, श्रमीत:—

- (1) मैसर्स रामनारायण शिवजी राम काटन गिनिंग मिल्स लम्बी रोड़ गिवड़वाड़ा जिला फरीदकोट माफैत जी० ऐ० श्री राम नारायण पुत्र श्री धनी राम । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री बीरबल दास मार्फत मैसर्स राम नारायण शिवजी राम कमीशन एजेन्ट्स मंडी गिदड़बाहा जिला फरीदकोट। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अश्रोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता है।

उन्स सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीश्वित्यम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही भ्रषं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसृष्

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 577 सितम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी गिवदवाहा में लिखा है।

> बी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ता**रीख**: 1 मई, 1975

नोहर:

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269- ष (1) के अधीम स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 30 अप्रल, 1975

स० 6 जी०डी०बी०/42-75-76-यत मुझे बी०ग्रार० रागर प्रधिनियम, 1961 (1961 新 (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उम्त प्रधिनियम' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी स० सम्पत्ति जो लम्बी रोड गिदडवाहा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी वे कार्यालय जिदडवाहा में रिकस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908(1908 का 16) के प्रधीन दिनाक सितम्बर, 1974

# को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति मा उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐमे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनिरम की प्रारा 26% म की उत्रधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियो अर्थान ---

- (1) ममर्स राम नारायण शिवजी राम काटन जिन्ति मिल्म लम्बी रोड, जिलाफरीदकाट द्वारा जनरल प्रटार्नीश्री रामनारायण स्पृत श्री धनी राम। (अन्तर्ह)
- 2 श्रीमती माया देवी पत्नी श्री ग्रोम प्रकाश, श्रीमती बचनी देवी पत्नी श्री देसराज मार्फन राम नारायण शिवजी राम कमीशन एजेन्टस, मण्डी गिदटबाहा जिला फरीद-कोट। (ग्रन्त(रती)
- 3 जैसाकि न० 2 मे है। (बह ब्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति ह )
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्तत्ति में र्माच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वाक्त समाति के प्रजंत के लिए कार्यबाहियां करता ह।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपल मं प्रवाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि यातत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पध्योकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदा, का जो उनत श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूर्ध।

सम्पत्ति जैमाकि राजिस्ट्रीपृत तिलेख त० 579 सित्मबर, 1974 की राजिम्हीयनी प्रधिकारी निवडवाहा मही।

> वी० ग्राम्० सगर सक्षनरी स्रधिका महायक याय हर प्राय्क्त (निरीक्षण) य्रजंन २ग, य्रमृतसर

नारीख: 30-4-75

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०———— आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए०बी०श्रार०/43/75-76~-यतः मुझे, वी० श्रार० सगर

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी संव दुकान है तथा जो प्रबोहर मण्डी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उम्रत अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अव, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ण की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन:---

- 1. श्री बिष्णु नारायण सपुत्र श्री लक्ष्मीनारायण द्वारा श्री लष्छी राम, पटीभन राईटर, गिदङ्बाहा जिला फरीक्कीट (भ्रन्तरक)
- 2. श्री हरी चन्द सपुत श्री जेठू राम, विजय कुमार, शिव कुमार सपुतान हरी चन्द, श्रीमती चम्बेली देवी पत्नी हरी चन्द सुदेश कुमारी सपुत्री हरी चन्द माल गोदाम रोड, धूरी तहसील मलेरकोटला ।
- 3. जैसाकि नं० 2 में है तथा पूरन चन्द, काँशी राम, श्री रोशन लाल तथा श्री राम सरूप।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति (दुकान कम रहने की बिल्डिंग) जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1435 सितम्बर 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी श्रक्षोहर में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमतसर

तारीख: 1 मई 1975

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०-

**कावकर अधिनिय**म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 1 मई, 1975

निर्देश सं० बी ०टी ०डी ०/44/75-76---यतः मुझे, वी० ग्रार० सगर

स्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिष्ठिक है श्रौर जिसकी सं० जमीन है तथा जो नजदीक वीबी पाला रोड, भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची भे श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः अब उक्त मिविनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थातु :——

- 1. श्री बनारसी दाम सपुत्र श्री भुरजन राम पुत्र मिरया मल, भटिखा। (श्रन्सरक)
  - 2. श्री चेत मिह पुत्र श्री बख्तावर सिंह पुत्र श्री वन्गा सिह् वासी भटिडा । (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसाकि न० 2 पर है। (वह ब्यक्ति, जिनके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्भन के सम्बन्ध मैं कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 यिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपल मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

धरती जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3838 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, भटिडा म लिखा है।

> भी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ता**रीख**: 1 मई, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आवत्तर प्रधितियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 1 मई, 1975

निर्देश स० एम० एन० एस०/45/75-76—यत. मुझे, भी० भ्रार० सगर भाषायार श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने भा गारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यें से प्रविक है और जिसकी स० सम्पत्ति हे तथा जो गऊ शाला रोड, मानसा मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर शन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उवत अन्तरण लिखित में बास्निक रूप म कियत नहीं किया गया है .--

- (क) भ्रन्तरण म हुई किसी भ्राय का वाबत उक्त श्रीधानयम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करन या उसम बचने में सुत्रिधा के लिए श्रीर/या
- (छ) एसा किसी आय या रिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922(1922 का) 1) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनायं अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए

भा: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. प्रथान ---

- श्री वालस राम पुत्र श्री रूप चन्द्र, वासी मानसा । (इम्लैरक)
- 2. डा० कृष्ण कुमार पुत्र श्री मुलख राज धुकान न० 765 व्लाक न० 7 गली न० 10, मानसा। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसाकि न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

# उम्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध मा तत्सबंधी व्यक्तियो पर मूचना की नागील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त हाना हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तिया में में किसी न्यकित दारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पब्हीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जा उक्त धिधिनियम, रे बध्याय 20- के में परिभाविन है, बही पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है :

### अनुसूची

दुकान न० 765 ब्लाक न० 7 गली न० 10 मानमा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3401 सितम्बर 1974 की रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी मानसा में लिखा है।

> वी० द्यार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, श्रमृतसर

नारीख: 1 मई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० एम० एन० एस०/46/75-76---यत: मुझे, बी० श्रार० सगर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र्• से अधिक है श्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जी गऊशाला रोड, मानसा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री राम गोपाल मपुत्र श्री सागर मल वासी श्रमृतसर स्पैशल श्रटानीं श्री श्रग्वनी कुमार सपुत्र श्री क्रिज लाल वासी कानपुर (39 माल श्रमृतसर) (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री कुन्दन लाल पासी पुल श्री राम लाल मकान नं० 784 वार्ड न० 2 गऊणाला रोड, गली नं० 1, मानसा (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर हो । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यका परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

मकान नं० 784 वार्ड नं० 2 गली नं० 1 मानसा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3397 सिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, मानसा में लिखा है।

> नी० शार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमतसर

तारी**ख**: 1 म**र्ष** 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एम० एन० एस०/47/75-76→—यतः, मुझे, वी० ग्रार० सगर

> न्न्रायकर श्रधिनयिम, 1961 (1961 इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनयिम' कहा

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनयिम' कहा गया है )

की घारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-क० से अधिक है श्रौर बाजार मृह्य जिसकी सं अम्पत्ति है तथा जो मानसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमाम प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अर्थ, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उन्त अविनियम की धारा 26 क्रिय की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यविद्यवीं, अर्थाल:-

- हेमराज सपुत्र श्री चानन राम, वुकानदार मई भूमण्डी, मानसा । (श्रन्सरक)
- 2. डा० चरँजी लाल, भागीरथ सेन सपुत्र मिलखी राम वासी मानसा कलाँ। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यद्यापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 826 ब्लाक नं० 7 गली नं० 19 गौनाला रोड मानसा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3371 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मानसा में है।

> वी० आर० सगर सक्षम प्राधिकारी जहायक स्रामकर स्रामुक्त (तिरीक्षण) सर्जन रेज, अम्लसर

तारीख : 30-4-1975

परूप आई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, श्वमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 30 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० एम० एन० एस०/48/75-76--यत:, वी० म्रार० सगर **क्षायकर** अधिनियम, 1961 (1961 কা 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स ग्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अर्घीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मानसा मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद भ्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मानसा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिल्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 7—96GI/75

- 1. श्री हेमराज सपुत्र श्री चानन राम, दुकानदार नई मण्डी, मानसा । (श्रन्तरक)
  - 2. डा० खरंजी लाल, भागीरथ सेन सपुत्र श्री मिलखी राम वासी मानसा कलाँ तहसील मानसा । (श्रन्तरिती)
  - जैसाकि नं० 2 में है।
     (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास-लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं 826 ब्लाक नं 7 गली नं 19 गौशाला रोड, मानसा, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 3372 सितम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मानसा में है।

> वी० श्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 30-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

धायकर घिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० ए० एस० घार०/49/75-76—यतः मुझे वी० घार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मिसरी बाजार अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकर्रण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- 1. पृथ्वी चेंद तथा बृज मोहन सपुत्रान श्री पुरषोतम सार्ते 67 शक्ति नगर, ग्रामृतसर । (श्रन्तरक)
- थीमती कमलेश कुमारी सपुत्री गोकुल किशन भन्द पत्नी श्री बृज मोहन, 67 शक्ति नगर, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार श्री शाम लाल तथा
   श्री बुज मोहन ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2030 सितम्बर 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम भ्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 30-4-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर

·िंचनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए० एस० भ्रार०/50/75-76—यत, मुझे, वी० भ्रार० सगर, आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर श्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो रय्या में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, बाबावकाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974

उचित सम्पत्ति के मृल्य को पूर्विकत प्रतिफल लिए वुश्यमान के मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल भधिक है ग्रीर अन्तरक (भन्त-का पन्द्रह प्रतिशत रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी अस्य की बाबत उक्त धिधिनयम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रांथीत:—

- 1. श्री रतन सिंह पुत्र श्री चंचल सिंह गांव बाला चक तहसील तरन तारन, प्रकाश कौर पत्नी इकथाल सिंह नजदीक सेरूज टैक्स आफिस प्लाट नं० 3 ए कोर्ट रोड़, ग्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जगतार कौर पत्नी दसोंघा सिंह, 54 कोर्ट रोड़, अमृतसर श्रीमती सुखविंदर कौर पत्नी श्री बलवीर सिंह वासी, शहीद त० पट्टी (ग्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारी ;
- (ख) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतखंद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्रत ग्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1192 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी वावायकाला में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 1 मई, 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० --

झायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घरा 269-व (1) के झधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

दिनांक, 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/51/75-76—-यत मुझे वी०, घ्रार० सगर,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तर अधिनियम' कहा
गया है) की बारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, वावाबकाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख
सितम्बर, 1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
सन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
धाधक है भौर प्रन्तरिक (श्रन्तरिक) भौर श्रन्तरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया
अतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—-

- 1. श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री बुझा सिंह गांव बाला चूक तहसील तरन तारन · (श्रन्तरक)
- 2. श्री करनेल सिंह पुत्र ऊजागर सिंह, गुरदियाल सिंह, श्रमरीक सिंह पुत्र करनेल सिंह, अमरजीत सिंह पुत्र करनेल सिंह, गांव काला नंगल तहसील बटाला। प्रकाण कौर पत्नी इकबाल सिंह, नजवीक सेल्ज टैक्स श्राफिस, श्रमृतसर
- 3. श्रीमती जगतार कौर पत्नी दसोधा सिंह 54 कोर्ट रोड़, अमतसर, सुखर्विदर कौर पत्नी बलवीर सिंह वासी शहीद तहसील पट्टी (ग्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिमियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

lág.

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1191 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वावा बकाला में लिखा है।

> वी० म्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

दिनांक: 1-5-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० फगवाड़ा | 52 | 75-76—यत : मुझे वी० श्रार० सगर,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 फा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि का प्लाट तथा जो जो फगवाड़ा गरबी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उस्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- श्रीमती मंजू नैय्यर पत्नी श्री प्रमोद कुमार सपुत्र श्री मदल लाल मार्फत पूनम रैस्टोरैट, फगवाड़ा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सत्या देवी पत्नी श्री पूरम चंद वासी गांव नरूड़ सहसील फगवाड़ा। (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है।
     (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में समपत्ति है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है।
    (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
    जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विसूख नं० 1177 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक: 30-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० फगवाड़ा/53/75-76----यत : मुझे वी० भ्रार० सगर ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है ) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपये से अधिक म्रह्य ग्रौर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो फगवाड़ा गरबी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के विजित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में लिए सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों.
  को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
  या धनकर अधिनियम, 1957
  (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
  प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
  छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात्:—

- 1. श्रीमती मेंजू नायर पत्नी श्री प्रमोद कुमार सपुत्र श्री मदन लाल मार्फत पूनम रैस्टोरेंट, फगवाड़ा। (श्रन्तरक)
  - श्री पूरन चन्द सपुत्र श्री ढ़ेंक् राम वासी गांव नरूड़।
     (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है।
     (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रख़ता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यकाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियमं, के अध्याय 20-क में मधापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनसची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1164 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में है।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रुजैन रेंज, भ्रमृतसर

दिनांक: 30-4-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्णन रेंज, श्रमतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रप्रैल 1975

सं० ए०एस०न्नार०/54/75-76--यतः मुझे, वी० म्रार० श्रधिनियम, 1961 भ्रायकर सगर (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम **प्रधिकारी** को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है धीर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो बाहर गेट झांझवाला श्रमृतसर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन सितम्बर, 1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिवियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रचित्:--- (1) श्री तेजा सिंह सपुत्र श्री बुलक्का सिंह वासी बाहर गेट झांझवाला स्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री म्रर्जन सिंह सपुत्र श्री झंड़ा सिंह वासी चुड बेरी, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न॰ 2 में है। (बह स्थिक्त जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि सखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्तिद्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2198 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर में है।

> वी० घ्रार० सगर, सक्षम ऋधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजैन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 30-4-75

प्ररूप आई० टी० एन०एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 1 मई, 1975

िनर्देश सं० ए०एस०श्रार०/55/75-76 —~यतः <mark>मुझे बी० श्रार०</mark> सगर

ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ध्रधिक है श्रीर'

जिसकी सं० 1/4 दुकान 173-ए/13 जो शरीफपुरा अमृतसर में में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमुतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख सितम्बर पू**र्वोक्**त सम्पक्ति के उचित 1974 को मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे कृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भ्रम्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घर्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर मिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम या धनकर धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269- ध की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :— (1) जसवंत सिंह पुत्र श्री ईश्वर सिंह वासी 676 शर्प्रैकपुरा अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स निरंकारी फाइनेंस एण्ड चिट फंड, बाजार चौक बाबा भौरी वाला भ्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह ध्यक्ति जिसके म्रश्चिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/4 दुकान नं० 173 ए०/13 शरीफपुरा श्रमृतसर जैसािक रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2051 सितम्बर, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, श्रमृतसर में लिखा है।

वी० घार० सगर, सक्षम घ्रधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजेन रेंज, घ्रमृतसर

तारीख: 1 मई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रामकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनाक 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए०एस०ग्रार०|56|75-76--uनः मुझे, बी० श्रार सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें ईसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 🖟 दुकान न० 173-ए०/15 जो शरीफपुरा अमृतसर में स्थित है (ग्रौर ६ससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्दृीकरण श्रिधिनियम 1909 (1908 का 16) के ग्राधीन सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तविक रूप से विश्वस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे घचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—-

(1) श्रीमती ग्रमरीक कौर पत्नी श्री गुरदीप सिंह कटरा मोहर मिह, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स निरंकारी फाइनेंस एण्ड चिट फड बाजार चौक बाबा भोरी वाला श्रमृतसर।
- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पति है
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त एव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

 $\frac{1}{4}$  दुकान नं ० 173-ए०/13 शरीफपुरा ग्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत धिलेख न० 2057 सितम्बर, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी, ग्रमृतसर में लिखा है।

वी० ग्रार० मगर, सक्षम अधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 1 मई 1975

मोहर:

8-96GI/75

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

प्रमृतसर दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश स० ए०एस०श्चार०/57/75-76—यतः मुझे बी० श्चार० सगर

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- कु से श्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 1/4 दुकान 173-ए०/13 जो मारीप्तपुरा भ्रमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतमर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या हिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मे, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:---

- (1) श्री परदुमन मिह पुन्न श्री संत सिह सावन नागर प्रमृते सर (अन्तरक)
- (2) मैंसमं निरंकारी फाइनेंस एन्ड चिट फड बाजार चौक भौरी वाला ध्रमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नव 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंटे।

स्पढ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/4 दुकात 173-ए०/13 शरीकपुरा श्रमतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2128 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिथिकारी ग्रम्तसर में लिखा है।

> वी० ग्रार० नागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज ग्रमृतसर

तारोख: 1 मई 1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

ं श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 1 मई 1975

निर्देश स० ए०एम०ग्रार०/64/75-76--यत. मझे, बी० श्रार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्ष म को यह विश्वास करने का फारण है कि सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी स० भूमि जो गांव तुंगपाई मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य मे उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया षा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री समीन्द्र सिंह पुत्र श्री वधावा सिंह वासी तुगपाई तह्सील, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री खरायती लाल महाजन सुपुत्र श्री पुत्र मन कटड़ा महा सिंह कुच्चा छबगरा ग्रम्तसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 मे है

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में गन्धि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रशाहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा: या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6208 सितम्बर, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर मे है।

> वी० भ्रार० मगर सक्षम ग्रधिकारी. सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज श्चमृतसर

ताशेख: 1-5-1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० ए० एस० भ्रार०/65/75-76— यतः, मुझे, बी० भ्रार० सगर,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीचत बाजार मृल्य 25,000/-रु० से श्र**धिक है** श्रौर जिसकी सं० भूमि जो गांव तुंगपाई में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रमतसर में रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रसिफल दुश्यमान और ग्रन्तरित की है मुझे यह गर्श्ह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल उचित से दश्यमाम प्रतिफल · ऐसे पस्ट्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण के हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- श्री सिमन्द्र सिंह सपुत्र श्री वधावा सिंह वासी तुंगपाई तहसील श्रमृतसर। (अन्तरका)
- श्री सतपाल सपुत्र श्री छज्जू राम वासी कूचा छज्जू मिशर, कटडा धनैयां, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में
सम्पति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि
रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

ूरा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6212 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ग्रमृतसर में है।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 1-5-1975

. ಹ್ಲೋಹ್ ಸ್ಟ್ರಾ ಪ್ರಕ್ರಾ ಪ್ರಕ್ರಾ ಪ್ರಾಥಾಗಿ ಪ್ರತಿ ಪ್ರಾಥಾಗಿ ಪ್ರತಿ ಪ್ರಾಥಾಗಿ ಪ್ರತಿ ಪ್ರತಿ ಪ್ರಾಥಾಗಿ ಪ್ರತಿ ಪ್ರವಾಗಿ ಪ್ರತಿ ಪ್ರತಿ

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०------

सायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रम्तयर, दिनाक 1 मई 1975

निर्देश न० ए०एम०श्रार०/66/75-76--यत: मुझे, बी० ग्रार० सगर, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनयिम' कहा गया है)

की धारा 269-ख केत अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो गांत्र तुगपाई में स्थित है (ग्रीर इससे उपायब अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य मे कम के ष्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मं वास्तिविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नही किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मे, उनत अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

1. श्री समिदर सिंह पुत्र श्री वधाया सिंह वासी तुगवाई तहसील ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वलराज महाजन पुत्र श्री नागर मल महाजन 110, दयानद नगर, श्रम्तसर।

(म्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग मे सम्पति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6206. सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रम्तसर में लिखा है।

> बी० ग्रार० सगर. सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज ग्रम्तसर

तारीख: 1-5-1975

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक । मई 1975

निर्देश स० ए०एस०म्रार०/67/75-76---यतः, मुझे, वी० म्रार० सगर,

भ्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से श्रिधक है

जिसकी सं भूमि है तथा जो तुंगपाई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

द्यतः अब उक्त ग्रधितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधितियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों स्रथीत्:--  श्री सिमन्द्र सिंह सपुत्र श्री वधावा सिंह वासी तुंगपाई तहसील श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री किदार नाथ सपुत्र श्री ग्रमर नाथ , गली नं० 3 बाग रामानन्द, ग्रमुतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा की नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

जन्स सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसृची

. भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6211 सितम्बर 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ग्रमृतसर मे है।

> बी० भ्रार० सगर, सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 1-5-1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० ए०एस०भ्रार०/68/75-76—
यत: मुझे, बी० ग्रार० सगर,
ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 भ्रा 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ ६० से श्रधिक है
जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तुंगपाई में स्थित है (ग्रीर
इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर
1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धैन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः, श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत्:—

 श्री समिंदर मिंह पुत्र श्री वधावा सिंह वासी तुंगपाई त० श्रम्तसर 2. श्रीमती शकुंतला देवी पत्नी श्री खरैती लाल बुचा डवगरां,
 कटरा, महांसिंह ग्रमृतसर।

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पति में **रा**चि रखता हो।

> (वह ब्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के मंबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6213 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रमृतसर में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख 1-5-75 मोहर:

(भन्तरक)

प्रारूप भ्राई० टी० एन० एस०----

# म्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के म्राधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं०ए०एस०ग्रार०/69/75-76—यतः मुझे, वी० भार०सगर

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-ह० से ग्रधिक है

भीर जिसकी गं० जमीन जो गांव नुंगपाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबल उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः ग्रव धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत:-- (1) श्री समिन्दर सिंह पुत्त श्री बधायाँ सिंह वासी नैंगणाई तहरील श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री बलराज महाजन पुत्र नागर मल महाजन 110 दयानंद नगर श्रमृतसर 2. खरैती लाल महाजन पुत्र श्री पुत्रू मल कटरा महा सिंह कुचा डवगरां श्रमृतसर 3. केदार नाथ पुत्र श्री श्रमरनाथ गली न० 3 बाग रामानंद श्रमृतसर 4. सतपाल पुत्र छज्जू राम कटरा धनईयां शकुन्तला देवी पत्नी खरैती लाल कटरा महासिंह श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके **श्रधिभोग** में सम्पत्ति है)।
- (4) कोई ध्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह ध्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6206, 6208, 6211, 6212, 6213, सितम्बर. 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में लिखा है ।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर

तारीखः मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 22 ग्रप्रैल, 1975

निर्देश सं० 50 एम/प्रर्जन --- यतः मुझे, विशम्भर नाथ श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० है जो गाम चक कमाल उददीन ब्राजमगढ में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भ्राजमगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 12-9-1**974 को** सम्पत्ति ं के<sub>,</sub> उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित **उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं** किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उम्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उम्स अधिनियम की धारा 269-थ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियो, अर्थात्:—

(1) श्री अब्दुल कयूम

(श्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मुस्तका व ग्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेय---

- (क) इस सचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (या) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है यही अर्थ होगा, यो उप अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान मय ब्राहता व सहन व श्रारा मणीन व मोटर वगैरह शामिल है। जो कि ग्राम चक कमाल उद्दीन सप्पा नन्दाव जिला श्राजमगढ़ में स्थित है।

> विगम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लखनऊ

ता**रीख**: 22-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नामु<del>क्त (निरीक्षण),</del>

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनङ, दिनाक 22 अप्रैल, 1975

निर्देश स० 7-टी०/अर्जन---यतः मृक्षे, विशस्भर नाथ ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् '**उक्त श्रक्षिनियम',** कहागयाहै)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- स्पर्य से अधिक है और जिसकी स० प्लाट नं० बी० 185 ए है तथा जो चान्द गंज लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप में बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908(1908 का 16) ने आधीन दिनांक 17-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और यह कि अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक इल से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अभ्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अविनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः ग्रंथ उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरक में, में, उक्त ग्रंथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवित्:~

(1) श्रीमती सावित्री देवी

(अन्तरक)

(2) श्री तुषारकान्ति घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मेबाहियाँ गुरू करसा हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशक नी तारी का से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीत्रस्ताकरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्वध्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में विया नवा है।

# अनुतुषी

एक किता प्लाट न० बी० 185/ए० जिसका रक्या 12828 वर्गभुट है। जो चान्द गंज लखनऊ में स्थित है।

> विणम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 22-4-1974

प्ररूप भाई॰ टी॰ एम॰ एस॰----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 श्रप्रैल, 1975

निर्देश सं० 20-जी०/ग्रर्जन — यतः मुझे, विणम्भर नाथ झायकर घाधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनयम, कहा गया है।) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० के०-63/20 है तथा जो भूत भैरो वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वाराणसी मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 25-9-1974 को प्रबंक्स सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (ग्रन्तिरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से ग्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुबिधा के लिए।

म्रतः ग्रम उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के म्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रभीत्:---- (1) श्रीमती लालिमादेवी व श्रन्य

(श्रंतरक)

(2) श्री गोपालदास व मन्य

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रांर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान न० के० 63/20 जिसका रकवा 1458-5वर्गफुट है। जो कि मोहल्लाभुत भैरों जिला वाराणसी में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, मक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर स्नापुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेज, लखनऊ

वारीख : 22-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंल्यॉ, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 श्रप्रंल 1975

निदेश सं० XIX/22/3ए०/74-75—यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर

प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका खींचत बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 66,67,68,69 और 71, लक्ष्मीपुरम सेकन्ड स्ट्रीट, कुत्तालम में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974 को

# पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कविन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, श्रव, उन्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, पैं, उन्त अधिनियम की बारा 269-घ भी उपधारा (1) के अधीन निम्ननिश्चित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) श्री सीता ग्रार० सुरेन्द्रन, मदुरै (ग्रन्सेर्-क)
- (2) श्रीमती कें ० सरोजिनी देवी, मदुरें (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्वधीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिधाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुत्तालम, लक्ष्यिपुरम सेकन्ड स्ट्रीटडोर सं० 66,67, 68,69 भीर 71 में 1.65 एकड़ का भूमि श्रीर मकान (1/5) भाग)।

के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मब्रास

तारीख: 16-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, तारीख 16 भ्रप्नैल 1975

निदेश सं० XIX/22/1सी०/74-75--यत $\cdot$ , मुझे, के० वी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

- 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है, श्रौर जिसकी सं० 66,67,68,69 श्रौर 71, लक्षमीपुरम सेकन्ड स्ट्रीट, कुत्तालम मे स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची म श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, तेनकासी मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के प्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री सिता श्रार० गोबीनात, मदुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० सरोजिनी देषी, मदुरै (श्रन्तरिप्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उका सम्पत्ति के ब्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पछीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कुत्तालम, लक्ष्यमीपुरम सेकन्ड स्ट्रीट डोर सं० 66,67, 68, 69 श्रौर 71 में 1.65 एकड़ का भूमि धौर मकान (1/5भाग)।

> के० वी० राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 16-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस्●---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 16 अप्रैल 1975

निवेश सं० XIX/22/3बी/74-75----यत., मुझे, के० वी० राजन, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

प्राधिकारी की धारा 269-ख के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० 66,67,68,69 श्रौर 71 लक्ष्यमीपुरम सैकन्ड स्टीट, कुतालम में स्थित है (बीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 1974 को

पुर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है फ्रौर मुझे यह विख्वास करमें को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

अतः अब. उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री सिता ग्रार० मोतीलाल, मधुरै (ग्रन्सरक)

2. श्रीमती के० सरोजिनी देवी, मदुरै (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपझ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भंग अविधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखिन में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

कुत्तालम, लक्ष्यमीपुरम सैक्न्ड स्ट्रीट डोर सं० 66,67,68, 69 और 71 एकड में 1, 65 एकड़ का भूमि भीर मकान (1/5 भाग)।

> कं वी० राजन समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर ऋायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-', मद्रास

दिनाक 16-4-1975

नोहर:

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वाक्षय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनोक 16 ग्रप्रैल 1975

निदेश सं० XIX | 22 | 1वी | 74-75 यतः, मुझे, के० वी० राजन ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है ), की धारा 269 ख के प्रधीन समक्ष प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000 | र० से अधिक है और जिसकी सं० 66,67,68,69 और 71 लक्ष्यमीपुरम सैकन्ध स्ट्रीट, कुलालम में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय, तेनकासी, मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंबत नहीं किया गया है:—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन्न, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धान :---

- श्री सिता ग्रार० जमारदनन, मद्रै
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती के ० सरोजिनी देवी, मदुरे
- (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरण .--- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्तं अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

### अनुसूची

कुलालम, लक्ष्वमीपुरम सैकन्ड स्ट्रीट डोर सं० 66,67,68,69 और 71 में 1.65 एकड़ का भूमि और मकान (1/5 भाग)।

के० बी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, मद्रास

विनोक: 16-4-1975

प्रकप आई० टी० एन०एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मब्रास, दिनांक 16 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० XIX/22/10/74-75--- यतः मुझे, के० वी० राजन ग्रायंकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∤- रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 66,67,68,69 भौर 71 लक्यमीपुरम सैकन्ड स्ट्रीट, कुलालम में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमाम प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन वा धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: शब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रतुसरण में, मैं, उनत श्रिधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों भ्रष्टीत:— 1. श्री सिता श्रार० राजाराम, मदुरै

(यन्सैरक)

2. श्रीमती के० सरोजिनी देवी, मदुरै

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त प्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही भ्रषं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कुलालम लक्षमीपुरम सैकन्ड स्ट्रीट डोर सं० 66,67,68 69 ग्रीर 71 में 1.65 एकड़ का भूमि श्रीर मकान (जिसका ग्रीर एस० सं० 23/2ए, 2ए, 1ए, 1ए, 1ए, 1ए, 1ए श्रीर 2)।

> के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु<del>क्त</del> (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

ता**रीख** 16-4-75 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, I-मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निदेश सं 0 /XX/15/2सी/74-75 यत:, मुझे, के० वी० राजन आयवर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भौर जिसकी सं० एस० सं० 96/1 करुनीकर स्ट्रीट, में है, जो पोल्र मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पोल्र में भारतीय रजिस्दीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन भ्रक्टूबर, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रवः, उन्त श्रधिनयिम की धारा 269-ग के ग्रन् सरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीन् :-10—96GI/75 1. श्री वी० एस० पी० रामन 15, सन्नदी स्ट्रीट पोलूर, (अन्तरक)

2. श्री टी० एस० बाबा सहिब पोलूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुक् करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्मा के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पोलूर करुनीकर स्ट्रीट एस०सं० 96/1 में 84 सेन्ट का भूमि श्रीर मकान ।

के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

दिनाक 23-4-1975 मोहर;

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निदेश सं o xx/14/2बी/74-75 यत:, मुझे, के० वी० राजन

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ए० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० एस 97 98 श्रीर 98/1 बी, करुनीकर स्ट्रीट पोलूर है, जो में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पोलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के प्रधीन 16 सितम्बर 1974 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्तः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य

(क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

के उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

गया है---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के झनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधार। (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत:——

- 1. श्री वी॰ पी॰ भारतवाजन, 15, सन्नवी स्ट्रीट, मोलूर (अन्तरक)
- श्री टी० एस० वाबा साहिव (ग्रन्तिति)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां णुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# . अनुसूषी

पोलूर करुनीकर स्ट्रीट एस० सं० 97, 98/8 ग्रीर 98/1बी में 65 सेन्टस का भूमि ग्रीर मकान ।

> के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 23-4-75

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निदेश सं० XX/14/20/74-75 यतः मुझे, के० वी० राजन श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिकह ग्रौर जिसकी सं० एस०, 264 करुनीकर स्ट्रीट, पोलूर मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पोलूर में रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 1974 क़ो पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दूरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- 1. बी॰ एस॰ पट्टाबीरामन श्रौर बी॰ पी॰ ग्रानन्ड, पोलूर (अन्तरक)
- 2. श्री टी० एस० बाबा सहिब, पोलूर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्राध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पोलूर करुनीकर स्ट्रीट में 11091 स्कुयर फीट का भिम ग्रौर मकान (जिसका एस० स० 264)।

> कें० वीं० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-I, मद्रास

विनांक: 23-4-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1975

निदेश सं० IX/1/41/74-75—यतः, मूझे, के० वी० राजन आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 12ए श्रौर 1 2बी गोविन्डप्प नायक्कन स्ट्रीट है, जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर, 1974 के उचित बाजार सम्पत्ति को पूर्वीक्स दृश्यमान प्रतिफल लिए मल्य से कम के मुझे है ग्रीर ग्रन्तरित की गई करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्या उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रान्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयर्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: अब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रर्थात्:— 1. श्री मोहमद ग्रादम सेद मद्रास-8

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शान्ता श्रीर श्रावी, मद्रास-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में <mark>कोई भी</mark> श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

मद्रास-1, गोविन्डप्प नायक्कन स्ट्रीट डोर सं० 12ए ध्रौर 12बीमे 2301स्कुयर फीट का भूमि ध्रौरमकान (विसका ध्रार० एस० सं० 10566/1 ध्रौर 10566/2)।

> के० बी० राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29-4-1975

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-I, मन्नास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनयिम, की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:-

1. श्री नारायणदास, मद्रास (ग्रन्तरक)

2. यूनिवर्सल एन्टरप्रैसस, मद्रास

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास पूनमल्ली है रोड, डोर सं० 415 में 8 ग्रोंन्ड श्रौर 840 स्कुयर फीट का भूमि श्रौर मकान (जिसका श्रार० एस० सं० 154 भाग)।

के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-4-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास, मद्रास, दिनांक 16 भ्रप्रैल 1975

निदेश सं० एक्स/1(.)/22/74-75—यतः, मुझे, के० वी० राजन

धायकरअधिनियम, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं 165-ए, अलगर कोईल रोड, मवुरै है जो में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मवुरै में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) अधीन 16 सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत:, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री के० एम० एस० एल० सुन्दररामन मदुरें (अन्तरक) (2) श्री एम० सिगारम चेट्टियार 165-ए, अलगर कोईल रोड मदुरै (श्रन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मदुरै, श्रलगर कोईल रोड डोर सं० 165-ए में 20461 स्कृथर फीट का भूमि भ्रौर मकान (जिसका भ्रार०एस० सं० 831/2/3)।

के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी, (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज मद्रास।

तारीख: 16-4-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 श्रप्रैल, 1975

निदेश सं० IX /3/76/74-75---यतः , मुझे, के० वी० राजन

आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ठ० से अधिक है और जिसकी सं० 15, हारिटन रोड, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथांत:—

- (1) श्री जे० एच० तारापुर, मद्रास-10 (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एम० एफ० महिता, मद्रास-10 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

मद्रास-31, हारिटन रोड डोर सं० 15 में 4 ग्रीण्डस ग्रीर 744 स्तृयर फीट का भूमि (जिसका ग्रार०एम० सं० 324 ग्रीर 329)।

> कें० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज I, मद्रास।

तारीख 11-4-1975 मोहर: प्ररूप० श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1
4/14ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1975

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस०ग्रार०-III/नवम्बर II/575/523(35)—यतः, मुझे, चं० बी० गुप्ते श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 59, फ्रैण्ड्स कालोनी (ईस्ट) है, जो मथुरा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरिंत की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः भ्रब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 1 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो श्रथींत् :—  मैं० नाथूराम फ्रैण्डस कालौनी को-ग्रापरेटिव हाजुस ब्लिडिंग सोसाईटी, मथुरा रोड, नई दिल्ली (श्रन्तरक)

2 श्री मनमोहन खन्ना, मुपुत्र स्वर्गीय श्री मेहर चन्द खन्ना 59, फैण्डस कालौनी (ईस्ट), मथुरा रोड, नई दिल्ली। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येषाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट को भूमि जिसका क्षेत्रफल 1930 वर्ग गज (लगभग) है तथा जिसका नं० 59, है जोकि नाथ्राम फ्रैण्डस कालौनी (ईस्ट), मथुरा रोड, नई दिल्ली में निम्न सीमाम्रों में स्थित है:—

पूर्व: सर्विस लेन पश्चिम: मुख्यसङ्क उत्तर: प्लाटनं० 59-ए० दक्षिण: प्लाटनं० 58-ए०

> यं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 6-5-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश मं० सी० ऐ० 5/ श्रांगस्त 74/हबेली -H(पूना) 194/75-76:-- यतः मुझे, एस० पी० भ्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० फायनल पलेट नं० 415-ए, है तथा जो िषावाजी नगर पुना में स्थित है<sub>।</sub> (और इससे उपाबद्ध श्चनुसूची में और पूर्ण रूप म वर्णित है), अधिकारी के कार्यालय हवेली-II, (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-8-1974 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) श्री प्रार० एस० गायतों हे राधा मदिर, भालचन्द्र रोड, माटगा, बवर्ड - 19 (श्रन्तरक)
- (2) श्री एस० एन० तेलग (एच० यू० एफ) 74/1 जिम्रोग्राफिकल सोसायटी मार्ग पूर्व मराड पल्ली, सिकदराबाद-26 (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री जीं एच० भाह 415-ए, णिवाजी नगर पूना-15 (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फी होस्ड बिस्डिंग , 1965-67 बांधी हुन्नी फायनल फ्लेट कः 415-ए शिवाजी नगर चतुऽश्टगी रास्ता, पूना-15

फ्लेट का क्षेत्रफल -5825 वर्गफीट ग्राउड फ्लोछर — 1778 वर्गफीट फर्स्ट फ्लोर — 1281 वर्गफीट

> एस० पी० कृष्णमूर्षी, सक्षम श्रधिकारी गहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

तारीख : 8-5-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज एरणाकुलम कोचिन-II

कोचिन-II, तारीख 5- 5- 75

निदेश सं० एल० सी० 35/75-76.——यतः मुझे, के० राजगोपालन भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से जिसकी सं० प्रनुसूची के प्रनुसार है तथा जो कोल्लम जिला के पूनलुर विल्लेज में स्थित है (ग्रौराइससे उपाबद्ध श्चनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुनलुए में , रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1-8-74 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिएभ्रन्तरित की गई है भ्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे का उचित दश्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्र तिशत से प्रधिक (श्रन्तरकों) श्चन्तरिती श्रोर भ्रन्तरक और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे

(क) ग्रन्तरण से हुई किमी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिंधिनियम,' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

कथित नहीं किया गया है:---

(खा) एसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

म्रत: प्रव. उक्त अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-म की 39धारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:----

- (1) श्री टी० के० उम्मन ,श्री कुरियन के पुत्त, भूँने-जिग डायेरेक्टर, बीबी रबर एस्टेट लिमिटेड, बीबी एस्टेट बंगनाऊ पुनलर (श्रन्तकर)
- (1) श्री वाजहान मुहम्मद कृतय् के पुत्र बाजी मंजिल वलक्कोर पुरी, पुनलूर विल्लेज, पुनलूर(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी । क्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोल्लम जिला के , पुनलूर पुरी, पुनलूर विल्लेज के सर्वे सं० 599/1/77, 599/1/152, 599/1/153, 599/1/164, 599/1/164, 599/1/164, 599/1/227 10 एकड़ रवर एस्टेट ।

के० राजगोपालन, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज एरणाकुलम कोषीन

ना**रीख:** 5-5-75

प्ररूप आर्ध० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-II

कोचीन-II, तारीख 5-5-75

निदेश सं० एल० सी० 34/75-76:----यतः मुझे, के० राजगोपालन आयंकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंश्वात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० 12854 है तथा जो, मध्यनाड विल्लेज कोल्लम में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20-8-74 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय **पाया गया प्रति**फल **निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वा**स्तविक इस्प सेकथित नहीं विषयागया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री एन० रामचन्द्र रेडयार, चेरियमङ्क्तिन, पिल्ल-शोटं, कोल्लम (अन्तरक)
- (2) श्री एन० कृष्णन, कृष्ण भवन, मुन्डक्कल कोल्लम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीखा से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब का किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदौं का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोल्लम जिला में , मध्यनाड विल्लेज में सर्वे०सं० 12854 के श्रन्तर्गत 2 एकड़ 274 टोनटटर भूमि तथा मकान (काष्ण फैक्ट्री)

> के० राजगोपालन समक्ष प्रधिकारी, सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , एरणाकुलम

तारीख: 5-5-75।

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ज्योति बिल्डिंग्स, गोपाल प्रभु रोड एर्णाकुलम,

कोचीन -II

कोचीन-II, दिनांक 5 मई 1975

निदेश सं० एल० सी० 33/75-76'— यतः मुझे, के० राजगोपालन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है श्रीर

जिसकी सं० 12/5, 12/7, 12/9, 13/1क, 13/1ख, ग्रीर 13/1ग है नथा जो पानवाट में महत्तरोड प्रश देंश में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पालधाट में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्राय-कर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :-

- (1) मैंसर्स माल्येबल ट्यूव प्रोडक्ट्म श्राफ इंडिया पाल-घाट (श्रन्तरेक)
- (2) मैंसर्स दि पालघाट माल्येबलस लिमिटेड, पालघाट (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु:—

उक्त सम्पत्ति के सम्बध में कोई भी आक्षेप, ---

- (फ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

पालघाट में मस्तरीड श्रंश देश में सर्वे० स० 12/5, 12/7, 12/8, 13/1क, 13/1ख भीर 13/1ग में 2 एकड़ 43 सेनटक भूमि तथा मकान ।

के० राजगोपालन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेंज, एरणाकुलम

तारीख : 5- 5- 75

# प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1)के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)
ग्रर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंगस्
गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम्, कोर्ज्वान
एरणाकुलम्, दिनांक 5 मई 1975

निर्देश स० एल० मी० 36/75-76 --- धन मुझे, के० राजगोपालन श्रायकर श्रधिनियम (1961 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपथे से अधिक है श्रौर जिसकी स० श्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो कोल्लम जिला के पुनल्लुर विल्लेज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध न्ननुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, पुनल्लुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 2908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के मीच तय पाया गया ऐसे ध्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियो, की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिष्ठिनियम या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत : श्रव, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत :—

- (1) श्री टी०के० उम्मन श्री कुरियन के पुत्र मैनेजिंग डायेरेक्टर, बीबी रबर एस्टेट लिमिटेड, बीबी एस्टेट बगनाड पुनल्लुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुहम्मद कृत्जु श्री परोद कृत्जु के पुत्र वाली मजिल, पुनलुर विल्लेज पुनल्लुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचता के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही भ्रयं होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोल्लम जिला के पुनलुर विल्लेज , पुनलुर मुरी के सर्वे स $\circ$  599/1/77, 599/1/152, 599/1/164, 599/1/164, 599/1/227 में 9एकड़ 28 सेनटरल रबर एस्टेट ।

के० राजगोपालन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज , एरणाकुलम्

तारीख :5-5-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---- --आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

त्रर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिगस् गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम्, कोच्चिन

एरणाकुलम, दिनांक : 5 मई 1975

निदेश स० एल० सी० 37/75-76 ——पत मुझे, के० राजगोपालन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके 'उक्त अधिनियम' पश्चात गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य  $25,000/\cdot$  रुपए से अधिक है ग्रीर जिसकी स० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो कोल्लम जिला के पुनलुर विल्लेज में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, पूनलुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन, तारीख 21-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या- उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री टी० के० उम्मन श्री कुरियन के पुत्र मुँद्रोजिंग डायरेक्टर बीबी रबर एस्टेट लिमिटेड, बीबी एस्टेट बगलाए पुनलुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री शांजहान , मुहम्मेद कुन्जु के पुत्र बाजी मंजिल वलक्कोर, पुनलुर मुरी, पुनलुर विल्लेज, कोल्लम (ग्रन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं ।

उत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

कोल्लम जिला के पुनलुर मुरी, पुनलुर विल्लेज के सर्वें स $\circ$  599/1/77, 599/1/152, 599/1/153, 599/1/154 599/1/160, 599/1/161, 599/1/164, 599/1/227 में 10 एकड़ रबर एस्टेट ।

के० राजगोपालन सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज , एरणकुलम

तारीख . 5- 5- 75 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज ज्योती बिल्डिगस् गोपाल प्रभु रोड, एरनावुलक कोच्चिन । एरनाकुलम, तारीख 6- 5- 75

निदेश सं० एल० सी० 39/75-76:——यतः मुझे, के० राजगीपालन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को

है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कालिकट के नगर श्रंश देश में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालणुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख, 21-8-74 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- '(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मै, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, भ्रथीत्:—

- (1) श्री विषिन्दास पोकरदास, श्री पोकरदास के पुत्र बैंकर, नगर, कालिकट (भ्रन्तरक)
- (2) श्री कें बी जी जो राऊ एस्टेट (हि॰ ग्र० कु॰)
  मैंनेजर एण्ड कर्ता श्री कें बी शोविन्द राऊ से
  प्रतिनिधित्व, श्री कें बी देवदास राऊ, के पुत्र
  बच्चेरी ग्रंग मलिमर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों को, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कालिकट के नगर श्रंश देश के सर्वे सं० 39/6क (ग्रार० एस० 11/2-75/2) में स्थित, कालिकट निगम के स० 11/1 = 179 मकान के पहले श्रौर दूसरे मिजिलों के श्रीर दूसरे मेंजिल के खुली छत के 1/5 ग्रिधिकार ।

के० राजगोपालन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकलम

तारीख : 6-5-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकार म्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निदेश नं श्रर्जन / 131/ रठ/ 74-75/ 115:--- श्रत, मझे, वाई० खोखर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का भ्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है म्रौर जिसकी सं० 41 है तथा जो सत्य नगर गढ़ रोड जि० मेरठ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ, मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारोख 19-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं फिया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी अत्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत : श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- (1) श्री सत्य प्रकाश गोयल, पुत्र स्व० लाला बनुवारी लाल जी, रामनगर जि० मेरठ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गगा सरन पुत्न श्री चिरजी लाल, 48, ठटैर वाडा जि० मेरठ (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत श्रिक्षित्यमं, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

37 कनाल 3 मरले जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्री-कृत नकोदर के अगस्त, 1974 के वसीका नं० 1290 में दिया है ।

एक मजिल काएक मकान जिसका न० 41 है जो सत्यनगर गढ़ रोड, जि० मेरठ में स्थित है इसका हस्ता-न्तरण ६० 40,000) में किया गया है।

> वाई० खोखर सक्षम अधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निदेश सं० ग्रर्जन / 129/ ग्रागरा/ 74-75/116 :----श्रतः मुक्को, वाई० खोखर

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस सं० 358 और 360 है तथा जो, सिख गुरु-द्वारा वाईपास रोड, श्रागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है.), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालयः श्रागरा में, रजिट्रीकरण श्रिधिनियम, के स्रधीन, तारीख 5/8/1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अम्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

ग्रतः श्रव उत्तर श्रिधिनियम की धारा 269-न के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—— 12—96 GI/75

- (1) श्री श्याम सुन्दर व सत्यमेव ग्रौर रघुबीर पुत्रगण भीमसेन जि० मौजा ककरेठी, तह० व जि० ग्रागरा । (श्रन्सरक)
- (2) श्री परणुराम नगर महकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड श्रागरा द्वारा सैकटरी रमेण चन्द शर्मा। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जिसकी माप 3 बीघा श्रौर 5 विस्वा है जो खाता नं० 358 (1-15-0) श्रौर 367 (1-10-0) में हैं यह सिख गुरुद्वारा वाईपास रोड, श्रागरा, में स्थित हैं इसका हस्तान्तरण २० 48,000/- में किया गया है।

> वाई० खोखर, सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

**सारीख:** 16-4-75

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर ब्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ब्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निदेश सं० ग्रर्जन/5/ग्रीरैया/74-75/117— ग्रत:, मुझे, वाई० खोखर श्रायकर ग्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्राधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से श्रीवक है

भौर जिसकी सं० 89 है तथा जो मौजा सानपुरा इमामश्रली परगना व पोस्ट भौरैया जि० इटावा में स्थित है (भौर इससे उपावक्ष भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण भिक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23/8/74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मिन्निक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कुरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं श्रायकर ग्रिध-नियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति ;--  श्री राधाकृष्ण भ्रीर स्मस्त्रह्मी पुत्रगण श्री छदम्मीलाल नि० कस्या श्रीरैया, मोहल्ला ठठराही संघ नगर श्रीर तिर्वैक नगर परमना व पीस्ट अनुभिक्त श्रीरैया जि० इटावा।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती शीला देवी पत्नी सुरेन्द्र कुमार, गुरुदयाल प्रसाव, छोटे लाल श्रौर श्रात्मा राम पुझगण पुत् लाल नि॰ गुरुहाई पोखल कालोनी श्रोरैया श्रौर रामसेवक, सुरेशचन्द श्रौर जगदीश चन्द पुत्नगण रामलाल, नि॰ गण मौ॰ खिडकी साहे बराय श्रोरैया श्रीमती ऊषा देवी पत्नी सतीश चन्द गुप्ता नि॰ मौहल्ला होमगंज भरथना श्रौर सतोष कुमार पुत्र गुरुदयाल प्रसाद श्रौर रूपराम पुत्र जानकी प्रसाद नि॰ गुरुहाई पोखल कालोनी पोस्ट श्रौर परं० श्रौरैया जि॰ इटावा। (ग्रन्तरिती)

3. धन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कृति यह सूच्च्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्सवाहियां करवा हैं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकृष्णन की लारी खा से 45 विन की अवृद्धि या तुझ्लंबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की सामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचवा के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के प्रीतर उक्त स्वावह सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्वाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रमुक्त शक्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मीजा सानपुर इमामग्रली में स्थित भूमि प्लाट नं० 89 (भूमि झरी भूमि) जिसकी माप 5.87 एकड़ है इसका हस्तान्तरण 52,600 क० में किया गया है।

वाई० **खोख**र सक्षम प्राधिकारी सहायक **क्रायकर ग्राधुक्**छ (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-4-75

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के श्रद्धींन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैस 1975

निदेश सं० एफ० 140/ग्रर्जन/गाजियाबाद/74-75/119---श्रतः, मुझे, वाई० खोखर ग्रायकर श्रधिनयिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनयिम', कहा गया है)।

की धारा के प्रधीन सक्षम 269**-ख** प्राधिकारी कों, यह विवयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्चित बाजार मूक्य 25,000/-रु० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० सूची क ग्रनुसार है तथा जी न० गाजियाबाद जि० मेरठ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजिया-बाद में रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 31-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित **बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लि**ए ग्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित वीजीर मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफलं से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ श्रीन्तिरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :-- 1. श्री कान्ता प्रसाद सुपुत बलेराम निवासी 8-वी० गुफुर निवासी टाऊन देहली मुखतार श्राम मिनजानिय सं० सुरेन्द्र पालं सिंह व सं० सम्पूर्ण सिंह पुत्रगण स० प्रताप सिंह निवासी 1/124जनपंत लेने नई देहली वं श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी सं० रमणीक सिंह निवासी शीशल होटल शिमला व स० महेन्द्र सिंह पुत्र स० प्रताप सिंह निवासी पिलासिया इन्दौर स० सम्पूर्ण सिंह पुत्र प्रताप सिंह निवासी 1/124 जनपत लैन नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री ग्रणोक कुमार पुत्र लाला कान्ता प्रसाद निवासी डी-1/31 माडल टाऊन, देहली-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां सुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्म व्यक्ति, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों, का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूखी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4776 बाहरी खसरा नं० 1359 और प्लाट नं० 109,108, 110, 111, 112, 113, 114, 115, और 116, 117, 118 श्रौर 119 प्रत्येक की माप 200 वर्ग गज श्रौर बाहरी खसरा न० 1358 प्लाट नं० 122, 123, 124, 125, 126 श्रौर 127 प्रत्येक की माप 266 वर्ग गज श्रौर 195 प्रत्येक प्लाट की माप 160 वर्ग गज स्थित, लाजवन्ती मार्केट, श्रवरिणी मार्केट, गाव श्रौर परगणां लोनी व० गाजियाबाद जिसका हस्तांतरण 20,000 रू० में हुआ है।

वाई खोखर सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 15-4-75

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निदेश सं० 149/म्रर्जन/गाजियाबाद/74-75/120---म्रतः मुझे, वाई० खोखर

श्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की द्यारा 269 में ग्रिशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के अनुसार (जो ग्रव रिसिमारकेंट है) ग्राम व परगना लोनी त० गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपावत श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, जिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 12-8-1974 की

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्विस नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रान्तरण से हुई किसी ध्राय की बाधत उक्त ध्रधिनियम, के ध्रधीन कर देने के श्रन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ब्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रधिनियम, या धन-कर ब्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रत: ग्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त धिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः⊶

 श्री कान्ता प्रसाद पुत्र ला० बालेराम नि० 8-वी०, गुजरानवाला कस्बा दिल्ली, मुख्तार श्राम श्री सुन्देद्र पाल सिंह व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्रगण सरदार प्रताप सिंह निर्देश १/124 जनपत लैंन नई दिल्ली व श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी रमणीक सिंह नि० शीशल होटल शिमला, व सरदार महेन्द्र सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह नि० दिलासिया इन्दौर व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह नि० दिलासिया इन्दौर व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह नि० 1/124, जनमत लैंन नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री सतीण कुमार पुत्र लाला कान्ता प्रसाद नि० डी०-1/31, माडल टाऊन दिल्ली-9।
  - 3. भ्रन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के जिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसकी माप 4840 वर्गगज जो खसरा नं० 1369 (प्लाट नं० 17 क्षे० फ० 200 वर्गगज) खसरा नं० 1359 श्रीर 1360 (प्लाट नं० 26 माप 200 वर्गगज) 1359 (प्लाट नं० 29, 30 श्रीर 31 प्रत्यक की माप 160 वर्ग गज) 1359 श्रीर 1360 (प्लाट नं० 32 श्रीर 33 प्रत्येक माप 160 वर्ग गज) 1359 (प्लाट नं० 19, 50, 51, 54, 55, 56, 57, 58, 65, 66, 67, 68, 69 प्रत्येक की माप 200 वर्ग गज केवल प्लाट नं० 49 (150 वर्ग गज) प्लाट नं० 65 माप 260 वर्ग गज, खसरा नं० 1358 श्रीर 1359 प्लाट नं० 34 माप 430 वर्ग गज) जो लाजवन्ती मार्केट (जो श्रव रिसोमार्केट है) ग्राम व परगना लोनी तह० गाजियाबाद, जि० मेरट में स्थित है।

वाईः खोखर सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 15-4-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 ग्रप्नैल 1975

निदेश सं० 142/म्रर्जन/गाजियाबाद/74-75/121---म्रत: मुझे, वाई० खोखर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनते अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० ग्रनुस्ची के ग्रनुसार है तथा जो लाजबन्ती मार्केट जो ग्रव रिशी मार्केट है ग्राम० व पर० लोनी तह० गाजियाबाद में स्थित है (ग्रीर एससे उपावद्ध ग्रनुस्ची मे पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित झाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गै, उन्त भ्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री कान्ता प्रसाद पुत्र लाजा वालेराम नि 8-बी० गुजरानवाला, करवा दिल्ली मुख्नार श्राम मिन जामिन सरदार मुरेन्द्र पाल सिंह भीर सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्नगण स० प्रताप सिंह नि० 1/124, जनपत लैन नई दिल्ली श्रीर श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी म० रमणीक सिंह पो० शीशल होटेल, शिमला श्रीर सरदार महेन्द्र सिंह पुत्न स० प्रताप सिंह नि० पिलासिया इन्दौर श्रीर स० सम्पूर्ण सिंह, पुत्न मं० प्रताप सिंह नि० 1/124, जनमत लैन नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पुत्र ला० कान्ता प्रसाद नि० डी०-1/31, मोडल टाऊन दिल्ली-9।

(ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि माप जिसकी माप 4965 वर्गगज, खसरा नं० 1357/2 (प्लाट न० 189, 190, 191, 192, 193 प्रत्येक प्लाट की भाप 233 वर्गगज, 196, 197, 198, 199, 131, 200 प्रत्येक की माप 160, वर्गगज, खसरा न० 1357/3 (प्लाट न० 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142 श्रौर 143, प्रस्येक की माप 200 वर्गगज) स्थित, लाजवन्ती मार्केट जो श्रव रिसी मार्केट है ग्राम लोनी परगना लोनी तह० गाजियाबाद, जि० मेरठ इसका हस्तान्तरण 22000 र० में किया गया है।

वाई०स्रोखर

सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज , कानपुर

तारीख: 15-4-75

्रमोहर :

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 श्रप्रेल 1975

निदेश सं० मर्जन/137/गाजियाबाद/74-75/122---द्यत: मुझे, वाई० खोखर आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो ग्राम व पर० लोनी सह गाजियाबाद जि मेरट में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद गे . रजिस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक β क्षीर यह कि अन्सरक (अन्सरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीचं ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक

(क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत 'उम्स अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करके या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री कान्ता प्रसाद पृष्ठ लाल श्रांस नि० क्रि-श्री०, गुजरानवाला टाऊन देहली मुख्तार श्राम मिनजानिव सरदार सुरेन्द्र पाल सिंह व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्रगण सरदार प्रतापसिंह नि० 1/121, जनमत लैन नई दिल्ली ब श्रीमित महेन्द्र कौर पित्त सरदार रमणीक सिंह निवासी शीशल होटल, शिमला व सरदार महेन्द्र सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह नि० पिलासिया, इन्टौर व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह नि० पिलासिया, इन्टौर व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह नि० 1/124, जनपत लैन नई दिल्ली।

(श्रन्तरंक)

2. श्री राजकुमार पुत्र श्री कान्ता प्रसाद नि० डी०-1/31, मोडल टाऊन दिल्ली-9।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में दथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि रकबई 4893 वर्ग गज सम्बन्धित प्लाट नं ० 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, प्रत्येक प्लाट 233, वर्गगज सम्बन्धित नं० खसरा 1357/2, स्थित लाजबन्ती माकिट जो श्रेब रिसी मार्केट है। ग्राम लोनी परगना लौनी तहुं० गाजियाबाद जि० मेरठ।

वाई० खोखर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज कानपूर

नारीख: 15-4-75

मीहर :

# प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 श्रप्रैल 1975

निदेश सं० एक ग्रर्जन/138/गाजियाबाद/123---श्रनः मुझे, वाई० खोखर

ष्ठायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ६० में अधिक है श्रीर जिसकी सं सूची के श्रनुसार है तथा जो नं० गाजी बाद जि० मेरठ में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपावज्ञ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विश्वत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के वार्याजय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीस्य 12-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनाना और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में , उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के श्रशीन निम्नौकिखत व्यक्तियों श्राचीत्:—

1. श्री कान्सा प्रसाद पुत्र लाला वलेराम निवामी 8-बी० गुजरानवाला टाऊन देहली मुख्ताग्राप स० सुरेन्द्र पाल सिह, स० सम्पूर्ण सिंह सपुत्रगण स० प्रताप सिह निवामी 1/124 नजपत

लैन न्यू देहली, और श्रीमती महेन्द्र कीर पत्नी श्री रमणीक मिह निवामी शीशल होटल शिमला, और महेन्द्र सिंह पुन्न म० प्रताप सिंह निवासी पिलासिया इन्दौर और स० सम्पूर्ण सिंह ग. प्रताप सिंह निवासी 1/124 जनपत लैन. न्यू देहली। (भ्रन्तरक)

2 श्री त्रज्ञोक कुमार 9ुल श्री कान्ता प्रसाद निषामी डी०-1/31, माडल टाऊन देहली-9।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन**्यी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4879 वर्ग गज—बाहरी खसरानं । 1357/2, प्लाट नं 167 और 183-ए प्रत्येक की माप 333 वर्ग गज, बाहरी खसरा नं 1369, प्लाट नं 86, माप 750 वर्ग गज, खसरा नं 1360, प्लाट नं 88, 89, 90, 91, 96 अधौर 97 प्रत्येक माप 200 वर्ग गज, खसरा नं 1359 प्लाट नं 100, माप 260 वर्ग गज, बाहरी खसरा नं 1359 और 1360, प्लाट नं 101, 102, 103, 104, 105, प्रत्येक की माप 200 वर्ग गज बाहरी खसरा नं 1369 प्लाट नं 18, माप 133 वर्ग गज, खसरा नं 1358 और 1359 प्लाट नं 73 और 74 प्रत्येक माप 200 वर्ग गज, प्लाट नं 75 माप 150 वर्ग गज बाहरी खसरा नं 1357/2, प्लाट नं 79 और 80, प्रत्येक माप 160 वर्ग गज स्थित लाजवन्ती मार्केट (अब रिशी मार्केट) गाव लोनी पर तर गाजियाबाद जिला मेरें । जिसका हस्तांतरण 20,000 में हम्रा है।

वाई० खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, कानपुर

तारीखः 15-4-75

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 15 अप्रैल 1975

निर्देश सं० श्रर्जन/139/गाजियाबाद/74-75/124---प्रतः मुझे; वाई० खोखर झायकर श्रिधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जवन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार तथा जो लाजवन्ती मारकेट जो अब रिसी मार्केट है, ग्राम व पर० लोनी तह० गाजियाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी ।, तारीख 31-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण, में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों शर्यात्:—

- गि कान्ता प्रसाद पुल ला० बाले राम नि० 8 बी० गुजरान वाला, टाउन देहली, मुख्तार श्राम स० सुरेन्द्र पार्न सिंह श्रीर सर० सम्पूर्ण सिंह पुत्रगण स० प्रताप सिंह नि० नि० 1/124, जनपत लेन नई दिल्ली श्रीर श्रीमती महेन्द्र कौर पुत्री सरदार रमणीक सिंह नि० गीणल होटल, शिमला श्रीर स० महेन्द्र सिंह पुत्र स० प्रताप सिंह नि० पिलासिया इन्दौर श्रीर सरकार सम्पूर्ण सिंह पुत्र स० प्रताप सिंह नि० प्रताप सिंह पुत्र स० प्रताप सिंह नि० 1/124, जनपत लेन नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- 2. श्री राजकुमार पुत्र ला० कान्ता प्रसाद नि० डी०-1/31 मौडल टाउन दिल्ली-9 । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

भूमि जिसकी माप 4920 वर्ग गज खसरा नं 1357/3 प्लाट नं 144, 145, 146, 147, 148 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165 श्रौर 166 प्रत्येक प्लाट की माप 200 वर्ग गज श्रौर प्लाट नं 154-ए जिसकी माप 320 वर्ग गज है जो खसरा नं 1354 में है यह लाजवन्ती मार्केट जो ग्रब रिसी मार्केट है ग्राम वा परगना लोनी, तह गाजियाबाद जि मेरठ इसका हस्तान्तरण 20,000 रू में किया गया है।

वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-4-1965 •

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 स्रप्रेंल, 1975

निर्देश सं० भ्रर्जन/147/गाजियाबाद/74-75/125---श्रतः मझे, वाई० खोखर

म्रायकर म्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधि-नियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 9 ग्रीर 10, 3, 4, 5, 6, 120, 121 है तथा जो लक्ष्मी इण्डस्ट्रीयल इन्कलाव, ग्राम घसेटी खुर्द श्रौर ग्राम लोनी तह० गाजियाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रसिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वाकिया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिये;

ध्रत: अब उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयति:---13-96GI/75

- . 1. मैसर्स ऋषि लैंड एण्ड फाइनेन्स कम्पनी, 230 छोटा बाजार, शाहदरा देहली द्वारा श्री बनवारी लाल गुप्ता व बिहारी लाल गुप्ता पुत्रगण लाला मुरारी लाल नि० 136 व 137 गुप्ता भवन, भोलानाथ नगर शाहदरा, दिल्ली व सुनील कुमार पुत्र श्री कैलाश चन्द्र व कैलाश चन्द्र पूत्र श्री मुसड़ी लाल, नि० के० 26 एन० डी० एस० नई दिल्ली व श्री चन्द्र भान पुत्र श्री मंगल मेन निवासी 17 डिप्टी गंज दिल्ली-6 श्री राजेश कुमार श्री पी० सी० जैन नि० मेड़ी घास, पहाड़ी धीरज देहली पार्टनर व प्रोपराईटर मैसर्स ऋषि लैंड एण्ड फाइनेन्स कम्पनी । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री कान्ता प्रसाद पुत्र लाला वालेराम नि० 8-बी०, गजरान वाला टाउन देहली (भ्रन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्येवाहियां शुरू करता हं।

उक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सुचमा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा:
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्ष्तीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुपूची

इण्डस्ट्रियल प्लाट नं० 9 रकवई 1666'66 वर्ग गज ध व प्लाट नं० 10 रकवई 1666'66 वर्ग गज जो श्रापस में मिले हए हैं सम्बन्धित गाटा नं० 110 मि० व खसरा नं० 286 मि० स्थित लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इन्कलेव ग्राम घरौंटी खुद व प्लाट नं० 3, 4, 5, 6, हर एक प्टाट रकबई 200 वर्ग गज पैमायसी  $60 \times$ 3⊕ फिट सम्बन्धित गाटा नं० 1369 मि० ग्राम लोनी व प्लाट ijo 120 रक्तवर्ष 266 वर्ग गज व प्लाट नं० 221 रकवर्ष 266 नर्फ बन समरा नं 1359 मि० स्थित ग्राम लोनी पर० लोनी तह० गाजियादाद जि॰ मेरठ।

वाई० खोखर सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, कानपुर

तासीख 🕹 15-4-1975

भोहर :

## प्ररूप आई०टी०एम०एस०--

· असयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269₅घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 श्रप्रैल 1975

निर्देश सं० 167/म्रर्जन/गाजियाबाद/74-75/126---म्रतः मुझे, वाई० खोखर, म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिच्ति बाजार मूल्य 25,000/- ६० से **अधिक है और** शौर जिसकी सं० 8 है तथा जो ब्लाक बी० नसीरपुर रेजीडेन्शियल कालौनी, प्रशोक नगर लोनी गाजियाबाद में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 21-11-1974 सम्पत्ति के उचित बाजार सेंकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए **अ**न्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवितः—

- श्री रोजन लाल सेठ पुत्र श्री हरनाम दास सेठ, 1 ₱9, न्यू गांधी नगर, गाजियाबाद जि० मेरठ वर्तमान निवासी 18 कैमेक स्ट्रीट कलकत्ता-17 । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बीशल चन्द जैन श्रीर लाल चन्द जैन पुत्तगण श्री रंजीत सिंह जैन नि० 127 सी० बुलन्द शहर रोड, इण्ड-स्ट्रियल एरिया गाजियाबाद जि० मेरठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रासंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अगतकी

प्लाट नं० 8 ब्लाक नं० बी० जिसका क्षेत्रफल 1259 वर्ग गज है जो नसीरपुर रेजीडेंस्थिल कालोनी, श्रशोक नगर परगना लोगी सह० गाजियाबाद जि० मेरठ में स्थित है इसका हस्तान्तरण रू. 45,324 में किया गया है।

> याई० खोखार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीचा: 16-4-1975

मीहर:

## प्ररूप आई० टी० एम० एस•---

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1975

निर्देश सं० धर्ज०/६३/हापुड्/७४-७५/12७---भ्रतः वाई० खोखर क्षायकर **अधि**नियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रक्षिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि का सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है भौर जिसकी सं० 19 है तथा जो शकरगंज हापुड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है), राज़स्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण भधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन, तारीख 28-8-1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार दुश्यमान मूल्य से कम **के** प्रतिफल के शिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अम्तरण शिक्षित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त धांधिनियम, के धांधीन कर देने के धान्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (क) ऐसी किसी धाय या किसी क्षत या भ्रम्य आस्तिकीं की, जिन्हें भारतीय भायं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्थिशा के सिए।

भतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मै, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीम निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मोती लाल जैन पुत्र लाला दामोदर दास जैन नि० कस्या हापुड़, मीहल्ला कटरा, खैराती राम, जि० मेरठ। (श्रन्तरक)
- 2. श्री राजेन्द्र कृपाल पुत्र लाला मटरू मल, कस्बा हापुड़ मौहल्ला रेलवे रोड, हापुड़। (श्रन्तरिती)
- 4. श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री नेशी चन्द नि० 19, शकर गंज हापुष्ट । (वह न्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

स्यचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अगुसूची

एक दुकान एक मंजिल जिसका नं 19 है इसके पीछे खुली मूमि जिसका क्षेत्रफल 636 वर्ग गज जिसमें 17 वर्ग गज में दुकान बनी हुई है। यह शक्कर गंज हापुड़ में स्थित है इसका हस्तांतरण 35000 रू में किया गया है।

वार्ट० खोखर, सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर श्रायुक्त** (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानप्र

तारीख: 14-4-1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ(1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

> > कानपुर, दिनाक 16 श्रप्रैल, 1975

निर्देश मं० त्रजंन/ 1070/हापृड़/74-75/128---श्रतः मुझे, वार्ड० खोखर

भायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है) की धारा 269-च के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- ४० से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० 18 श्रीर 18/1 है तथा जो अकर गंज गढ रोड हापुड़ में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजि-स्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-8-1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है——

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए घीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की, धारा 269-ग के ग्रनु-सरण मे, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिथीत :--

- श्री मोती लाल जैन पुत्र लाला दामोदर दास औन नि० कस्बा हापुड़ मौहल्ला कटरा खेराती राम, जि० भेरठ।
   (ग्रन्तरक)
- 2 श्री कैलाश कुमार पुत्र श्री लाला मटरू मल नि० कस्बा हापुड़ मौहल्ला रेलवे रोड, जि० मेरठ। (श्रन्तरिती)
- 4. श्री जगदीश चन्द नि० 18 श्रीर 18/1 शक्कर गंज, हापुड़। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

ंउक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्मान्त्रीहरूषः -- इसमें प्रमुक्त शाश्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के घड्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्यं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दो दुकानें जिनका न० 18 श्रौर 18/1 है जो शक्कर गंज गढ़ रोड हापुड़ में स्थित है जिसकी माप  $12' \times 12'$  है प्रत्येक के साथ चब्रूतरा है जिसकी माप 12' है जोकि दुकानों के पीछे बना है। इसका हस्तान्तरण 22,600 रु० में किया गया है।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण**) **श्रर्जन रेंज कानपु**र

तारीखा: 16-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 22 अप्रील, 1975

निर्देश स० प्रर्जन/223/कानपुर/74-75/166--प्रत मुझे, एफ० जे० बहाद्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से और जिसकी स० 109/106 है तथा जो नेहरू नगर कानपुर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) क अधीन, तारीख 8-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और यष्ट्र कि अन्तरक (अन्तरको) औद्भ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण भे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी क़रने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्ये आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का '27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ष्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1. श्रीमती सुशीला देवी उर्फ गीता पली डा० बिन्द्रा प्रसाद वश्री राजेन्द्र कुमार, विरेन्द्र कुमार, रिवन्द्र कुमार पुत्रगण डा० बिन्द्रा प्रसाद निवासी मौहल्ला टेढ़ी गली, सुन्दर निवास जिला फैजाबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती उर्मिला पाठक पली प्रेम कुमार पाठक तथा श्री नारायन पाठक व ग्रनिल कुमार पाठक पुत्रगण श्री राज कुमार पाठक साक्षिन पी रोड, गांधी नगर, 208/87 शहर कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्त्मक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

नेहरु नगर कानपुर में स्थित गृह सम्पक्ति न० 109/106 का हस्तान्तरण 48,000/- रुपये में किया गया ह ।

एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-4-1975

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰.....

भायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनोक 22 अप्रल 1975

निर्देश सं० प्रर्जन/148/गाजियाबाद/74-75/167--- प्रतः मुझे, एफ० जे बहादुर श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी सं 58 ए है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (भीर इससे उपानब अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 28-8-74 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय़ की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री सञ्जन सिंह पुत्र स० जगन्न सिंह व श्री श्रीमती हरू वंश कौर पत्नी श्री सञ्जन सिंह निवासी 58 ए० ग्रेशोक नगर, गाजियाबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती वर्शना देवी पत्नी श्री रोशन लाल निवासी 429 मोहल्ला महाराम शाहदरा विल्ली-32 । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उमत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीसहताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वकाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान प्लाट मं० 58-ए० जिसकी माप 30'× 60' मानि 200 बर्ग गज स्थित घशोक नगर कालोगी गाजियाबाद जि० भेरठ जिसका हस्तान्तरण 40,000/- २० में हथा है ।

एफ० जे० बहादुर; सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्राय**कर **ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रजॅम रेंज कानपूर

तारीख: 22-4-1975

प्रकप ग्राई० टी० एम० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक, 19 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० / भार-H | कलकत्ता | 75-76-- मतः मुझे, म्रार० मि० लालमोया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-म के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है और जिसकी सं० 8 ए० है तथा जो प्रलीपुर रोड़ कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रिजस्ट्रीर ग्राफ एसुरेन्सस कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दूंश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित
की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरित
(ग्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर श्रिधित्यम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की जपबारा (1) अधीन निम्मलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती कमला जिन्दाल, 8 ए० मालीपुर रोड़ कलकत्ता। (मन्तरक)
- 2. मेसस मेसिनो टेकनो (सेलस) प्रा० लि० 8 ए० श्रालीपुर रोड, कलकत्ता, (श्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जेन के लिये एतवृद्धारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों, का जो उक्त श्रिक्ष-नियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### ब्रमुल्बी

8-ए०ग्रालीपुर रोड़, कलकत्ता में 8 कट्टा 13 छटांक 29 स्कोगार फुट जमीन का साथ फस्ट फ्लोर मकान है।

> भार० मि० लालमोया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, रफो शहमद किदबाई रोड़, कलकसा-16

विनांक: 19-5-75

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, कानपुर

कातपुर, दिनांक 26-4-1975

निर्देश सं० श्रर्जन/230/कानपुर/74-75/168---यतः मुझे, एफ० जे० बहादुर श्रायकर श्रिधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 126/प्रार/1-2 ह तथा जो गोबिन्द नगर, कानपुर में स्थित है( धौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे धौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-8-1975 को

पर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब 'उनत अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री मुल्क राज पुत्र श्री दौलत राम निवासी 110/₱27
   राम कृष्ण नगर, कानपुर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नी श्री सन्तोष सिंह निवासी 126/आर/1-2 गोबिन्द नगर, कानपुर । (श्रन्सरिती)
- 3. श्री मोहिन्द्र सिंह, कृपाल सिंह, मोहिन्द्र जीत निवासी 125/श्रार/1-2 गोबिन्द नगर, कानपुर । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- ऊपर की भांति । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मंजिला मकान सं० 126/म्नार/1-2 जिसका एरिया 493 वर्ग गक्ष स्थित गोबिन्द नगर, कानपुर जिसका हस्तान्तरण 60,000/- में हुम्ना है।

> एफ० जें० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 26-4-1975

# प्रारूप आई०टी०एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनाक 16 मई, 1975

निर्देश स० ए० सी० 4/श्रार०-II/कल०/75-76—श्रतः मुझे, श्रार० मि० लालमोया

श्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है थ्रौर ग्रौर जिसकी स०8-ए० है तथा जो ग्रालीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रिजस्ट्रीर ग्राफ एसुरेन्सस कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 23-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) अोर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया ताना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्त्तलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :-

14-96GI/75

- 1. श्री मुरलीधर जिन्दाल, 8 ए० ग्रालीपुर रोड़ कलकत्ता। (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स मेसिनो टेकनो (सेल्स) प्रा० लि० 8ए० म्रालीपुर रोड, कलकत्ता (भ्रन्तरिती)
  - (3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पश्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

8-ए० ग्रालीपुर रोड़, कलकत्ता मे 8 कथ 13 छंटाक 29 स्कोयार फुट जमीन का साथ ग्राऊड फ्लोर मकान है।

श्रार० मि० लालमोया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II, 54 रफी अहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

दिनाक: 16-5-75

प्ररूप भ्राई० टी० एत० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-54, रफीश्रहमद रोड, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 16 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० 5/श्रार०-II/कल०/75-76---श्रत :मुझे, ग्रार० भि० लालमोया, श्रायकर श्रधिनियम, (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त (1961 軒 43) श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- र० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० 8 ए है तथा जो श्रालीपूर रोड कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेस कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के क्षिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत ध्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव उक्त श्रविनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रद्यीन, निम्निलिखित अ्यक्तियों, श्रयीत :---

- 1. श्री मुरलीधर जिन्दल, 8 ए, श्रलीपुर रोड कल्कता (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स मेसिनो टेक०(सेल्स) प्रा०नो लि० 8 ए, म्रलीपुर रोड कलकत्ता, (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतदृहारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही शर्भ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

8 ए, श्रलीपुर रोड, कलकत्ता में 8 कट्टा 13 छंटाक 29 स्कुयर फुंट जमीन का साथ फस्ट फ्लोर मकान है।

> ग्रार० भि० लालमोया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : ' 16-5-75

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

ऑयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-54, रफीअहमद किदबाई रोड, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 19 मई 1975

निर्देश स० ए० सी० 9/ग्रार०-II/कल०/75-76-ग्रतः मुझे, श्रार० भि० लालमोया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु०से भ्रौर जिसकी स० 3 ए है तथा जो श्रलीपुर रोड कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार श्राफ एस्ररेन्सेस, कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ऋधीन, तारीख 23-8-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति केउचित बाजार मृत्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार ध्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों)ग्रीर ग्रन्सरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रत: ग्रब. उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रीमती कमला जिन्दल 8 ए, ग्रलीपुर रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरक)
- 2. मेंसर्स मेंसिनो टेकनो० (सेल्स) प्रा० लि० 8 ए, ग्रलीपुर रोड, कलकत्ता, (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

8 ए, भ्रजीपुर रोड कलकत्ता में 8 कट्टा 13 छंटाक 29 स्कुयर फुट जमीन का साथ ग्राऊण्ड फ्लोर मकान है।

> ग्रार० भि० लालमोया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 45, रफीग्रहमद किंदबाई रोड, कलकत्ता-16

दिनाक: 19-5-75

# प्रारूप आई० टी० एम० एस०---

**भायकर प्रधिनियम, 1**961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 13 मई 1975

निर्देश स०ए०पी० न०8 70/75-76—यत मुझे रवीन्द्र कुमार, श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि र्राजस्ट्रीकृत विलेख न० 1430 अगस्त, 1974 जो लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1974 को पर्योक्त सम्पत्ति के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविश रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी भरने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत:, ग्रब उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, में, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियो, श्रथीत :---

- 1. श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र श्री ग्रात्मा सिंह गांव ललिया , कला तहसील जालन्धर (ग्रस्नैरक)
- 2 श्री पारवर सिंह सपुत्र श्री श्राप्तमा सिंह गाव लिलया कला तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)
  - 4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

धरती का टुकडा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1430 श्रगस्त 1974 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक 13-5-75 मोहर.

### SUPREME COURT OF INDIA

Approximate the second of the

### (ADMN BRANCH I)

New Delhi the 18th April 1975

No F2/75 SCA (1)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been plea ed to confirm the following Officers of the Suprema College of I drawing effect from the fore-moon of 18th April 1975 and appoint them substantively in the post shown against each one of them

Nam Designa ion & Post in vluch confirmed

- 1 Shii Mahesh Piasad Offig Assistant Registrar Assistant Registrar
- 2 Shri S Banerjee Offs Assistant Registrar Assistant Registrar
- 3 Shri Ved Prakash Offg Private Secretary to Hon'ble Judge Private Secretary to Hon'ble Judge
- 4 Shri T Bhattacharya Offic Section Officei Section
- 5 Shri G Na es in Offig Section Officer Section Officer
- 6 Shri S Ghosh Offig Section Officer Section Officer The 29 h April 1975

No F 6/75 SCA(I)—The Hon'ble Chief Justice of India has been pleased to continue Shri V K. Thapa as officiating Section Officer with effect om 24th April 1975 rice Shri D S Chauhan who has compulsorily been retired from service of the Registr with effect from 22nd March, 1975

R SUBBA RAO Dy Registrar (Admn)

# New Delhi the 19th April 1975 Subject \*\*ummei Vacation-1975

F 44/75 SCA(G)—In super e sion of this Court's Notification No F 44/75-SCA(G) dated the 8th April 1975 it is notified that in pursuance of Rule 4 of Order II of the Superme Court Rule 1466 (as amended) the Honble California fusion of India has been pleased to direct that the Supreme Court will be closed for the Annual Sum ner vacation from Monday the 5th May 1975 to unday the 13th July 1975 (both days inclusive) and will reloped on Monday the 14th July 1975

Undo Rule 6 of Order II of the afore aid Rules the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to at noint the Hon ble Mr Justice P K Goswami and the Hon ble Mr Justice V R Krishna Iyer to be Vacition Judges to hear matters of an urgent nature which under the above Rules may be heard by a Judge sitting singly during the periods shown a cause their names/below—

The Hanble Mr Justice P K Goswami from 5th M y to 8th Jun- 1975 (both days inclusive) The Honble Mr Justice V P Krishna Iyer from 9th June to 13th July 1975 (both days inclusive)

The Handbe Millustic P. K. Go warm will sit in the Court of a combot 2 h Mill and d Inn. 1975 and the Hon'ble Sortine CV. R. I. 15 had I. i. 1 cuesda 5 the 17 h June and 1 t. July 1975. Sittings will however continue of the rexticular in 1 x(s) if mill fixed for any day are not finished on that day.

During Summe Vication the Officer of the Coult will am in open daily from 10 00 A M to 430 P M except on Saturdays holidays and Sundays. The Offices of the Court will howeval remain open on Saturday the 12th July 1975 from 10 30 A M to 1 30 P M

No plaints appeals notition of other documents except those which reads a gen nature all be filed or eceived in the Registry of the Court du ing the above period of vacation. For the convenience of the partie however, the Registry will receive all plaints appeals partied and other documents from 7th July 1975 onwards during off a hours

### S K GUPTA Registrar (Admn)

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th April 1975

No P/767-Admn I — $O_{\rm B}$  his appointment as Deputy Secretary in the Ministry of Shipping and Transport, New Delhi, Shri J V Rao, Under Secretary in the Union Public Service Commission has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 15th April, 1975

### The 16th April 1975

No A 32013/1/75-Admn I—Shri R R Ahir a permanent incer of the Section Officers' Grade of the Central Secre aria service cadre of the Union Public Service Commission in Jinted to officiate in Grade I of the service vide this since it officiate in No. A 3.013/1/75 Admn, I dated 19th Waich 1975 relinquished charge of the office of Under Secrety Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 27th March, 1975

2 On his reversion, Shri R R Ahir, resumed charge of the office of Section Officer Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 27th March, 1975

# The 12th May 1975

No P/1854 Admn I — Shri S N Bajpe an officer of the Indian Postal Service, is appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 3rd May, 1975, until further orders

# P N MUKHERJEE Under Secy

New Delhi 110011 the 22nd April 1975

No A 12022/2/74-Admn I — The Union Public Service Commission has been pleased to allow to continue Shri D R Kohli, a permanent officer of the Selection Grade of the CSS and officiating as Controller of Examinations, Union Public Service Commission as Secretary of the Committee on Recruitment Policy and Selection Methods set up und r the Chair manship of Dr D S Kothan for a further period with effect from the forenoon of 1st March 1975 to 31st December 1975

P N MUKHERJEE Under S cy for Chairman

# Ne Delh -110011 the 19th April 1975

No A 32)14/1 7J-Admn III—In continuation of this office notification No A 32014/1/74-Admn III dated 5-3 75 the President is pleased to appoint Shri G Natarajan a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers Grade of the service for a further period from 16-2 75 to 28 2-75 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/75-Admi III—In continuation of this office notification No A 32014/1/74 Admi III dated 5-3 75 the President is pleased to appoint Shri P D S ivistava a permanent Assistant of the Central Secretariat Sirvice cadre of the IIIII Fit lic Service Commission to officiate in the S ct. n Offices G ade of the service for a further period from 1-2 75 o 28 2-75 or until further orders whichever is earler

No A 32014/1/75 Admi III—In continuation of this office notification No A 32014/1/74 Admi I I do ec 13 12 74 the set of the central Secretariat Service called the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers Gradel of the service for a further period from 1-3 75 to 30 4-75 or until further ordes whichever is earlier

No A 32014/1/75 Admi III—In continuation of this office notification No A 32014/1/74-Admi III da ed 5-3-75 the President's relised to appoint Shir G. K. Samonta i termanent Assistant of the Central Secret int Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the normal 1-3-75 to 30-4-75 of until further intersection to 3-75 whichever is ealier.

P N MUKHFRIFE Under Secy (Incharge of Administration)

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 19th April 1975

No. A.32014/i/75-Admn.H1.—The President is pleased to appoint Shir B. R. Lasia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service endre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 25 days from 3-3-75 to 27-3-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shii S. P. Mathui, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 17-3-/5 to 31-5-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1//5-Admin.HI.—The President is pleased to appoint Snii B. K. Basia, a permanent Assistant of the Central Secretarial service cadio of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 29-3-75 to 17-5-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.3.2014/11/75-Admn.HI.—The President is pleased to appoint Shit H. S. Bhatta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadte of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 24-3-75 to 14-6-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn III.—In continuation of this office nonlication No. A.32014/1/74-Admn.III dated 5-3-75, the President is pleased to appoint Shri Yoginder Nath, a permanent Assistant of the Central Secretarial Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-75 to 31-5-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In continuation of this office Notification No. A.32014/1/74-Admn. III dated 5-3-1975, the President is pleased to appoint Shrips, P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-75 to 15-3-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In continuation of this office notification No. A.32014/1/74-Admn.III dated 5-3-75, the President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretarial Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-75 to 9-5-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 92 days from 3-3-75 to 2-6-75 or until further orders, whichever is earlier.

# The J2th May 1975

No. A.32013/1/75-Admn.l.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Centual Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months from 14-3-75 to 13-6-75 of till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shii T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service w.e.t. 14-3-75 to 9-5-75.

No. A.32013/1/75-Admn.1.—The President is pleased to appoint Shii R. P. Satkartaria, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Umon Public Service Commission to officiate in grade I of the Service for a period of 2 months from 1-3-75 to 30-4-75.

No. A.32013/1/75-Admu,l.—The President is pleased to appoint Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 7 days with effect from 3-3-1975 to 9-3-1975.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. (In-charge of Administration) Union Public Service Commission.

# CABINET SECRETARIAT DEPARTMENT OF PERSONNFL & A. REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th April 1975

No. A,20014/13/75-AD.I.—Consequent upon their promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints S/Shii Rajendra Piasad and G. S. Chavan Sub-Inspectors of Police (Bombay Branch) as Inspectors of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Burcau of Investigation Bombay Branch in a temporary capacity, with effect from 18th March, 1975 (A.N.) until further orders.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer(E)
for Deputy Inspector General of Police
Special Police Establishment

### New Delhi-1, the 1st May 1975

No. A-20023/2/75-AD.V.—Deputy Inspector General of Police, S.P.E. CBl hereby appoints Shri Jayadeva Prasad as public prosecutor, C.B.I., Ambala Branch with effect from the forenoon of the 29th, March, 1975 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer(E) C.B.I.

for Deputy Inspector General of Police, C.B.I.

New Delhi, the 26th April 1975

No. PF/H-56/70-AD.I.—Shri H. N. Pal, an officer of West Bengal State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI Calcutta on the forenoon of 16-2-75 on attaining the age of superannuation. He will avail of the refused leave for 107 days with effect from 16-2-1975.

### The 28th April 1975

No. R-12/72-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. Shekhar IPS (Rajasthan) on deputation to C.B.I., S.P.E. to officiate as Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7-4-75 until further orders.

### The 3rd May 1975

No. A-19036/7/75-AD.V.—The Director, C.B.I. & I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri V. R. Nawathe, permanent Inspector of Police, C.B.I./FOW/Bombay to officiate as Deputy Supdt. of Police in the C.B.I./SPE with effect from 19-4-75 (FN) until further orders.

### The 6th May 1975

No. A.19021/5/75-All.V.—The President is pleased to appoint, on deputation Shri R. Padmanabhan, an I.P.S. Officer of the Kerala Cadre as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation. Special Police Estt. with effect from the forenoon of the 10th April. 1975 until further orders.

### The 15th May 1975

No. A-9/65-AD.V.—Shri A. C. Das, Dy. SP, C.B.1 Ranchi relinquished charge of the office on transfer on the afternoon of 28-2-75.

Shri A. C. Das Dy. SP/CBI assumed charge of the office of Dy. SP/CBI/CIA-II New Delhi on the forenoon of 13-3-1975.

> G. L. AGARWAL, Administrative Officer(E) C.B.I.

### DIRECTORATE OF ENFORCEMENT

### DEPARTMENT OF PERSONNEL

New Delhi, the 4th April 1975

### APPOINTMENTS

F. No. A-11/3/75--Shri R. S. Pathak, Inspector, Central Excise Ahmedabad is appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Agra sub zonal office of this Directorate with effect from 25-3-75 (F.N.) and until further orders.

### The 19th April 1975

No. A-11/4/75.—Shri Jainti Parsad, Inspector of Police, Delhi is appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Delhi Zonal Office of this Directorate, with effect from 4-4-75(FN) and until further orders.

> NRIPEN BAKSI. Deputy Director

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CFNTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st April 1975

No. F-17017/6/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S P Bag Fire Officer, Alloy Steel Plant, Durgapur as

Ex-Otlicio Assistant Commandant, Central Industrial Security Force at Alloy Steel Plant, Durgapur with effect from 23rd March, 1975 in terms of Sub-Section(1) of Section 4 of the USF Act, 1968, until further orders.

# The 5th May 1975

No E-38013(3)/1/75-Ad.J—On transfer to BCCL, Jharia, Shri S K. Chadha, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bhilai Steel Plant, Bhilai, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 9th April, 1975.

No. E-16014(1)/2/74-Ad.I—On transfer from Bihar State Police. Shii Vijay Sinha, assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, Bharat Coking Coal Limited, Jharia, with effect from the forenoon of 15th April 1975.

### The 7th May 1975

No. E-38013(3)/1/75-Ad.I-On transfer from Bhilai, Shri S. K. Chadha, assumed the charge of the post of Assistant Commandant. Central Industrial Security Force Unit, Bharat Coking Coal Limited, Jharia with effect from the forenoon of 18th April 1975.

I. S BISHT, Inspector General

### SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad 500252, the 12th May 1975

No. 41/12/74-Estt -On his selection to the post of D.I.G. in the B.S.F. Shri A. A Ali, an I.P.S. Officer from the Madhya Pradesh Cadre and posted as Assistant Director in the Academy, relinouished charge of his Office in the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy in the afternoon of 19-

> HARPAL SINGH, Deputy Director (Admn.).

# DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110001, the 19th April 1975

No. F. 3/22'74-Ests (CRPF)—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis the following Assistant Commandants as Commandants in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Their postings and the date of handing/taking over charge are indicated against each :-

Sl. Name No.	Rank & unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
1. Shri N.S. Thakre	Asstt. Comdt, GC Poona	5-2-75 (AN)	Commandant 42nd Bn	15-2-75(FN)
2. Shri M.K. Mukerjee	Asstt. Comdt. 27th Bn	12-3-75 (FN)	Commandant 26th Bn	14-3-75 (AN)
3. Shri M.M. Khan	Asstt./Comdt, DAD(P) Dte. Genl.	21-2-75 (FN)	Commandant 15th Bu	1-3-75 (FN)
4. Shri R.S. Gill	Asstt, Comdt. 11th Bn	15-3-75 (AN)	Commandant 14th Bn	16-3-75 (AN)
5. Shri Swaran Singh	Asstt. Comdt./Vice Principal RTC, I	24-3-75 (FN)	Commandant 22nd Bn	5-4-75 (FN)
6. Shri S.B. Lall	Asstt, Comdt. 3rd Sig Bn	14-3-75 (AN)	Commandant 2nd SigBn	21-3-75 (FN)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th October 1974

Ref. F. No. Acq./180/KNP/74-75/1864.-Whereas, I, Y. Khokhar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 122/236-E situated at Fazal Canj, Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 16-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ganga Prasad Jaiswal S/O Sri Bahadur Ram Sah, R/O 85/40, Cooperganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Yash Pal Singh, Jasveer Singh, & Prediam
Singh Ss/O S. Gyan Singh, and Smt. Sumitradevi
W/O S Gyan Singh, R/O 105/702, Anand Bagh,
Kanpur (Transferees).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THIS SCHEDULE

Immovable property No. 122/236-E. Fazalganj, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 31,500/-. Total area 1260 Sq. yards.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-10-74.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th October 1974

Ref. No. F. No. Acq/180/M Nagar/74-75/1894.--Whereas, I, Y. Khokar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muzaffarnagar on 12-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of. transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri L. Hari Raj Swatup s/o L. Sukhbir Sinha Rambagh, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansunpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Sceretary Muzaffarnagar.

(Transferce)

(3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj

- Hansraj Bodh Raj Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
- Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram Pvare Lal S/o Shri Jua Ram

- 10.
- rvare Lai S/o Shri Jua Ram Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram Tek Chand S/o Shri Ram Chander Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal Baburam Chammanlai S/o Shri Jiwan Das Sohan Lai S/o Shri Shivcharan Das Sham Lai S/o Shri Hari Chand Diwan Chand
- 13.
- 14. 15.
- Afzal Ahmad Nafls Khan Prem Chand S/o Shri Asha Ram 16.
- Ram Mohan S/o Shii Tara Chand Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar Madan Lal S/o Shri Som Nath Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma 18. 19
- 20.
- 15--96GI/75

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar (Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.)

Smt. Vedwati Swarup (Individual)

Shii Gopel Raj Swarup (Individual)

Shri Madhav Kumar Swatup (H.U.F.) Shri Arun Kumar Swatup (H.U.F.) Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj

Swarup (Individual)

Swarup (Individual)
Shri Brahma Swarup (Individual)
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)
Shri Govind Swarup (Individual)
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

(Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzassarnagar.)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of:

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages cowshed etc., built 4000 sq. yds, with plinth area only of 17959 sq. ft.
  - (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
  - (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.-86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
  - (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
  - (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq.
  - (4) Romaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.

    Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Dist. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.

    Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
    - (1) Ground floor: 15859 sq ft. Upper Story: 2000 sq. tt.
    - (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR.

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-10-74.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th October 1974

Ref. No. F. No. Acq/M Nagar/74-75/179/1896 -- Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of

the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

situated at Sukhbir Sinha Park 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis\_ tering Officer at

Muzaffarnagar on 12-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Vidyawati Swarup w/o Lala Hari Raj Swarup Ram Bagh Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansunpur, Distt. Muzaflarnagar through Shri Shiam Sunder Garg Secretary, Muzaffarnagar.

(Transferee)

- (3) I. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram 2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
  - $\tilde{3}$ . Om Prakash Hansraj
  - Hansral Bodh Raj 4.
  - Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
  - Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
  - 5. 6. 7. 8.
  - Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
  - Tek Chand S/o Shri Ram Chander Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal 10.
  - Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
  - Sohan I al S/o Shri Shivcharan Das
  - 13. Sham Lal S/o Shri Hari Chand
  - Diwan Chand

  - 16.
  - 17.
  - Afzal Ahmad Nafis Khan
    Prem Chand S/o Shri Asha Ram
    Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
    Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
    Madan Lal S/o Shri Som Nath
    Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz 18.
  - 19.
  - 20. U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

-Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)

Shri Gopal Raj Swarup (Individual)

Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.) Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Brahma Swarup (Individual) Smt. Jyotsna Swarup (Individual)

Shri Govind Swarup (Individual)

Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.) Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

-Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of:

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
  - (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
  - (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.-86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
  - (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
  - (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
  - (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. vds. total

area 50475 sq. yds.

Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH
Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST,
Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.

Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

(1) Ground floor: 15859 sq ft. Upper Story; 2000 sq. ft.

(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds all single storied.

Apparent consideration of Rs, 22,500/- only,

# Y. KHOKHAR,

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-10-1974.

Soal:

### FORM ITNS .

### NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th October 1974

Ref. No. F. No. Whereas, I. Y. Khokar, Acq/M Nagar/74-75/178/1895.--

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sideration therefor by more than fifteen per cent of (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been

transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering Officer at

Muzaffarnagar on 12-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent conaderation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-269D of the said Act to the section (1) of section following persons namely:

(1) Shri Atun Kumar Swarup s/o Lala Hari Raj Swarup Rambagh, Muzaifarnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industrics Ltd. Mansurpur, Distt, Muzaffarnagar through Shri Shram Sunder Garg, Secretary Muzaffarnagar. (Transferce)

(3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram

Lal Chand S/o Shri Topan Das

Om Prakash Hansraj

Hansraj Bodh Raj

- Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
- Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
- 3. 4. 5. 6. 7. 8.
- Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram Tek Chand S/o Shri Ram Chander
- 9. 10. Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
- Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das 11.
- 12. 13. Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das Sham Lal S/o Shri Hari Chand
- 14. Diwan Chand
- 15. Afzal Ahmad Nafis Khan
- 16.
- 17.
- Arzai Ahmad Natis Khan
  Prem Chand S/o Shri Asha Ram
  Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
  Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
  Madan Lal S/o Shri Som Nath
  Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
  U.P. Steels Ltd., through Shri Bruhma 18.
- 19. 20.

- Swarup, Chairman, Muzaffarnagar
- -Tenants of Sukhbir Sinha Park 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)

Shri Gopal Raj Swarup (Individual) Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)

Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Brahma Swarup (Individual) Smt. Jyotsna Swarup (Individual)

Shri Govind Swarup (Individual)

Shri Hari Raj Swarup (Individual) Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.) Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.) Shri Keshar Kumar Swarup (H.U.F.)

-Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used begain as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of;

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
  - (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
  - (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.-86 trees.
- B. (1) Single storied pueca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
  - (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sg. yds.
  - (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. vds.
  - (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.
    Bounded on NORTH by Bhopa Road. SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc. WEST, Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
    - (1) Ground floor: 15859 sq ft. Upper Story: 2000 sq. ft.
    - (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range. Kanpur.

Date: 10-10-1974,

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th October 1974

Ref. No. A. No. Acq/M Nagar/74-75/177/1893.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Acq/M Nagar/74-75/177/1893.---

Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muzaffarnagur on 12-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiof section 269C. sition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Madhav Kumar Swarup s/o Lala Hari Raj Swarup Rambagh, Muzastarnagar

(Transferor)

(2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar, (Transferee)

(3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram 2. "Lal Chund S/o Shri Topan Das

3. Om Prakash Hansraj

4.

Hansrai Bodh Rai Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram Pyare Lai S/o Shri Jua Ram

Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram Tek Chand S/o Shri Ram Chander

10.

Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das

Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das Sham Lal S/o Shri Hari Chand 12. 13.

Diwan Chand

Afzal Ahmud Nafls Khan

Prem Chand S/o Shri Asha Ram Ram Mohan S/o Shri Tara Chand 17.

Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar Madan Lal S/o Shri Som Nath 18.

Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma 20. 21.

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

-Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)

Shri Gopal Raj Swarup (Individual)

Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.) Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual).

Shri Brahma Swarup (Individual) Smt. Jyotsna Swarup (Iindividual)

Shri Govind Swarup (Individual)

Shri Hari Raj Swarup (Individual) Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.) Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)

-Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Abjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of:

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth arae only of 17959 sq. ft.
  - (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
  - (3) Other agricultural land 18910 sq. yds,-86 trees.
- B. (1) Single storied pueca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
  - (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
  - (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road in 260 sq. vds.
  - (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.
    Bounded on NORTH by Bhopa Road,
    Station Road, etc. EAST Distt. Courts,
    Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.
    Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area, WEST.

(1) Ground floor: 15859 sq ft. Upper Story: 2000 sq. ft.

(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-10-1974.

### FORM ITNS \_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th October 1974

Ref. F. No. 182/9cq/KNP/74-75/1871.—Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/150-A situated at Swaroop Nagar, Kanpur

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kanpur on 19-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 I. S/Sri Vinod Kumar Agarwal and Ashok Kumat Agarwal, 7/150-B, Swaroopnagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) S./Sri Anand Kumar Agarwal, Dilip Kumar Agarwal, Vasant Kumar Agarwal & Lalit Kumar Agarwal, 58/46, Birnana Road, Kanpur.

(Transferce)

(3) M/S Sita Ram Sriniwas, 7/150A, Swaroop Nagar, Kanpur. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property No. 7/150-A, situated at Swaroop Nagar, Kanput transferred for apparent consideration of Rs. 1,25,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 9-10-74.

### FORM I.T.N.S.-

(1) Shrimati Salma Khatoon,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Nayeema Momen.

(Transferec)

(3) Shri C. J. Croet

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

# OFFICE OF THE INSPECTING · ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

Calcutta-16, the 28th April 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-311/C-298/Cal-2/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

No. 30, situated at Circus Avenue, Cal-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Scaldah on 26-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the registering Officer at

to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

# THE SCHEDULE

Front portion of premises No. 30 Circus Avenue Cal-17 containing an area of 3 Kottahs of land,

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:--

Date: 28-4-75

--<u>--</u>-

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2826/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. 'Park House' bearing Municipal No. 850 (New No. 12) Mirza Road, Nazarabad Mohall, Mysore with a Sital area of 12100 Sq. Yards.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Head Quatters, Sub-Registrar, Mysore Doc. No. 1742/74-75 on 14-8-1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

- (1) Shrimati Maharaj Kumari Vishalakshidevi Avaru Trust, Jagan Mohan Palace, Mysore represented by Trustee :-
  - (1) Her Highness Smt. Tripurasunarammann) Avaru.
  - (2) Suvararaja Scikantadatta Navasimharaja Wadiyar.
  - (3) Shri H. N. Pallegar, IAS(Retd).

(Transferors)

- (2) (1) Shri B. S. Somasekharaiah S/o Shri B. S. Subbanna.
  - (2) Smt. M. B. Rajeswari W/o B, S. Somasekharaiah Temple View' 65, Il Stage, Jayalakshmipuram, Mysorc-2.

(Transferees)

(3) The President No. II, Air Force Selection Board, Summer Palace Road, Mysore-10. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

'Park House' bearing Municipal No. 850 (New No. 12), Mirza Road, Nazarabad Mohalla, Mysore with a sital area of 12,100 Sq. Yards.

### Measurements:

North to south on the Eastern side 513' Western side 540' East to west on the Northern side 182' Southern Side 232'

### Boundaries :

North by Mirza Road. South by Ickranjan Mahal Road, East by Lands of the Trust. West by vacant land belonging to Shii H. N. Pallegar. Doc. No. 1742/74-75 dated 14-8-1974.

> R. KRISHNAMOORTHY, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

> > Acquisition Range, Bangalore,

Date: 21-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### · GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. C.R. 62/2871/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Upstair building Municipal No. 11 (old No. 23/25) situated at puttanna lane, Police road cross, 18th Division,

Bangalore City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore-9. Document No. 2123/74-75 on 20-8-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Puttananjappa and
  - (2) Smt. P. Leclavathamma, No. 31, 36th Cross, VIII Block Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri N. Govindarajalu Naidu, S/o Late Shri Narasimhalu Naidu, Nos. 8 & 9, Chidambaram Madaliar lane, Jalimohalla, Bangalore-53.

(Transferee)

- \*(3) (1) Shri R. Chinnaswamy S/o Inte C. Ramaiah,
  - (2) Ratanlal Narothamdas
  - (3) Janardhana Naidu,
  - (4) S. M. Jayaram
  - (5) Ranganathan
  - (6) S. M. Jayaram
  - (7) T. Ramakrishna
  - (8) Kapilaswami Chettiar
  - (9) Lakshminarayana Naidu N. S.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Upstair building bearing Municipal No. 11 (old No. 23/25). Puttanna lane, Police road cross, 18th Division, Bangalore City, Site area: 3825,5 sq. 1t.

Document No. 2123/74-75 dated 20-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-4-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORF-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2876/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. The property being vacant land forming the western one-third portion of site No. 16 situated at palace Orchard Extension on Sankey road and now bearing Corporation No. 12, 2nd Main Road, Sadashivanagar, 45th Division Bangalore-6.

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560 009, Document No. 2254/74-75 on 21-8-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16-96GI/75

- Shri Joachim Alva,
   No. 28, Rajendra Piasad Marg, New Delhi.
   (Transferor)
- (2) Shri Narayan B. Shinde,
   No. 208 Upper Palace Orchards, Sankey Road,
   Bangalore-560 046.
   (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land, forming the western one-third portion of site No. 16., in the City Improvement Trust Board Layout in Palace Orchard Extension and now bearing Corporation No. 12, 2nd Main Road Sadasivanagar, 45th Division, Bangalore-6, and having the following boundaries:—

Measurements of the Plot sold:

East to West: 25'
North to South: 120'

Document No. 2254/74-75 dated 21-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 21-4-1975

Seal ·

FORM I.T.N.S.-

(2) Shri R. Narayanappa, S/o Rajappa, No. 24, I Cross. Rajappa Block, Munireddipalyam, Bangalore-560 046.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2881/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore-560 027, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. The property being a vacant plot of land measuring One Acre and 15½ guntas of portion of land situated at in S. No. 67 (now known as 67/1) K. G. Baiderahalli, Civil Station, Bangalore-560 046.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560 009 Document No. 2281/74-75

on 22-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Hazarimull Multanmull, by partner:— S/Shri (1) H. Sampathraj,
  - (2) C. Siremal
  - (3) Smt. Sundara Bai. 59, Pulyar Koli Street, Ashok-Nagar, Bangalore-25.

(Transferor)

Date : 21-4-1975

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property being a vacant plot of land measuring One acre and 13½ guntas of portion of S. No. 67 (now known as 67/1), in K. G. Baiderahalli, Civil Station, Bangalore-560 046.

Document No. 2281/74-75 dated 22-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2882/74-75/ACQ(B).—Whereas, I KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant plot of land measuring one acre and 151 guntas of portion of S. No. 67 (now known as 67/1), K. G. Baiderahalli, Civil Station, Bangalore-46. more fully described in annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 2282/74-75 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Mazarimull Multanmull, by partners:-Shri
  - (1) H. Sampathraj.
  - (2) C. Siremal,
  - (3) Smt. Sundara Bai, No. 59, Pulyar Koil Street, Ashoknagar, Bangalore-25.

(Transfero

(2) Shri R. Sonnappa, S/o Rajappa, No. 24, 1 Cross, Rajappa Block, Munireddipalyam, Bangalore-560046. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

The property being a vacant plot of land measuring one acre and 15½ guntas of portion of S. No. 67 (now known as 67/1), K. G. Baiderahalli, Civil Station, Bangalore-560 046.

Document No. 2282/74-75 dated 22-8-1974,

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 21-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2922/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore-560 027, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafted referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building 'Kismet' bearing Municipal Door No. 1319/6 Old and New No. 24. (sital area: 16,819 sq. yards) situated at Eastern Extension, Nazarbad Mohalla, Mysore City, (and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Headquarters Sub-Registrar, Mysore, Document No. 2130/74-75 on 26-8-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati H. H. Maharani Lakshammanni Avaru, Educational Trust, represented by the Searctary, Sirdar M. Cheluve Urs, The Palace Mysorc, (Transferor)
- (2) Shri M. B. Ramesh, S/o. Shri C. Basavaraj Urs, Proprietor : Sri Chamundi Motor Service, Chandra Gupta Road, Mysore. (Transfedee)
- (3) Shri M S Bedi [Person(s) in occupation of the property],

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building 'Kismet' bearing Municipal door No. 1319/6 old and New No. 24, in Eastern Extension, Nazarbad Mohalla, Mysore City.

Site area: 
$$\frac{450'+425'}{2} \times 350'-342' \rightarrow 1,51,375 \text{ sq.ft.,or}$$

16,819sq.yards.

nearly 32 acres.

Document No. 2130/74-75 dated 26-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 21-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Shri K. V. Narayana Chetty S/o, late Venkatanna, No. 7, Subramanya I.ane, Akkepet Cross, Bangalore-2.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2943/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, -R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore-560 027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Premises No. Old 281, New No. 21, situated at (281/2-2) in 4th Main Road, Kempegowda Nagar (Division No. 30), Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, Bungalore-560 004 Document No. 2511/74-75 on 29-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Rajamma, W/o late M. Bhoja Rajalu Naidu, No. 440, Middle School Road, V. V. puram, Bangalore-560 004. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Premises No. Old 281, New No. 21, situated at (281/2-2,) in 4th Main Road, Kempegowda Nagar, Bangalore.

(Division No. 30),

Sita area : 46'X50' = 2.300 sq. ft.

Document No. 2511/74-75 dated 29-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 21-4-1975

Scal:

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V,

54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16 Calcutta-16, the 28th April 1975

Ref. No. AC-1/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,

being the competent autho-

rity under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/\_ and bearing

No. situated at Mouza Sijberia, Pargana Balia, P. S. Uluberia, Dist-Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 26-8-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely:—

(1) M/s. Mafatlal Industries Ltd., Asrwa Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. New Gujrat Cotton Mills Ltd., 16A Brabourne Road, Calcutta-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of lands containing by estimation a total area of 31.35 acres more or less together with all the buildings sheds, out-hours, godowns and other constructions or structures, jetty, and all fixed plant and machinery erected, built, attached, fixed or situated on the said lands or on parts thereof and appurtaining to and known as 'Gagalbhai Jute Mills' comprised in the following Dag Nos. and Khatian No. lying at and being in Mouza Sijberia, Pargana Balia, Thana and Sub-Registration Office Uluberia in the District of Howrah in the State of West Bengal.

R, S. Khatian No.	Dag No.	R. S. Khatian No	Dag No
287	1590	588	1642
288	1594	**	1576
292	1623	,,	1578
585	1573	**	1572
n	1629	,,	1573/1671
318	1598	33 4	1599
586	1567	**	1701
,,	1568	326	1575/1670
**	1569	484	1567/1667
,,	1570	,,	1629/1668
,,	1571	,,	1585/1669
,,	1574	39	1628
,,	1630	,,	1667/1700
33	1599/1672	446	1687/1695
,,	1567/1674	11	1668/1696
12	1630/1675	11	1566
"	1642/1676	325	1575
23	1645/1694	325/6	1577
587	1631	325/2	1600
**	1639	580	1620
,,	1641	1,	1624
"	1567/1673	327	1638
588	1636	514	1567/1699
,,	1640		

As per deed No. 1-5284 of 1974 registered in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range—V,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
3rd Floor, Calcutta-16.

Date: 28-4-75

Scal:

# FORM ITNS----

(2) The Chartered Bank,

4, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) The transferor hereto,
(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-II, (3rd Floor). 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 29th April 1975

Ref. No. Ac-2/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/6/1, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Registrar of Assurances, Calcutta on 27-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

5.42% share of 5-Bighas, 18-Cottahs, 4-Chittaks and 40-Sq. ft., premises No. 8/6/1, Alipore Road, Calcutta, being flat Nos. 6 and 20.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

The Eastern Bank Limited,
 Netaji Subhas Road, Calcutta,

S. S. INAMDAR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,

(3rd Flood), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 29-4-1975.

Seal:

(Transferor)

Sri Ganesh Chandra Saha & Others,
 Surya Sen Street, Calcutta-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Janaki Deví Keshari, 48A, Circular Garden Reach Road, Calcutta-23.

(Transferee)

(3) The transferor hereto,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, (3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 29th April 1975

Ref. No. Ac-3/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48 & 48/1 & ors, situated at Circular Garden Reach Rd., Calculta-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrar 24-Prgs, Alipore on 8-8-1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

110-Bighas of land at premises Nos. 48 and 48/1 and others, Circular Garden Reach Road, Calcutta.

S. S. INAMDAR
Acquisition Range-II,
(3rd Floor). 54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 29-4-1975.

Scal:

(3) Shri C. J. Creet.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, (3rd Floor), 54, RAFI AHMFD KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 28th April 1975

Ref No. TR-310/C-297/Cal-2/74-75.—Whereas, I S. K. Chakravarty

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30, situated at Circus Avenue, Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 14-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arssing from the transfer;
  and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Salma Khatoon,

(Transferor)

Date: 28-4-75

(2) Shrimati Nayeema Momen.

(Transferee)

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of premises No. 30 Circus Avenue, Calcutta-17, containing an area of 3 K 2 Ch 30 sq. ft, of land.

# S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

17-96GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, (3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 258/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I L. K. Balasubramanian

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 230, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule

annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer Alipore on 6-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sri Rajendra Prosad Agarwalla.
 230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta.
 (Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Rawala8 Jamadar Khan Lane, Calcutta.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all piece and parcel of land measuring 6 cottahs 4 chittacks more or less together with a partly two storied building thereon being the south-western portion of premises No. 230 Acharya Jagdish Bose Road, Calcutta as per deed No. 5622 of 1974 registered before the Dist Registrar Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 1-5-75,

Scal;

Shri Raj Kumar Rawala
 Jamadar Khan Lane, Calcutta.

perty may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, (3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 257/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, J. L. K. Balasubramanian

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 230, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 6-8-74

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereb vinitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhawani Prosad Agarwalla 230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta. (Transferor) Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all piece and parcel of land measuring 6 cottahs 4 chittacks more or less together with a partly two storied building thereon being the south-western portion of premises No. 230 Acharya Jagdish Bose Road, Calcutta as per deed No. 5622 of 1974 registered before the Dist, Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
(3rd Floor), 54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 1-5-75.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, (3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 256/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I. L. K. Balasubramanian

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 230, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Alipore on 6-8-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Vinoy Kumar Agarwalla
 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Rawala8 Jamadar Khan Lane, Calcutta.

(Transferee)

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1.25th share in all piece and parcel of land measuring 6 cettahs 4 chittacks more or less together with partly two storied building thereon being the south-western portion of premises No. 230 Acharya Jagdish Bose Road, Calcutta as per deed No. 5622 of 1974 registered before the Dist Registrar Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
(3rd Floor), 54. Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16.

Date: 1-5-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI
AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

### Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 255/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian

being the competent authority under section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 230, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as pc1 deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shu Lalit Mohan Agarwalla 230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta. (Transferor).
- (2) Shri Raj Kumar Rawala 8 Jamadar Khan Lane, Calcutta. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all piece and parcel of land measuing 6 cottahs 4 chittacks more or less together with a partly two storied building thereon being the south-western portion of premises No. 230 Acharya Jagadish Bose Road Calcutta as per deed No. 5743 of 1974 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
(3rd floor), Calcutta-16.

Date: 1-5-1975.

8 Jamadar Khan Lanc. (2) Shri Raj Kumar Rawala (Transferee). Calcutta.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 254/Acq.R-III/75-76/Cal.-Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 230 situated at Acharva Jagadish Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 6-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Ghanashyamdas Agarwalla 230, Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an yother persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all the piece and parcel of land measuring 6 cottahs 4 chittacks more or less together with a partly two storied building thereon being the south western portion of premises No. 230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta as per deed No. 4357 of 1974 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24-Pgs.

> L. K. BALASUBRAMANIAN, . Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16.

Date: 1-5-1975.

Seal:

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 29th April 1975

Ref. No. BTD/58/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideratoin therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Angrej Singh, Pritam Singh ss/o Shri Karpal Singh r/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) S4Shri Baldev Singh Sukhdev Singh, Jagdev Singh ss/o Rattan Singh r/o Bir Behram.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3733 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

### AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1975

Ref. No. BTD/59/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Bhatinda (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Angrej Singh and Pritam Singh ss/o Shri Kirpal Singh r/o Bhatinda. (Transferor)
- (2) S/Shri Roop Singh Man and Jagir Singh s/o Ujagar Singh r/o Kotli Khurad. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3732 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29-4-75. Seal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1975

Ref. No. BTD/60/75-76.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties.

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Baldev Singh s/o Shri Gurdial Singh s/o Mohinder Singh r/o Khiala Kalan.
 (Transferor)

(2) Shri Ram Avtar Aggarwal c/o Arvind Printing Press, Opposite Hospital, Bhatinda. Shri Jagdish Chand s/o Shri Tek Chand r/o Khaddi Kalan Distt. Sangrur. Behari Lal Chhotu Ram ss/o Radha Ram s/o Madho Mal, Tapa Mandi Distt. Sangrur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3579 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR
Competent Authorit
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-T:
Acquisition Range, Amritsa

Dated: 29-4-75.

Scal:

18---96 GI/75

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1975

Ref. No. FDK/61/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Dogar Basti Faridkot,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Faridkot in August on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said of I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under b-section (1) of section 269D of the said act to the follow-persons, namely:—

 Shri Kapoor Chand, Sohan Lal, Mohan Lal, Joti Ram ss/o Shri Wadhau Mal V. Arrayan Wala Kalan Tehsil Faridkot.

(Transferor)

(2) Shiri Birjinder Singh Kuldeep Singh s/o S. Jagir Singh V. Faridkot Tehsil & District Faridkot.

- (3) As at S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The tetms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2133 of August, 1974 of the Registering Authority Faridkot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Amritsar.

Date: 29-4-75,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1975

Ref. No. FDK/62/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Harindera Nagar FaridLot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in August, on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Birjinder Singh s/o Shri Jangir Singh r/o Faridkot.

  (Transferor)
- (2) Gurjinder Kaur w/o Shri Gurbachan Singh, Gurtej Singh, Gurbachan Singh ss/o Shri Nihal Singh r/o Faridkot.
  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2105 of August, 1974 of the Registering Authority, Faridkot,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Amritsar.

Date: 29-4-75.

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-

Amritsar, the 29th April 1975

ever period expires later;

Ref. No. FDK/63/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land, situated at Harinder Nagar Faridkot,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Rcgistering Officer at

Faridkot in August on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income actising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) Shri Birjinder Singh s/o Jangir Singh r/o Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Gurjinder Kaur w/o Shri Gurbachan Singh s/o Nihal Singh, Gurtej Singh, Gurbachan Singh ss/o Shri Nihal Singh s/o Shri Pohla Singh, Faridkot. (Transferce)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same, meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2117, of August, 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29-4-75.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF JNDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd May 1975

Ref. No. BTD/72/75-76.Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. Land, situated at Talwandi Sabo, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Talwandi Sabo in August on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) for facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to following persons namely:—

- Shri Bhagwant Singh s/o Shri Hazura Singh, GA of Smt. Inderjit Kuar Wd/o S. Jagdeep Kaur Shri Shamsher Singh, Taiwandi Sabo & Simrat Kaur w/o Shri Ajit Singh s/o Shri Dalip Singh Pahare, Tript Kaur w/o Shri Harcharan Singh s/o Shri Bahal Singh, Chandigarh.

  (Transferor)
- (2) S/Shri Jaspal Singh, s/o Shri Gurdit Singh s/o Shri Inder Singh, Atma Singh, Partap Singh & Gurjant Singh ss/o Shri Gurdit Singh s/o S. Inder Singh, Harmit Singh s/o Shri Jagdev Singn s/o Harpal Singh of Bhagwan Pura.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1521, of August, 1974 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

V. R. SÁGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.

Acquisition Range-Amritsar.

Date: 2-5-75.

(1) Shri Major Kuldip Singh s/o Balwant Singh r 10 Attari Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/70/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at V. Hardoratan,

(and more fully described in the Schedule an-

nexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Amritsar in August on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (2) Shri Mukhtai Singh s/o Shri Chanchal Singh r/o Rattan Kalan Teh. Tarn Taran. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5395 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Amritsar.

Date: 1-5-75.

Scal:

Form 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

# GOVERNMENT OF INDIA

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/71/75-76.—Whereas, I, V. R. Sargar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. I and, situated at V. Hardorattan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at

Amritsar in August on 1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Major Kuldip Singh s/o Shri Balwant Singh r/o Attari Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

(2) Shri Kirpal Singh s/o Shri Labh Singh r/o Rattan Kalan Teh. Tarn Taran.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5394 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commaissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Amritsan.

Date: 1-5-75.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. GDB/41/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Property, situated at Lambi Road, Gidderbaha,

(and more fully described

in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidderbaha in September, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri M/s Ram Narain Shivji Ram, Cotton Ginning Mills, Lambi Road, Gidderbaha District Faridkot (through GA Shri Ram Narain s/o Shri Dhani Ram) (Transferor)
- (2) Smt. Lakshmi Devi w o Shri Birbal Dass c/o M/s. Ram Narain Shivji Ram, Commission Agents, Mandi Giddetbaha Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 577 of September, 1974 of the Registering Authority. Gidderbaha.

V. R. SΛGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 1st May 1975

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1975

Ref. No. GDB/42/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Lambi Road, Gidderbaha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidderbaha in September, 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the spid Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

19—96 GI/75

- (1) M/s Ram Narain Shivji Ram Cotton Ginning Mills, Lambi Road, Gidderbaha District Faridkot through GA Shri Ram Narain s/o Shri Dhani Ram. (Transferor)
- (2) Shri Maya Devi w/o Shri Om Parkash, Smt. Bachni Devi w/o Shri Des Raj c/o M/s Ram Narain Shivji Ram, Commission Agents, Mandi Gidderbaha District. Faridkot. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 579 of September, 1974, of the Registering Authority, Gidderbaha.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Commission
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 30-4-75.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ABR/43/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop, situated at Abohar Mandi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar in September, on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri Vishnu Narain s/o Shri Lachmi Narain, through Shri Lachhi Ram, Petition writer, Gidderbaha District Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Hari Chand s/o Shri Jethu Ram, Vijay Kumar, Shiv Kumar ss/o Shri Hari Chand, Smt. Chambeli Devi w/o Shri Hari Chand, Sudesh Kumari d/o Shri Hari Chand Mal Godam Road, Dhuri Teh. Malerkotla. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Puran Chand, Kanshi Ram, Shri Roshan & Shri Ram Saroop.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property (shop cum residence building) as mentioned in the Registered Deed No. 1435 of September, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

> V. R. SAGAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-5-75.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 1st May 1975

Ref. No. BTD/44/75-76.--Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sold Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Near Bibiwala Road, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

ment of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

ow, therefore, in pursuance of section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the id property by the issue of this notice under sub(1) of section 269D of the said Act to the following namely:—

 Shri Banarsi Dass s/o Shri Surjan Ram s/o Miria Mal, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Chet Singh s/o Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Bagga Singh r/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3838 of September, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar.

Date: 1st May 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. MNS/45/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Gaushala Road, Mansa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in September, 1974.

for an apparent consideration which ,

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpases of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, is pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balas Ram s/o Shri Roop Chand r/o Mansa.
  (Transferor)
- (2) Dr. Krishan Kumars/Shri Mulakh Ral, Shop No. 765, Block No. 7, Gali No. 10, Mansa. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 765, Block 7, Gali No. 10, Mansa as mentioned in the Registered Deed No. 3401 of September, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-Amritsar.

Date: 1st May 1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. MNS/46/75-76—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Gaushala Road, Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Mansa in September on 74

has been transferred under the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).
- Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of afores aforesaid property by the issue of this notice section r sub-section (1) of section 269D of the said Act to the persons, ing persons, namely:—

(1) Shri Ram Gopal s/o
Shri Sagar Mal r/o Amritsar Special Attorney
Shri Ashwani Kumar s/o Brij Lal
r/o Kanpur (39 Mall, Amritsar).

(Transferor)

(2) Shrimati Pushpa Devi w/o Shri Kundan Laj pasi s/o Shri Ram Lal House No. 784, Ward No. 2 Gaushala Road, Gali No. 1 Mansa.

(Transferec)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 784, Ward No. 2, Gali No. 1, Mansa as mentioned in the Registered Deep No. 3397 of September, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 1-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1975

Ref. No. MNS/47/75-76---Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property, situated at Mansa (and more fully described in

the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office

at Mansa in September on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Charanji Lal,
Bhagirath Sain s/o Shri Milkhi Ram r/o
Mansa Kalan.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Shop No. 826, Block No. 7, Gali No. 19, Gaushala Road, Mansa as mentioned in the Registered Deed No. 3371 of September, 1974 of the Registering Authority Mansa.

V. R. SAGAR,

Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

 Shri Hem Raj s/o Shri Chauan Ram, shop keeper, Nai Mandi, Mansa.

Dute: 30-4-75

Seal:

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1975

Ref No. MNS/48/75-76—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to helieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property, situated at Mansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mansa in September, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hem Raj s/o Shri Chanan Ram, shop keeper, Nai Mandi, Mansa. (2) Shri Charanji Lal, Bhagirath Sain s/o Shri Milkhi Ram r/o Mansa Kalan Teh. Mansa.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 826, Block No. 7, Gali No. 19, Gaushala Road, Mansa as mentioned in the Registered Deed No. 3372 of September, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-4-1975

Seal:

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1975

Ref. No. ASR/49/75-76---Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Property, situated Misri Bazar, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in September, 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income erising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Prithvi Chand & Brij Mohan s/o Shri Purshotam Dass r/o 67 Shakti Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati 'Kanilesh Kumari D/o Shri Gokal Kishan. Chand w/o Shri Brij Mohan r/o 67 Shakti Nagar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grante.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2030 of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-4-75

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/50/75-76-Whereas, J. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Rayya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baba Bakala in September, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely: —

20-96GI/75

(1) Shri Rattan Singh s/o Shri Chanchal Singh V. Bala Chak Teh. Tarn Taran, (Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur w/o Iqbal Singh, Near Sales Tax Office, Plot No. 3A Court Road, Amritsar. Smt Jagtar Kaur w/o Dasaundha Singh, 54. Court Road, Amritsar. Smt. Sukhwinder Kaur w/o Shri Balbir Singh r/o Shaheed

(Transferec)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom. the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1192 of September, 1974 of the Registering Authority, Baba Bakala.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-5-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/51/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Rayya,

(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baba Bakala in September, on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdial Singh s/o Shri Bua Singh V. Bala Chak Teh. Tarn Taran. (Transferor)
- (2) Sh. Karnail Singh s/o Ujugar Singh, Gurdial Singh, Amrik Singh ss/o Karnail Singh, Amarjit Singh s/o Karnail Singh, V. Kala Nangal Teh. Batala, Parkash Kaur w/o Iqbal Singh, Near Sales Tax Office, Asr. Jagtar Kaur w/o Dasaundha Singh, 54 Court Road, Asr. Sukhwinder Kaur w/o Balbir Singh r/o Shaheed. Tch. Pattl.

(Transferce)

\*(3) As at S. No. 2 above and persons occupying the property.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1191, of September, 1974 of the Registering Authority, Baba Bakala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 1st May 1975.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1974

Ref. No. Phg/52/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Plot of land, situated at Phagwara Garbi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in September on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manjoo Mayyar w/o Shri Parmod Kumar s/o Shri Madan Lal c/o Poonam Restaurant, Phagwara. (Transferor)
- (2) Shri Satya Devi w/o Shri Puran Chand r/o V. Naroor Teh. Phagwara.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1177 of September, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-4-75.

Scal:

#### FORM ITNS----

#### (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Amuitsar, the 30th April 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Phg/53/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Plot of land, situated at Phagwara Garbi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in September on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1164, of September, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri Manjoo Nayar w/o Shri Parmod Kumar s/o Shri Madan Lai c/o Poonam Restaurant, Phegwara. (Transferor) V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

(2) Shri Puran Chand s/o Shri Dheju Ram r/o V. Naroor Teh, Phagwara.

persons, namely:--

Date: 30-4-75.

(Transferee)

PART III-SEC. I]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Annitsai, the 30th April 1975

Ref. No. ASR/54/75-76.-Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property, situated at Outside Gate Bhagtanwala, Asr.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amitsar in September, on 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tux Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Teja Singh s/o Shri Bulkka Singh r/o Outside Gate Bhagtanwala, Amiitsar.

(Transferor)

(2) Shri Arjan Singh s/o Shri Jhanda Singh r/o Chur Beri, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]
- (4) Any person interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the 1espective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2198, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-4-75.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1, AMRITSAR

Amilitar, the 1st May 1975

Ref No. ASR/55/75-76.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 1/4th Shop 173-A/13, situated at Sharifpura, Amritsar (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in September 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Shri Jaswant Singh s/o Shri Ishar Singh r/o 675. Sharifpura, Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s Nirankari Finance & Chit Fund, Bz. Chowk Baba Bhori Wala, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. and the tenant M/s Park Hotel and Restaurant Sharifpura, Amritsar. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned konws to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th shop No. 173-A/13, Sharifpura, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2051, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1st May 1975.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/56/75-76.—Whereas, 1, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 2 shop No. 173-A/13, situated at Sharif Pura Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amrik Kaur w/o Shri Gurdip Singh, Kt. Mohar Singh Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri M/s Nirankari Finance & Chit Fund, Br. Chowk Baba Bhori Wala, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S No 2 above, and the tenant M/s Park Hotel & Restaurant, Sharifpura Amiitsar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th shop No. 173-A/13, Sharifpura, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2057, of September, 1974, of the registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range, Amiitsar.

Date: 1st May 1975.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/57/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding  $R_5$ . 25,000/- and bearing

No. 1/4th Shop 173-A/13, situated at Sharifpura, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Amritsar in September, on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Parduman Singh s/o Shri Sant Singh, Sawan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s Nirankari Finance & Chit Fund, Bz. Chowk Baba Bhori Wala, Amritsar.

  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. & tenant M/s Park Hotel & Restaurant, Shaifpura, Amritsar

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th shop No. 173-A13, Sharifpura, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2128, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1st May 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/64/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at V. Tung Pai,

(and more fully

described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Amritsar in September, on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely:

Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Tung Pai Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Kharaiti Lal Mahajan s/o Shri Punnu Mal Kt. Mahan Singh, Kucha Debgran, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned to be (interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person said interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette:

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6208, September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

> (V. R. SAGAR) Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-5-1975.

Seal;

21—96GI/75

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/65/75-76.--Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and, situated at V. Tung Pai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering officer Amritsar in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh Tung Pai Tch. Amritsar.
- (2) Shri Sat Pal s/o Shri Chhaju Ram r/o Kucha Chajju Miser Kt. Ghanyan, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6212, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-5-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/66/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Tung Pai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar in September 1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Tung Pai Teh. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Balraj Mahajan s/o Shri Nagar Mal Mahajan, No. Dayanand Nagar Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6206, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assit, Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-5-75.

#### FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Rcf. No. ASR/67/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Tung Pai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh Tung Pai Teh. Amritsar.

  (Transferor)
- (2) Shri Kidar Nath s/o Shri Amar Nath, Gali No. 3 Bagh Ramanand, Amritsar.

  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6211 of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-5-75.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/68/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Tung Pai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Tung Pai Tch. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi w/o Shri Kharaiti Lal Kucha Dabgran, Katra Mahan Singh Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Decd No. 6213, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Runge
Amritsar.

Date: 1-5-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Rcf. No. ASR/69/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing No. Land, situated at V. Tung Pai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Tung Pai Teh. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Balraj Mahajan s/o Nagar Mal Mahajan, 110 Dayanand Nagar, Amritsar. 2. Kharaiti Lal Mahajan s/o Pannu Mal, Kt, Mahan Singh Kucha Dabgran, Amritsar, 3. Kidar Nath s/o Amar Nath, Gali No. 3 Bagh Ramanand, Amritsar. 4. Şat Pal s/o Chajju Ram Kt, Ghanaya, Asr. 5. Shakunula Devi w/o Kharaiti Lal, Kt. Mahan Singh, Asr.
  (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 6206, 6208, 6211, 6212 & 6213 of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date: 1-5-75.

FORM ITNS-----

(1) Shri Abdul Qyyum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammad Mustafa and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 50-M/Acq.—Whereas, I BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Village Chak Kamaluddin Azamgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Azamgarh on 12-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A house alongwith ahata, court-yard, Saw-machine and Motors situated at Village, Vhak Kamaluddin, Tappa Nandav Distt. Azamgarh.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow.

Date: 22-4-1975

(2) Shri Tusharkanti Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 7—T/Acq.—Whereas, I BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 f- and bearing No.

Plot No. B—185/A situated at Chandganj Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

property may be made in writing to the undersigned-

Objections, if any, to the acquisition of the said

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressic as used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot No. B-185/A measuring 12828 sqr. fts. situated at Chandganj Lucknow.

BISHAMBHAR NATH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

(1) Smt. Savitri Devi.

Date: 22-4-1975

Seal:

(Transferor)

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Lalima Devi and others.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Das and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 20-G/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. K—63/20 situated at Bhoot Bhairo Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 25-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

22-96GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a peiod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A three storeyed house No. K-63/20 measuring 1458-5-Sqr. fts. situated at Mohalla Bhoot Bhairo Distt, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,
Lucknow

Date: 22-4-1975

Scal:

(2) Smt. K. Sarojini Devi, Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/3A/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. 66, 67, 68 69 and 71 situated Lakshmeepuram 2nd St., Courtalam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Tenkasi on September, 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri R. Surendran,
 B2, No. D2 D2 Road,
 Balarengapuram, Madurai-9.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in land measuring about 1.65 acres and building bearing door Nos. 66, 67, 68, 69 and 71 Lakshmeepuram 2nd Street, Courtalam.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 16-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri R. Gobinath, 3 B2, No. D2, D2 Road, Balarengapuram, Madurai-9.

(Transferor)

(2) Smt. K. Sarojini Devi, Madurai.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1. 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/1C/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door
Nos. 66, 67, 68, and 71 situated at Lakshmeepuram 2nd Street

Courtalam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Tenkasi on September, 1974

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in land measuring about 1.65 acres and building bearing door Nos. 66, 67, 68, 69 and 71 Lakshmeepuram 2nd Street, Courtalam.

> K. V. RAJAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-6.

Date: 16-4-1975

(2) Smt. K. Sarojini Devi, Madurai.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/3B/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing door

No. 66, 67, 68, 69 and 71 situated Lakshmeepuram 2nd Street Courtalam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Tenkasi on September, 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri R. Mothilal,
 B2, D2, D2 Road.
 Balarengapuram, Madurai-9.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/5th share in land measuring about 1.65 acres and building bearing door Nos. 66, 67, 68, 69 and 71 Lakshmeepuram 2nd Street, Courtalam.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 16-4-1975

(Transferor) Seal:

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/1B/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

66, 67, 68, 69 and 71 situated Lakshmeepuram 2nd Street Courtalam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office on the Registering Officer

at Tenkasi on September, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesal exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Shri R. Janardanan,
 B2, No. Ds. D2 Road,
 Balarengapuram, Madurai-9.

(2) Smt. K. Sarojini Devi, Thiruppalai Group, Nagankulam, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in land measuring about 1.65 acres and building bearing door Nos. 66, 67, 68, 69 and 71 Lakshmeepuram 2nd Street, Courtalam.

K. V. RAJAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 16-4-1975

(Transferor)

of :--

#### FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (5) Shri Sitta R. Mothilal.3 B2, No. D2, D2 Road, Balarengapuram, Madurai-9.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1. 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/1A/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 66 67, 68, 69 and 71 situated Lakshmeepuram 2nd Street, courtlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenkasi on September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

truly stated in the said instrument of transfer with the object

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which hove not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 369-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Sitta R. Rajaram,
  - (2) Shri Sitta R. Janardanan,
  - (3) Shri Sitta R. Gobinath,
  - (4) Shri Sitta R. Surendran

(2) Smt. K. Sarojini Devi, Thiruppalai Group, Naganakulam, Natham Main Road Kirubanagar, Kirubakaram Bungalow, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring about 1.65 acres and building situated at door Nos. 66, 67, 68, 69, and 71 (R.S. No. 23/2A, 2A, 1A, 1A, 1A, 1A, 1A, 2) Lakshmeepuram 2nd Street Courtalam.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 16-4-1975

(1) Shri V. S. P. Raman, 15. Sannadhi Street, Polur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri T. S. Baba Sahib, No. 8, Jabar Sahib Street, Polur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.
123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 23rd April 1975

Ref. No. F. XX/14/2C/1974-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 96/1 situated at Karunikar Street, Polur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Polur on October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pulsuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 26°D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 84 cents and building in Survey No. 96/1. Karunikar Street, Polur.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax. Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 23-4-1975

(1) Shri V. P. Barathwajan, 15 Sannadhi Street, Polur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Shri T. S. Baba Sahib, No. 8, Jabar Sahib Street, Polur.

> > (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 1

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd April 1975

Ref. No. F.XX/14/2B/1974-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door S. Nos. 97, 98 and 98/1B situated at Karunikar Street, Polur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred unde the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Polur on September 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eaid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring about 65 cents in S. Nos. 97, 98/8 and 98/1B and building at Karunikar Street, Polur.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 23-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd April 1975

Ref. No. F, XX/14/2A/1974-75.—Whereas I K. V. Rajan, being the conpetent authority under section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. S. No. 266 situated Karunikar Street, Polur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Polur on September 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act The following persons, namely:—

23-96GI/75

 M/s. V. S. Pattabiraman & V. P. Anand, No. 15, Samnnadhi Street, Polur. town

(Transferor)

(2) Shri T. S. Baba Sahib, No. 8, Jabar Sahib Street, Polur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring about 11091 sq. ft. and building situated at Karunikar Street Polur and bearing Survey No. 264.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition, Range-1,
Madras-6.

Date: 23-4-1975

#### FORM I.T.N.S.---

(2) Mrs. Shanta, Mrs. Lila Bai Mrs. Hira Bai & Mrs. Kala, 12A & 12B, Govindappa Naicken Street Madras-1.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1975

Ref. No. F. IX/1/41/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing door No. 12A and 12B situated Govindappa Naick St., Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras on September 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohammed Adam Sait 14, Marshall Road, Madras-8. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring about 2301 sq. ft. and building at door Nos. 12A & 12B, Govindappa Naicken St. Madras-1 (R.S. Nos. 10566/1 & 10566/2).

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 29-4-975

(Transferor)

(1) Shri S. Naraindas, 9, Nyniappa Maistry St., Park Town, Madras. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Universal Enterprises, 415, Poonamallee High Road, Madras. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1975

Rcf. No. F. IX/3/97/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing door

No. 415 situated Poonamallee High Road, Madras-10, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Madras on September 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring about 8 grounds and 840 sq. ft. and building beating door No. 415, Poonamallee High Road, Madras (R.S. No. 154 part).

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 29-4-1975

(1) Shri K. M. S. L. Sundararaman, 165A, Alagar Koil Road, Madural.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri M. Singaram Chettiar, No. 6, Mal I Street, Madurai (now at 165A, Alagar Koil Road, Madurai).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F.X/1(1)/22/74-75.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to be-

lieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

No. 165A situated at Alagar Koil Road, Madurai

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSR-I, Madurai on 9-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building measuring 20461 sq. ft. at No. 165A, Alagar Koil Road, Madurai (R.S. No. 831/2/3).

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 16-4-1975

S¢aI :

(2) Shri M. F. Mehta, 5-A, Waddel Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th April 1975

Ref. No. E. 1X/3/76/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15 situated at Harrington Road, Chetput, Madras

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at JSR.II, Madras on September, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. H. Tarapore, No. 12, Landons Road, Kilpauk, Madras-10.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 4 grounds and 744 sq. ft. at No. 15, Harrington Road, Madras-31 (R.S. No. 324 & 329).

K. V. RAIAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 11-4-1975

(Transferor) Se

M/s. Nathuram Friends Colony Co-operative House Building Society Ltd. Mathura Road, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manmohan Khanna S/o Late Shri Mehr Chand Khanna, 59 Friends Colony (East) Mathura Road,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

(Person(s) in occupation of the propety).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

New Delhi, the 6th May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Ref. No. IAC/ACQ.-I/SR.III/Nov.II/523(35)/74-75/575.—Whereas, I, C. V. Gupte,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

No. Plot No. 59, situated at Friends Colony (East) Mathura Road N. Delhi,

described in the Schedule annexed hereto), has been trans-

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chap-

(and more fully

ferred under the Registration Act,

New Delhi on 30-11-1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

### THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 59, situated at Nathuram Friends Colony (East), Mathura Road, New Delhi admeasuring 1930 sq. yds. (approx.) and bounded as under:-

North: Plot No. 59A. South: Plot No. 58A. West: Main Road. East: Service Road,

ter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. V. GUPTE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, sald Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-5-1975.

Scal:

\*Strike off where not applicable).

(2) Shri S. N. Telang, (H.U.F.), 74/1, Geographical Society Marg, East Maradpally, Secunderabad-26. (Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (3) Shri J. II. Shah, 415-A, Shivajingar, Chatursinghi Road, Poona-15. (Person in occupation of the property).

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERAN-DAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 8th May 1975

Ref. No. C.A.5/August'74/Haveli-II(Poona)/194/75-76.—Whereas, I, S. P. Krishnamurthy,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Final Plot No. 415-A, Shivajinagar, situated at Shivajinagar, Poona,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haveli-II (Poona), on 27-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri R. S. Gaitonde, Radha Mandir, Bhalchandra Road, Matunga, Bombay-19.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the

30 days from the service of notice on the res-

date of the publication of this notice in the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Freehold building. Built in 1965-67, Final Plot No. 415A, Shivajinagar, Chatursinghi Road, Poona-15.

Area of the plot: 5825 Sq. ft., Ground Floor 1778 Sq. ft., First Floor—1281 Sq. ft.

S. P. KRISHNAMURTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona.

Date: 8-5-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JYOTHI BUILDINGS, GOPOLA PRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. L.C.35/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy.

Nos. As per schedule, situated at Punalur Village in Quilon Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Punalur on 1-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri T. K. Ommen, s/o Shri Kurien Mg. Director, Babe Rubber Estates Ltd., Babe Estate Bangalow Punalur.

(Transferor)

(2) Shri Shajahan, s/o Shri Muhamed Kuju, Shajimanzil, Valakkot Muri, Punalur Village, Punalur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

10 acres rubber estate in Sy. Nos. 599/1/77, 599/1/152. 599/1/153, 599/1/154, 599/1/160, 599[1[161, 599/1/164 599/1/227 in Punalur Muri in Punalur Village in Quilon Dist.

K. RAJAGOPALAN, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5-5-75.

Mundakkal, (2) Shri N. Krishna, Krishna Bhandar, Quilon. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. COCHIN-11

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. L.C. No. 34/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

S. No. 12854, situated at Mayyanadu Village in Quilon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Quilon, on 20-8-74.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri N. Ramachandra Reddiar Cheriyamadathil, Pallithottom, Quilon.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2 acres 27 cents of land with cashew factory buildings in Sy. No. 12854 of Mayyanadu Village in Quilon.

> K. RAJAGOPALAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5-5-75.

Seal:

of :--

(2) M/s. The Palghat Malleables Ltd., Palghat.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, TYOTHI BUILDINGS, GOPALA PRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. L.C. No. 19765-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the composent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25,000/- and bearing No. 25,000/- and bearing No. 25,000/- and bearing No. 25, Nos. 12/5, 12/7, 12/8 13/1A, 13/1B and 13/1C, situated at Marutharodo 1984 (13/1A, 13/1B and 13/1C, situated at Marutharodo 1984 (14/15) Schedule annexed heteto), has been tangented under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the older of the Registering Officer at Palghat on 23-8-74, for an apparent consideration whereason to believe that the aforesaid property and I have reason to be aforesaid and th

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2 acres 43 cents of land with buildings in Sy. Nos. 12/5, 12/7, 12/8, 13/1A, 13/1B and 13/1C in Marutharode Amsom Desom in Palghat.

K. RAJAGOPALAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

(1) M/s Malleable Tube Products of India, Palghat.

(Transferor)

Date: 5-5-75,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECITING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

'YOTHI BUILDINGS' GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. L.C. 36/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 196!) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No. Nos. as per Schedule, situated at Punalur Village in Quilon District,

(and more fully described

in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Punalur, on 1-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri T. K. Oommen, s/o Shri Kurien, Managing Director, Bebe Rubber Estates Ltd., Bebe Estate Bungalow, Punalur.

(Transferor)

(2) Shri Muhammed Kunju, s/o Sri Parced Kunju, Shajimanzil, Punalur Village, Punalur.

(Transferec)

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this nontice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

9 acres 28 cents in Sq. Nos. 599/1/77, 599/1/152, 599/1/153, 599/1/154, 599/1/160, 599/1/161, 599/1/164, 599/1/227 in Punalur Muri in Punalur Village in Quilon District.

K. RAJAGOPALAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5-5-75.

Scal:

### FORM\_ITNS-

### 'NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### Bungalow, Punalur.

(Transferor)

(2) Shri Shajahaz, s/o Muhamed Kunju Shaji manzil, Valakkpt, Punalur Muri, Punalur Village, Qurilon. (Transferee)

(1) Shri T. K. Oommen, s/o Shri Kurien Managing

Director, Bebe Rubber Estates Ltd., Beebe Estate

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
'JYOTHI BUILDINGS' GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. No. L.C. 37/75-76|—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. Nos. as per Schedule, situated at Punalur Village in Qurilon District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Punalur on 21-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

10 acres rubber estate in Sy. Nos. 599/1/77, 599/1/152, 599/1/153, 599/1/154, 599/1/160, 599/1/161, 599/1/164, 599/1/227 in Punalur Muri in Punalur Village in Quilon District.

K. RAJAGOPALAN,
Compotent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5-5-75.

Scal:

n = =

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS' GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 6th May 1975

Ref. L. C. No. 39/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Sy. No. as per schedule, situated at Nagarom Amsom Desom in Calicut.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalappuram on 21-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 169D of the said Act, the following persons, pamely:—

(1) Shri Vishindas Pocker Das, s/o Shri Pocker Das, Banker, Nagarom, Calicut.

(Transferor)

(2) Shii K. B. G. Rao Estate (HUF), Represented by Manager Kartha Shri K. B. Govinda Rao, s fo Shri K. B. Devadasa Rao, Katcherri Amsom, Calicut.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/5th right centre 1st and 2nd floor and open terrace on the 2nd floor of the building No. 11/179 C of the Corporation of Calicut, situated in Sy. No. 39/6A (R.S. 11-2-75/2), in Nagarom Amsom Desom in Calicut.

K. RAJAGOPALAN,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 6-5-75.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/131/Mrt/74-75/115.—Whereas, J. Y. KHOKHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 41, situated at Satya Nagar, Garh Road, Distt. Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Meerut on 19-9-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Satya Prakash Goel, S/o L. (late) Banwari Lal Ji, Ram Nagar, Distt. Meerut.

(2) Shri Ganga Sharan S/o Shri Chiranji Lal, 48, Thatherwara, Distt. Meerut.

(Transferce)

(3) Transferor.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One house single storeyed bearing No. 41, situated at Satya Nagar, Garh Road, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

Y. KHOKHAR.

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 15-4-1975.

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 16th April 1975

Ref. F. No. Acq/129/Agra/74-75/116.—Whereas, I, Y. KHOKHAR.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5686, situated at Faridpur No. 358 and 360 situated at Sikh Gurudwara byepass Road, Agra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Agra on 5-8-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shyam Sunder, Satyamev and Raghubir Ss/o Bhimsen, R/o Mauza Kakretha, Tehsil and Distt. Agra.

  (Transferor)
- (2) Shii Parashuram Nagar, Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd., Agra, through Secretary, Ramesh Chand Sharma. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas and 5 biswas out of khata No. 358(1-15-0) and 360(1-10-0) situated at Sikh Gurudwara Byepass Road, Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 48,750/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 16-4-1975,

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 16th April 1975

Ref. F. No. Acq/5/Auraiya/74-75/117.—hereas, I, Y. KHOKHAR,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 89, situated at Mauja Gyanpur Iman Ali Parg, Auraiya, Distt. Etawah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Auraiya on 23-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Radha Kishan and Ram Sanehi, Ss/o Sri Chhadami Lal, R/o Kasba Auraiya, Mohalla Thathrahi, Sangh Nagar and Tilak Nagar, Parg, Auralya, P.O. Auraiya, Distt. Etawah.

(Transferor)

(2) Shrimati Sheeladevi W/o Surendra Kumar, Gurdayalprasad, Chootey Lal & Atmaram, Ss/o Puttu Lal, R/o Mohalla Gurhai, Porwai Colony, Auraiya and Ramsewak, Sureshchand & Jagdishchand Ss/o Ram Lal R/o Moh. Khirki Sahibrai, Auraiya, and Smt. Ushadevi W/o Satishchand Gupta R/o Moh. Homaun Bharthana and Santosh Kumar S/o Gurdayalprasad & Roop Ram S/o Janki Parsad, R/o Gurhai Porwal Colony, P.O. Parg. Auraiya, Etawah.

(Transferee)

(3) Transferors. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 5.87 acres out of plot No. 89 (bhumidhari land) situated in Mauja Gyanpur Imam Ali, Pargana Auraiya, Distt. Etawah, transferred for apparent consideration of Rs. 52,600/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 16-4-1975.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. 140/Acq/Ghaziabad/74 75/119 - Whereas, J. Y. KHOKHAR,

Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Lajwanti Market, now Rishi Village Loni Parg Loni, Teh. Ghaziabad, Distt. Market, Meerut.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad on 31-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

25—96 GI/75

(1) Shii Kanta Prasid S/o L. Baleram R/o 8-B, Guiranwala, Town Delhi, Mukhtaram, S. Surendrapal Singh and S. Sampooran Singh, Ss/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane, New Delhi and Soit Mahendra Kaur W/o S. Ramnik Singh R/o Shishal Hotal, Simla and S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh, R/o Pilasia, Indote and S. Sampooran Singb S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o L. Kanta Prasad. R/o D-1/31, Model Town, Delhi-9.

(Transferce)

3) Transferce [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4796 sq. yds. out of Khasra No. 1359 and plot Nos. 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115 and 116 and 117 and 118 and 119, each measuring 200 sq. yds; and out of Khasia No. 1358, plot Nos. 122, 123, 124, 125, 126, and 127 each measuring 266 sq. yds. and out of Khasra No. 1357/2 plot Nos. 81, 82, 83, 194 and 195, each plot measuring 160 sq. vds., situated at Lajwanti Market, now Market, Village and Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transfered for apparent consideration of Rs. 20,000/-.

> Υ. ΚΗΟΚΗΛΆ, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 15-4-1975.

### FORM I. U.N.S ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. h. No 141/Acq./Ghaziabad/74-75/120,---Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Laiwanti Market, now Rishi Market Village Loni Pargana Loni, Tch, Ghaziabad Distt. Meerut.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 12-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shit Kanta Ptasad S/o L. Baleram R/o 8-B, Gujranwala, Town Delhi, Mukhtaram, S. Sunendrapal Singh and S. Sampooran Singh Ss/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane, New Delhi and Smt. Mahendra Kaur W/o S. Ramnik Singh R/o Shishal Hotal, Simla and S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh, R/o Pilasia, Indore and S. Sampooran Singh S/o S. Pratap Singh, R/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar S/o L. Kanta Prasad R/o D-1/31, Model Town, Delhi-9.

(Transferce)

(3) Transferee. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

herein as are defined in Chapter

XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4840 sq. yds. out of khasia No. 1369 (plot No. 17 area 200 sq. yds.), khasia No. 1359 & 1360 (plot No. 26 area 200 sq. yds.) 1359 (plot Nos. 29, 30, 31 each measuring 160 sq. yds.) 1359 and 1360 (plot Nos. 32 and 33 cach measuring 160 sq. yds.) 1359 (plot Nos. 49. 50, 51, 54, 55, 56, 57, 58, 65, 66, 67, 68, 69 each measuring 200 sq. yds.) except plot No. 49 (150 sq. yds.) plot No. 65 measuring 260 sq. yds.), Khasia Nos. 1358 and 1359 (plot No. 70, 71 and 72 each measuring 200 sq. yds.) and out of khasia Nos. 1360 and 1359 (plot No. 34 measuring 430 sq. yds.), situated at Lajwanti Market (now Rishi Market) Village Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut,

Y. KHOKHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 15-4-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/142/Ghaziabad/74-75/121.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule, situated at Lajwanti Market, how Rishi Market, Village Loni, Parg, Loni, Tch. Ghaziabad, Distt. Mecrut.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 12-8-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kanta Prasad S/o L. Baleram R/o 8-B, Gujranwala, Town Delhi, Mukhtaram, S. Surendrapal Singh and S. Sampooran Singh, Ss/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane, New Delhi and Smt. Mahendra Kaur W/o S. Rannik Singh R/o Shishal Hotal, Simla and S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh, R/o Pilasia, Indore and S. Sampooran Singh S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Jangat Lane, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Satish Kumar S/o
 L. Kanta Prasad R/o D-1/31, Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

\*(3) Transferce. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4965 sq. yds. out of khasra No. 1357/2 (plot Nos. 189, 190, 191, 192, 193 each measuring 233 sq. yds.; 196, 197, 198, 199 and 200 each measuring 160 sq. yds.) 1357/3 (plot Nos. 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142 and 143 each measuring 200 sq. yds. situated at Lajwanti Market (now Rtshi Market), Village Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 20,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kangur.

Date: 15-4-1975.

Scal:

### FORM ITNS---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/137/Ghaziabad/74-75/122 -- Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Lapvanti Market, now Rishi Market, Village Loni Parg, Lom, Teh. Ghaziabad, Distt. Mecrut.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanta Prasad S/o L. Baleram R/o 8-B, Gujranwala, Town Delhi, Mukhtaram, S, Surendrapal Singh and S. Sampooran Singh, Ss/o S. Pratap ingh. R/o 1/124\_Janp t L ine, New Delhi and Smt. Mahendra Kaur W/o S. Ramnik Singh R/o Shishal Hotel, Simla and S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh,

R/o Pilasia, Indote and S. Sampootan Singh S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar S/o Sri Kanta Prasad R/o D-1/31, Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

(3) Transferce.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the fervice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4893 sq. vds out of khasia No. 1357/2, and plots No. 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187 and 188, each measuring 233 sq. vds. situated at Lajwanti Market, now Rishi Market, Village Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 20,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 15-4-1975.

### FORM ITNS----

R/o Pilasia, Indore and S. Sampooran Singh S/o S. Pratap Smoh, R/o 1/124, Januat I ane, New Delhi.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/138/Ghaziabad/74-75/123,---Whereas, I, Y, KHOKHAR.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-mafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Lajwanti Market, now Rishi Market, Village Loni Parg. Loni, Teh. Ghaziabad, Distr. Mecrut.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ghaziabad on 12-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanta Prasad S/o L. Baleram R/o 8-B. Gujtanwala, Town Delhi, Mukhtaram, S. Surendrapal Singh, S. Sampooran Singh, Ss/o S. Pratap Singh R/o 1/124, Janpat Lane, New Delhi and Smt. Mahendra Kaur W/o Sri Ramnik Singh R/o Seeshal Hotel, Simla and S. Mahendra Singh S/o. S. Pratap Singh, (2) Shri Ashok Kumar S/o L. Kanta Prasad R/o D-1/31, Model Town, Delhi-9.

(Tionsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (b) by any other person interested in the said of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4879 sq. vds. out of khasia Nos. 1357/2, plot Nos. 167 and 193-A cach measuring 333 sq. vds., out of khasia No. 1369, plot No. 86 measuring 750 sq. vds., khasia No. 1360, plot Nos. 88, 89, 90, 91, 96 and 97, each measuring 200 sq. yds. khasia No. 1359 plot No. 100 measuring 260 sq. yds., out of khasia Nos. 1359 and 1360 plot Nos. 101, 102, 103, 104, 105 each measuring 200 sq. yds., out of Khasia No. 1369, plot No. 18 measuring 200 sq. yds., out of Khasia No. 1358 and 1359, plot Nos. 73 and 74, each measuring 200 sq. yds. plot No. 75 measuring 130 sq. yds. out of khasia No. 1357/2, plot Nos. 79 and 80 cach measuring 160 sq. yds., situated at Enjwanti Market (now Rishi Market, Village Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Dist, Meerut, Transferred for Rs. 20,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
of Income-Tax,
Acquisition Range.
Kanpur.

Date: 15-4-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/139/Ghaziabad/74-75/124.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Lawanti Market, now Rishi Market, situated in Village I oni Parg Loni, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 31-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Kanta Prasad S/o L. Baleram R/o 8-B,\* Gujranwala, Town Delhi, Mukhtaram, S. Surendrapal Singh and S. Sampooran Singh, Ss/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane, New Delhi and Smt. Mahendra Kaui W/o S. Ramnik Singh R/o Cecil Hotel, Simla and S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh, R/o Pilasia, Indore and S. Sampooran Singh S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Rai Kumai S/o
 I. Kanta Piasad R/o D-1/31, Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4920 sq. yds. out of khasra No. 1357/3, Plot Nos. 144, 145, 147, 146, 148, 149, 150, 151, 152, 153 154, 155; 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165 and 166, each plot measuring 200 sq. yds. and plot No. 154-A measuring 320 sq. yds. out of khasra No. 1354, situated at Lajwanti Market, now Rishi Market, situated at Village and Pergana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 20,000%.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 15-4-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/147/Gbd/74\_75/125.—Whereas, I, Y, KHOKHAR.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 9 and 10, 3, 4, 5, 6, 120, 121 Luxmi Ind. Enclave, Vill. Gharoti Khurd and Vill. Loni, Parg, Loni, Teh Ghaziabad, situated at Dist. Meerut.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Rishi Land & Finance Co.,
 230 Chhota Bazar, Shahdara, Delhi,
 through Sri Banwari Lal Gupta and Sri Behati
 Lal Guota Ss/o L. Murari Lal,
 R/o 136 & 137, Gupta Bhawan,
 Bholanath Nagar, Shahdara, Delhi, and
 Sunil Kumar S/o Sti Kailash Chand and

Kailush Chand S/o Shri Musaddi Lal, R/o K-26, NDSE, Part-II, New Delhi and Sri Chandrabhan S/o Mangalsen, R/o 17. Deputy Ganj, Delhi-6, Rajesh Kumar S/o Shri P. C. Jain, 5021, Mendighas Pahari, Delhi, Partner and Prop. of above Firm.

(2) Sri Kanta Prasad S/o L. Baleram, R/o 8-B. Gujranwala Town, Delhi,

(Transferce)

(Transferor)

(3) Transferee.
[Person(s) in occupation of the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial plot No. 9 measuring 1666.66 sq. yds. plot No. 10 measuring 1666.66 sq. yds., out of gata No. 110M. and khasra No. 286M., situated at Laxmi Industrial Enclave, Village Gharoti Khurd; and plot Nos. 3, 4, 5 and 6 each measuring 200 sq. yds. (60x30) out of gata No. 1369M. in village Loni; and plot No. 120 measuring 266 sq. yds. and plot No. 121 measuring 266 sq. yds. khasia No. 1359M., situated in village Loni, Pargana Loni, Tchsil Ghaziabad, Distt. Mecrut.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Kanpur.

Date: 15-4-1975.

### Form 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1975

No ACQ/167/74-75/Gbd/126.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

No. 8, situated at Block 'B' Nasirpur residential colony Ashok Nagar, Loni Ghaziadabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshan Lal Seth S/o Sri Harnam Das Seth, 149, New Gandhi Nagar, Ghaziabad, Dist. Meerut, presently R/o 18, Camee Street, Calcutta-17. (Transferor) (2) Shri Vishal Chand Jain and Sri Lal Chand Jain
 Ss/o Sri Ranject Singh Jain,
 R/o 127-C, Bulandshahar Road, Industrial Area,
 Ghaziabad, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 8 Block Number 'B' measuring 1259 sq. yds. situated at Nasirpur, residential colony Ashok Nagar, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut transferred for apparent consideration of Rs. 45,324/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-4-1973

### Form ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1975

"Nor Acq/63/Hapur/74-75/127.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 19, situated at Shakerganj, Hapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hapur on 28-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income thising from the and/or :
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (A1 of 1922), or, the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, magnely:--26-96 GI/75

(1) Shri Moti Lal Jain S/o L. Damadar Das Jain, R/o Kasba Hapur, Mohalla Katra Khairati Ram, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kripal S/o Matru Mal,

Kasba Hapur, Mohalla Railway Road, Hapur.

(Transferee)

(Person in occupation (3) of the property).

(4). Om Prakash S/o Nani Chand, 19. Shakerganj, Hapur. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One shop, single storeyed bearing No. 19 and open land behind it measuring in all 636 sq yds., out of which only in 17 sq. yds. the shop is constructed, situated at Shakerganj, Hapur, transferred for apparent consideration of Rs. 35,000/-.

> Y KHOKHAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-4-1975

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Jagdish Chand, 18 and 18/1, Shankergarij, Hapur.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1975

Ref. No. Acq/1070/Acq/Hupur/74-75/128.—Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing.

No. 18 & 18/1 situated at Shankerganj, Garh Road, Hapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hapur on 28-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons:—

 Shri Moti Lal Jain S/o Sri L. Damodar Das Jain, R/o Kasba Hapur, Mohalla Katra Khairati Ram, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Koilash Kumar S/o L. Matru Mal, R/o Kasba Hapur, Mohalla Railway Road, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Two shops bearing No. 18 and 18/1, situated at Shankerganj, Garh Road, Hapur, Distt. Meerut measuring  $12^{\circ}\times12^{\circ}$  each alongwith chabutra measuring 12' width which is at the back of shops, transferred for apparent consideration of Rs. 22,600/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-4-1975

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd April 1975

No. Acq/223/KNP/74-75/166.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25.000/-and bearing

No. 109/106 situated at Nehru Nagar, Kanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 8-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Susheela Devi ahas Gita W/o Dr. Binda Prasad and Sri Rajendra Kumar, Virendra Kumar, Ravindra Kumar Ss/o Dr. Binda Prusad, Rs/o Mohalla Terhi Gali, Sunder Niwas, Distt. Faizabad.

(Transferor)

(2) Shrimati Urmila Pathak W/o Sri Prem Kumar Pathak and Sri Narain Pathak and Anil Kumar Pathak, S/o Sri Raj Kumar Pathak, R/o P. Road, 108/87, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. 109/106, situated at Nehru Nagar, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 48,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-4-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd April 1975

No. Acq/148/Gbd./74-75/167.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  $R_{\tilde{s}}$ . 25,000/and bearing

No. 58-A situated at Ashok Nagar Colony,

Ghaziabad, Meerut,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ghaziabad on 28-8-74

for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or 'evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from and transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate porceedings fo the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sajjarr Singh S/o S. Jagat Singh and Smt. Harvansh Kaui W/o Sri Sajjan Singh, R/o 58-A, Ashok Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shrimati Darshana Devi W-o Sri Roshan Lal, R-o 429, Mohalla Moharam Shahdara, Delhi-32. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One storeyed house bearing plot No. 58-A measuring 30'× 60' i.e. 200 sq. yds. situated at Ashok Nagar Colony, Ghazlabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-4-19751

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1975

No. Acq/230/KNP/74-75/168.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 126/R/1&2 situated at Govind Nagar, Kanpur (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer яŧ Kanpur on 17-8-74

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Mulk Raj S/o Shri Daulat Ram, 110/127, Ram Krishna Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Surinder Kaur W/o Sri Santokh Singh 126/R/1&2, Govind Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- \*(3) Shri Mohinder Singh, Kripal Singh, Mohinderjit, tenants in property No. 126/R/1&2, Govind Nagar, Kanpur. (Person in occupation of the property).
- \*(4) As in 3 above. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in Official Gazettee.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Single storeyed house property bearing No. 126/R/1&2 in an area of 493 sq. yds. situated at Govind Nagar, Kanpur, transferred for apparent consideration of Rs. 60,000/-.

> F. J. BAHADUR, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 26-4-1975

(1) Smt. Kamla Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Tranferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd. 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendor (Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 16th May 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

No. Ac-7/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I. R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at Alipore Road, Eastern Portion, P.S. Alipore

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(and more fully described

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Registrar of Assurance, Calcutta on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 8 cottahs 13 chittacks 29 sq ft. together with first floor of a building being premises No 8A, Alipore Road. Eastern Portion. P.S. Alipore, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee-for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (3rd Floor),
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-5-1975

Scal:

### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR),
54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 16th May 1975

No. Ac-4/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawin, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at Alipore Road, Fastern Portion, Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair matket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Murlidhar Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta. (2) M/s Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd. 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferec)

'(3 Vendor (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 8 cottahs 13 chittacks 29 sq ft. together with ground floor of a building being premises No. 8A, Alipore Road, Eastern Portion, P.S. Alipore, Calcutta,

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (3rd Floor),
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 16-5-1975

Scal:

(Transferor)

(2) M/s Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd. 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 16th May 1975

No. Ac5/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8A situated at Alipore Road, Eastern Portion, Alipore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Murlidhar Jindal,, 8A, Alipore Road, Calcutta.

Date: 16-5-1975

(3) Vendor (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 8 cottahs 13 chittacks 29 sq ft. together with first floor of a building being premises No. 8A, Alipore Road, Eastern Portion, P.S. Alipore, Calcutta.

> R. V. LALMAWIA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, (3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

(Transferor) Seal:

(2) M/s Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd. 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 16th May 1975

No. Ac-6/R-1I/Cal/75-76.—Whereas I. R. V. Lalmawia. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at Alipore Road, Eastern Portion Alipore P.S. (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamala Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta. \*(3) Vendor (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 8 cottahs 13 chittacks 29 sq ft. together with first floor of a building being premises No. 8A, Alipore Road, Eastern Portion, P.S. Alipore, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (3rd Floor),
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 16-5-1975

Seal:

(Tranteror)

### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliandur, the 13th May 1975

No. AP870/75-76/Nakodar.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as in the scheduled situated at Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in August, 1974.

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

 Joginder Singh S/o Alma Singh, R/o Vill. Lallian Kalan Teh. Jullundur. (2) Shri Pakhar Singh S/o Shri Atma Singh, R/o V. Lallian Kalan, Tehsil Jullundur.

(Transferce)

- \*(3) As mentioned above in Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]
- \*(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1430 of August, 1974 of the Registering Authority Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 13-5-1975

Seal

\*(Strike off where not applicable).

(Transeror)

Form I.T.N.S -

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st October 1974

Ref. No. 36/74-75.—Whereas, I S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the tummovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 1-7-10 situated at Bakaram, Mushirabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the adian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of he said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Mir Liaquath Ali Khan, S/o Mir Abammed Ali Khan, 2. Hidayathunnisa Begum W/o Mir Liaquath Ali Khan, 3. Azeez Ali Khan S/o Mir Liaquath Ali Khan, 4. Mir Abammed Ali Khan S/o Mir Liaquath Ali Khan, 5. Mrs. Miraj Durdana D/o Mir Liaquath Ali Khan, 6. Shahnaz D/o Mir Liaquath Ali Khan, 7. Nazneem Ali Khan D/o Mir Liaquath Ali Khan, all residing at H. No. 10-2-287, Shanthinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Nandamuri Jayakrishna, S/o N. T. Rama Rao, 2. N. Sai Krishna, 3. N. Harikrishna, 4. N. Mohana Krishna, 5. N. Balakrishna, (6. N. Ramakrishna, 7. N. Jayashankar Krishna, all are Sons of Sri N. T. Rama Rao, and all residing at 4-1-427 Troop Bazar, Hyderabad. 8. Sri G. Lokeswari W/o Ganapathi Gnaneswar Rao, R/o Naidugudem Village, Nuziveedu Taq. Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property: The entire single storied building named "DONNY BOOK" and other structures out houses. Open land on eastern side compound wall, total covered area of the building 228 Sq Meters and including open land total area 6829.285 Sq. meters (8169 Sq. Yards) bearing Municipal No. 1-7-10 situated at Bakaram, Mushirabad, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date: 21-10-1974.

•	•	 v v v	